@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 5 अगस्त 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 272 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'मंगल मिलन' में मांडविया ने राष्ट्रमंडल खेल और रोजगार पर दिये दो विशेष प्रेजेंटेशन

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद पुस्तकालय भवन स्थित जीएमसी बालायोगी सभागार में मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल की साप्ताहिक 'मंगल मिलन' बैठक हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेता और सांसद शामिल हुए। सूत्रों के अनुसार बैठक में मानसून सत्र के शेष 10 दिनों के लिए संसद की फ्लोर मैनेजमेंट रणनीति, विभिन्न विधायी कार्यों और सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय पर चर्चा की गई। इस दौरान केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने दो विशेष प्रेजेंटेशन दिए। पहला

● बैठक में बताया गया कि देश की विकास यात्रा बहुत अच्छी गति से आगे बढ़ रही है। जीडीपी वृद्धि, रोजगार और युवाओं के लिए अवसर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

प्रेजेंटेशन कॉमनवेल्थ गेम्स और युवाओं से जुड़े विषयों पर केंद्रित था, जबकि दूसरा रोजगार सृजन के अवसरों पर आधारित रहा। बैठक में एनसीपीआई के तीन सांसद अबू ताहिर, खलीलुर्रहमान और युसुफ पठान लगातार दूसरी बार शामिल नहीं हुए। ये तीनों सांसद पिछले मंगलवार को हुई 'मंगल मिलन' बैठक से भी अनुपस्थित रहे थे। उनकी लगातार गैरमौजूदगी को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हैं। इनके वापस तृणमूल कांग्रेस में जाने की चर्चाएं हैं। आज पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री भी दिल्ली पहुंच रहे हैं। हालांकि, इस संबंध में अब तक न तो तीनों सांसदों और न ही एनसीपीआई की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है। बैठक के बाद सांसद रवि किशन ने मीडिया को बताया कि बैठक अच्छी रही। बैठक में बताया गया कि देश की विकास यात्रा बहुत अच्छी गति से आगे बढ़ रही है। आज जीडीपी वृद्धि, रोजगार और युवाओं के लिए अवसर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

जम्मू-कश्मीर में इस साल हुई बादल फटने की 35 घटनाएं

31 लोगों की मौत और तबाही का दिखा मंजर

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में 2026 की गर्मियों को लंबे समय तक याद रखा जाएगा, क्योंकि इस केंद्र शासित प्रदेश में रहने वाले लोगों के लिए बादल फटना कोई अपवाद नहीं, बल्कि एक आम बात बन गई थी। अब तक इस केंद्र शासित प्रदेश में बादल फटने की 35 घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें 31 लोगों की जान चली गई। 1 अगस्त को किश्तवाड़ जिले के छत्रू इलाके में जबरदस्त बादल फटने की घटना हुई, जिससे भारी तबाही मची। बाढ़ का पानी अपने साथ मलबा, उखड़े हुए पेड़ और पत्थर बहाकर रिहायशी इलाकों और स्थानीय बाजार तक ले आया। कई घरों में दरारें आ गईं, दुकानें पानी में डूब गईं और खड़ी गाड़ियां बह गईं। कुछ इलाकों में बिजली और संचार व्यवस्था प्रभावित हुई, जिसके बाद अधिकारियों ने बहाली का काम शुरू किया। पिछले चार दिनों में शोपियां जिले में लगातार तीन बार बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिससे जिले के बद्रहामा, पहलपोरा और हीरपोरा इलाकों में सरकारी और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि बादल फटने की इन तीन घटनाओं के कारण कई घर पानी में डूब गए और बचाव एजेंसियों को आपातकालीन कार्रवाई करनी पड़ी। अचानक बादल फटने से पानी का बहाव तेजी से बढ़ा, जिससे रिहायशी इलाकों में बाढ़ आ गई और कई परिवार प्रभावित हुए। शोपियां पुलिस, स्टेट डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फ़ोर्स (एसडीआरएफ) और स्थानीय लोगों की टीमों ने तुरंत बचाव और राहत का काम शुरू किया ताकि प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके और फँसे हुए लोगों की मदद की जा सके। इस साल अब तक बादल फटने की 35 घटनाएं हुई हैं।

22 घटनाएं 1 जून से जुलाई के बीच में हुईं।

एअर इंडिया की फुकेट-दिल्ली फ्लाइट टर्बुलेंस में फंसी

12 घायल: पैसेंजर ने बताया- विमान 3 मिनट पलटी खाता रहा

कई लोगों के पैर-कंधे में चोट

एजेंसी

नई दिल्ली। थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया फ्लाइट AI2379 मंगलवार को टर्बुलेंस (तेज हवा के झटकों) में फंस गई। उड़ान के दौरान फ्लाइट हिलने लगी और अचानक कुछ फीट तक नीचे आ गई। हालांकि, पायलट ने स्थिति संभाली और फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा।

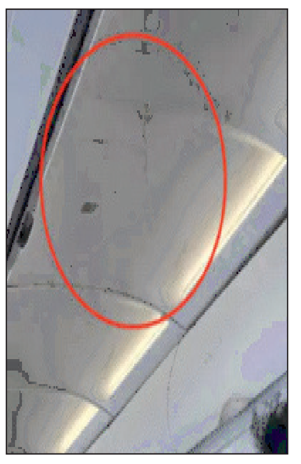

हादसे में 12 लोग घायल हुए हैं। इनमें यात्री और क्रू मेंबर्स शामिल हैं। घायलों को दिल्ली एयरपोर्ट के मेडिकल सेंटर में इलाज के लिए भेजा गया है। एअर इंडिया ने पहले बताया था कि सभी यात्री और क्रू सुरक्षित हैं। किसी के गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है। फ्लाइट में सवार एक यात्री ने दावा किया कि उड़ान भरने के करीब डेढ़ घंटे बाद अचानक तेज झटके लगने लगे। सुबह का समय था और ज्यादातर यात्री सो रहे थे। अचानक विमान जोर से हिलने लगा और 2-3 मिनट तक पलटी खाता रहा। यात्री के मुताबिक, 15-20 लोगों को ज्यादा चोटें आई हैं। जबकि 70 से 80फीसदी लोगों को मामूली चोट लगी है। यात्री के मुताबिक, फ्लाइट में 100 से ज्यादा लोग सवार थे। घटना की जांच की जा रही है। फ्लाइट की तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिनमें उसकी सीलिंग के पैनल में दरारें दिखीं।

'जांच कर रहे संबंधित अधिकारी'

एअर इंडिया ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा और उनका स्वास्थ्य हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। प्रभावित लोगों को हर जरूरी मदद दी जा रही है। साथ ही इस मामले की जांच में संबंधित अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है।

पूर्व राज्यपाल डॉ. डीवाई पाटिल का कोल्हापुर में निधन

एजेंसी

मुंबई। पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ शिक्षाविद, पद्मश्री से सम्मानित डॉ. ज्ञानदेव यशवंतराव पाटिल (91) का मंगलवार को सुबह महाराष्ट्र के कोल्हापुर के कस्बा बावड़ा स्थित उनके आवास निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे और घर पर ही उनका उपचार चल रहा था। डीवाई पाटिल के पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को कोल्हापुर में डॉ. पाटिल के पार्थिव का अंतिम संस्कार किया जाएगा। कोल्हापुर जिले के कस्बा बावड़ा में 22 अक्टूबर 1935 को जन्मे डॉ. डीवाई पाटिल ने कोल्हापुर से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की। उन्होंने शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाला एक विशाल शैक्षणिक साम्राज्य खड़ा किया। उन्होंने शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और इसी कारण उन्हें देश के अग्रणी शिक्षाविदों में गिना जाता है।

यूपी विधानसभा में 59019 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश

● बजट पेश होने के दौरान विधानसभा में विपक्ष का हंगामा जारी रहा

ऊर्जा-उद्योग और स्वास्थ्य पर बड़ा दांव

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन 59,019.54 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में बजट प्रस्तुत करते हुए ऊर्जा, औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य, कृषि और समाज कल्याण जैसे क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रावधानों की घोषणा की। बजट पेश होने के दौरान समाजवादी पार्टी के विधायकों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर जोरदार हंगामा किया, जबकि सत्ता पक्ष ने भी नारेबाजी का जवाब नारेबाजी से दिया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा पेश किए गए 59,019.54 करोड़ रुपये के अनुपूरक बजट में ऊर्जा क्षेत्र के लिए 4,722 करोड़ रुपये तथा समाज कल्याण विभाग के लिए 1,655 करोड़ रुपये के अतिरिक्त प्रावधान किए गए हैं। सरकार का कहना है कि यह बजट राज्य में आधारभूत ढांचे के विस्तार, औद्योगिक निवेश, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और कृषि क्षेत्र को मजबूती देने पर केंद्रित है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में कृषि विभाग को राजस्व मद में 132.38 करोड़ रुपये तथा पूंजीगत मद में 159 करोड़ बजटीय व्यवस्था की गई है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एलोपैथी चिकित्सा को सबसे अधिक प्राथमिकता मिली है। इस मद में 1,100 करोड़ रुपये राजस्व तथा 96

रुपये का प्रावधान किया गया है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के लिए 244.80 करोड़ रुपये से अधिक, पशुपालन विभाग के लिए लगभग 70 करोड़ रुपये तथा दुग्ध विकास, मत्स्य और भूमि विकास एवं जल संसाधन विभागों के लिए भी अतिरिक्त करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय का प्रावधान किया गया है। परिवार कल्याण के लिए 704.25 करोड़ रुपये, सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए 60.65 करोड़ रुपये तथा आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा सेवाओं के विस्तार के लिए भी अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है। औद्योगिक विकास एवं आधारभूत ढांचे के विस्तार पर सरकार ने विशेष जोर दिया है। भारी एवं मध्यम उद्योग विभाग के लिए करीब 20,905.88 करोड़ रुपये का पूंजीगत प्रावधान किया गया है, जबकि राजस्व मद में 130.30 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग तथा मुद्रण एवं लेखन सामग्री से जुड़े पूंजीगत कार्यों के लिए भी अतिरिक्त बजट का प्रावधान किया गया है।

राम मंदिर प्रकरण पर विपक्ष फैला रहा भ्रम, एसआईटी जांच में साधु-संतों की भूमिका नहीं मिली : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट में राज्य सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है और इस मामले में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में किसी भी साधु-संत की संलिप्तता सामने नहीं आई है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर प्रदेश और सनातन परंपरा की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा है। विधानसभा परिसर के बाहर मीडिया से बातचीत में सीएम योगी ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट का गठन राज्य सरकार ने नहीं, बल्कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद हुआ था। इसके बावजूद विपक्ष लगातार सरकार पर निराधार आरोप लगा रहा है और भ्रामक प्रचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि चढ़ावा चोरी की जानकारी मिलते ही सरकार ने तत्काल एसआईटी का गठन किया और मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। जिन लोगों की भूमिका सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों में सामने आई है, उनके विरुद्ध कार्रवाई जारी है। जांच के दौरान न्यायालय के निर्देशों का भी पूरी तरह पालन किया जा रहा है।

बाढ़ से मरने वालों की संख्या 21 हुई, छह लापता

आईएमडी ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल में लगातार हो रही बारिश की वजह से मरने वालों की संख्या 21 हो गई है, जबकि छह लोग अभी भी लापता हैं। अधिकारियों से बातचीत करने, राहत कैंपों के कामकाज का आकलन लगाने और दूसरी प्रभावित जगहों पर जाने से पहले बचाव कार्यों की समीक्षा करने की उम्मीद है। आपदा से निपटने के तरीकों से राजनीतिक आलोचना से घिरी सरकार के लिए मुख्यमंत्री का यह दौरा अहम है। पुलिस की ओर से बाढ़ के शुरुआती अहम दौर में कोऑर्डिनेशन में कमी का आरोप लगाया गया है, और सवाल उठाया है कि समय पर

भारी बारिश से पूरे राज्य में स्थिति गंभीर हो गई है। बाढ़, भूस्खलन और नदियों के उफान पर होने की वजह से हजारों लोग बेघर हो गए हैं, घरों और सड़कों को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों को कई जिलों में बचाव और राहत कार्य तेज करने पर मजबूर होना पड़ा है। परिस्थितियों का समाधान करने के लिए मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन मंगलवार को पठानमथिट्टा जिले के रन्नी और अरनमुला के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। उनका पहला पड़ाव दोपहर में अरनमुला होगा, जहां उनसे जिले के कार्रवाई से आपदा का असर कम हो सकता था? जंगल के इलाकों में रात भर बारिश कम हुई, लेकिन पठानमथिट्टा में हालात अभी भी ठीक नहीं हैं। रन्नी और अरनमुला में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं, जहां पंबा, अचनकोविल और कक्कत्तर नदियों में पानी का लेवल अभी भी ज्यादा है। अधिकारियों ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को सावधान रहने की चेतावनी दी है। जिला प्रशासन की ओर से 74 राहत कैंप खड़े हो गए हैं, जिनमें से 3,000 से ज्यादा लोगों को रहने की जगह दी गई है।

● कैंपों के रास्ते जरूरी सामान बांट जा रहा है, जबकि बचाव दल कमजोर जगहों पर तैयार हैं। अधिकारियों की ओर से लोगों को पहाड़ी और बाढ़ वाले इलाकों में बिना वजह जाने से बचने की सलाह दी गई है।

वैष्णो देवी मंदिर में 550 करोड़ रुपये की हेराफेरी का मामला

● सीजीएम ने मांगी विस्तृत जांच रिपोर्ट
● सबूत सुरक्षित रखने के दिए निर्देश

एजेंसी

श्रीनगर। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन में चढ़ावे की करीब 20 टन चांदी के 'नकली' होने और लगभग 550 करोड़ रुपए की हेराफेरी के आरोपों वाला मामला अब कोर्ट की निगरानी में आ गया है। जम्मू के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मामले में पुलिस को विस्तृत जांच रिपोर्ट पेश करने और सभी सबूत तुरंत सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। सीजेएम मुनीष कुमार मनहास ने यह आदेश 29 जुलाई को दिया। मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। वकील दीपक शर्मा ने कोर्ट में एक अर्जी दी थी। उनका आरोप है कि श्रद्धालुओं द्वारा माता वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ाई गई करीब 20 टन चांदी में मिलावट, अदला-बदली और गबन हुआ है। इस चांदी की अनुमानित कीमत करीब 550 करोड़ रुपए बताई जा रही है। दीपक शर्मा ने सबसे पहले 9 मई को जम्मू क्राइम ब्रांच के आईजी और एसएसपी, आर्थिक अपराध शाखा को शिकायत दी थी। कोर्ट के सामने एसएसपी क्राइम ब्रांच, ईओडब्ल्यू जम्मू की रिपोर्ट रखी गई। रिपोर्ट के मुताबिक क्राइम ब्रांच को शिकायत 11 मई को मिली थी। 20 मई को इसे आगे की कार्रवाई के लिए क्राइम हेडक्वार्टर भेजा गया।

9 जून को क्राइम हेडक्वार्टर ने इसे जोनल पुलिस हेडक्वार्टर जम्मू को भेजने की मंजूरी दी। 13 जून को यह मामला आईजी जम्मू जोन को भेजा गया। इसके बाद जांच के लिए इसे एसएसपी रियासी को सौंपा गया और आखिर में भवन, कटरा के डीएसपी को जांच का जिम्मा दिया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। मामला जांच के स्तर पर ही है। 29 जुलाई की सुनवाई के दौरान वकील दीपक शर्मा ने कोर्ट से मांग की कि इस मामले से जुड़े सभी सबूतों को फौरन सुरक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि बची हुई चांदी या चांदी जैसी दिखने वाली वस्तुएं, उनके सैंपल, बचे हुए टुकड़े, स्टॉक और वॉल्ट के रिकॉर्ड, वजन और भेजने के रजिस्टर, लैब और असे की रिपोर्ट, सरकारी टकसाल के कागज और चेन ऑफ कस्टडी से जुड़े सभी दस्तावेज सुरक्षित रखे जाएं। साथ ही सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक इन्वेंट्री डेटा, ऑफिशियल ईमेल, सर्वर लॉग, ऑडिट ट्रेल, अकाउंटिंग रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल सबूतों को भी डिलीट या बदला न जाए। अर्जी में कहा गया कि अगर चांदी को अभी पिघलाया, रिफाइन किया या इधर-उधर किया गया या कंप्यूटर डेटा डिलीट हो गया तो सबूतों की पहचान, वजन और शुद्धता हमेशा के लिए खराब हो जाएगी। इन दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने डीएसपी भवन, कटरा को निर्देश दिया।

2019 से 2026 तक 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाया गया

मोदी सरकार 2019 में एनआईए संशोधन अधिनियम और यूपीपीए संशोधन अधिनियम लेकर आई और 2020 के बाद भगोड़ों को भारत वापस लाने की प्रक्रिया को 'मिशन मोड' में आगे बढ़ाया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। भगोड़े अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, 2019 से अब तक 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम' (Fugitive Economic Offenders Act) लागू हुआ। गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, भारत ने भगोड़ों के खिलाफ एक एकीकृत, खुफिया-आधारित और प्रौद्योगिकी-संचालित मॉडल विकसित किया है, जिससे भगोड़ों के खिलाफ सख्ती बरतते हुए उन्हें वापस लाने का रास्ता साफ हुआ। 2014 से पहले प्रत्यर्पण के कानून कालबाह्य हो गए थे और केवल 37 देशों के साथ प्रत्यर्पण संधियां थीं। आर्थिक भगोड़ों को पकड़ने और उनकी संपत्ति जब्त करने के लिए कोई अलग कानून नहीं था। 2004 से 2013 के बीच एक वर्ष में औसतन केवल 4 भगोड़ों का प्रत्यर्पण होता था जबकि 110 अनुरोध लंबित थे। इसके अलावा, अधूरे दस्तावेज़ और धीमी कार्यवाही के कारण प्रत्यर्पण प्रक्रिया बहुत

जटिल हो गई थी और विदेशी अदालतें भी प्रत्यर्पण की अनुमति नहीं देती थीं। साथ ही, कानूनी एवं न्यायिक बाधाओं जैसे, दोहरे अभियोजन से बचाव (double jeopardy) और दोहरे अपराध के सिद्धांत (dual criminality) के कारण भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध रद्द किए जाते थे। गृह मंत्रालय और अन्य विभागों में समन्वय और एकीकृत रणनीति का अभाव भी था और भगोड़ों की जानकारी साझा करना, लोकेशन ट्रैकिंग, रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने जैसे कार्य धीमी गति से चलते थे। भगोड़ों को वापस लाने को लेकर पहले की सरकारों में पॉलिटिकल विल का अभाव था, मोदी सरकार ने भगोड़ों के प्रत्यर्पण को 'राष्ट्रीय प्राथमिकता' बनाया। प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप, केन्द्रीय गृह मंत्री ने भगोड़ों के खिलाफ तीन स्तंभों पर जोर दिया है - वैश्विक अभियान, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति। श्री अमित शाह ने भगोड़े अपराधियों के मुद्दे को देश की संप्रभुता, आर्थिक स्थिरता, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ बताया है।

लाइसेंसी हथियार का इस्तेमाल हर्ष फायरिंग के लिए नहीं कर सकते : हाईकोर्ट

प्रयागराज(एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि लाइसेंसी हथियार का इस्तेमाल विवाह समारोहों या धार्मिक आयोजनों में हर्ष फायरिंग के लिए नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रत्येक लाइसेंसधारक का दायित्व है कि वह खरीदे और इस्तेमाल किए गए गोला-बारूद का रिकॉर्ड भी रखे। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने अखिलेश कुमार की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ता ने 767 कारतूसों का हिसाब नहीं दे पाने के बाद रद्द किए गए शस्त्र लाइसेंस के आदेश को चुनौती दी थी। कोर्ट ने 29 जुलाई को दिए फैसले में कहा कि शस्त्र लाइसेंस एक विशेषाधिकार है, जो कानून और लाइसेंस की शर्तों के कड़ाई से पालन पर निर्भर करता है। कोर्ट ने लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी और अपीलीय प्राधिकारी के आदेशों को सही ठहराया। कोर्ट ने कहा कि शस्त्र लाइसेंस एक विशेषाधिकार है और इसे इस विश्वास के साथ जारी किया जाता है कि लाइसेंसधारक इसकी सभी शर्तों का पालन करेगा। मामले के मुताबिक याचिकाकर्ता को 2000 में शस्त्र लाइसेंस जारी किया गया था। 2019 में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने उससे खरीदे और इस्तेमाल किए गए कारतूसों का विवरण मांगा। याचिकाकर्ता ने बताया कि उसने सालों में 857 कारतूस खरीदे थे लेकिन वह केवल 57 कारतूस और 33 खोखे ही प्रस्तुत कर सका।

मेरठ में कांवड़ियों के दो गुट आपस में भिड़े, चले लात-घूसे और डंडे, क्षेत्र में फैला तनाव

मेरठ। मेरठ में राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर सोमवार को दो बाइक सवारों के बीच हुई टक्कर के बाद विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते कांवड़ियों के दो गुट आपस में भिड़ गए और जमकर लात-घूंसे और लाठियां एक-दूसरे पर बरसाईं। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया। वीडियो फुटेज में थप्पड़ मारते, लातों-घूंसे बरसाते और डंडे से पीटते नजर आ रहे हैं। इस बीच मेरठ पुलिस ने कांवड़ियों द्वारा पुलिसकर्मियों पर हमले के वायरल दावों का खंडन किया। मेरठ पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पुलिसकर्मियों की पिटाई या उनके कपड़े फाड़ने जैसी बातें सच नहीं हैं। वीडियो में दिख रहा सोनू नाम का युवक बाइक से जा रहा था और उसकी बाइक हरिद्वार से जल लेकर आ रहे एक कांवड़िये की बाइक से टकरा गई, जिससे विवाद हो गया। पुलिस ने संबंधित व्यक्ति की मेडिकल जांच कराई है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मेरठ के एसपी सिटी के मुताबिक कांवड़ियों की दो बाइकों के आपस में टकराने के कारण विवाद हुआ था। झड़प की सूचना मिलने पर सादे कपड़ों में तैनात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। किसी भी पक्ष की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। बता दें सालाना कांवड़ यात्रा के कारण गाजियाबाद में स्कूल और कॉलेज 12 अगस्त तक बंद रहेंगे। ऑर्डर में कहा गया कि इसी तरह जिले में चलने वाले सभी कॉलेज, यूनिवर्सिटी और टेक्निकल इंस्टिट्यूट भी 4 से 12 अगस्त तक बंद रहेंगे। हालांकि, किसी भी कोर्स या सब्जेक्ट के लिए पहले से तय एग्जाम तय समय के अनुसार होते रहेंगे। इस ऑर्डर का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

मणिपुर में एक उग्रवादी गिरफ्तार, अभियान में भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

इंफाल(एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के काकचिंग शहर में एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़े 42 साल के उग्रवादी को गिरफ्तार किया जबकि कांगपोकपी जिले में एक अलग अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। मंगलवार को पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि प्रतिबंधित संगठन कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (अपुनबा) के स्वयंभू 'मेजर' को सोमवार को वांगू मामेइचिंग इलाके में उसके घर से पकड़ा। बयान में कहा गया है कि उसी दिन एक अलग अभियान में, सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी के सैकुल पुलिस थाना क्षेत्र में मकोकचिंग जंगल की पहाड़ी श्रृंखला में हथियार और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। पुलिस ने बताया कि बरामद हथियारों में एक एम16 राइफल, सात पिस्तौल, एक मार्क-3 राइफल, एक स्नाइपर राइफल, एक .22 बोल्ट-एक्शन गन, 25 सिंगल-बैरल बंदूकें, अलग-अलग कैलिबर के 76 कारतूस, चार पंपी, तीन हथगोले और बीस डेटोनेटर शामिल हैं। अभियान के दौरान चार रेडियो सेट भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अब इस मामले में जांच कर रही है।

महाराष्ट्र सरकार ने समुद्र में मछली पकड़ने पर लगी पाबंदी 15 तक बढ़ाई

-गोवा सरकार से अनुरोध कर मांगा सहयोग, सीएम सांवत ने दिया आश्वासन

मुंबई(एजेंसी)। समुद्री मछलियों के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने तटीय इलाकों में मछली पकड़ने पर लगी पाबंदी को 15 अगस्त तक बढ़ा दिया है। इसकी जानकारी महाराष्ट्र के मत्स्य मंत्री नितेश राणे ने गोवा के सीएम डॉ. प्रमोद सावंत से फोन पर बात कर साझा की। राणे ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने गोवा के सीएम सावंत से टेलीफोन पर बात की। उन्होंने उन्हें महाराष्ट्र के मत्स्य विभाग द्वारा 15 अगस्त तक मछली पकड़ने पर लगाए गए प्रतिबंध के बारे में बताया।

इस दौरान उन्होंने गोवा सरकार से अनुरोध किया कि इस अवधि में महाराष्ट्र का सहयोग करे और यह तय करे कि गोवा के मछुआरे महाराष्ट्र के समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने के लिए ना आएं। मंत्री राणे ने कहा कि सीएम सावंत ने इस मामले पर सकारात्मक जवाब दिया और पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। राणे ने सहयोग के लिए सीएम सावंत का धन्यवाद भी किया। बता दें महाराष्ट्र सरकार ने तटीय इलाकों में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध 15 अगस्त तक बढ़ा दिया है। इसके तहत राज्य की तटरेखा से 12 समुद्री मील यानी करीब 24 किलोमीटर के भीतर व्यावसायिक और यंत्रीकृत मछली पकड़ने पर रोक रहेगी। यह पाबंदी केंद्र सरकार के 31 जुलाई को खत्म हुए मानक प्रतिबंध से भी आगे तक बढ़ाई गई है। हालांकि इस प्रतिबंध से पारंपरिक मछुआरों को छूट दी गई है। अधिकृत छोटे और बिना मोटर वाले नावों का इस्तेमाल करने वाले पारंपरिक मछुआरे तट के पास स्थानीय पानी में मछली पकड़ सकते हैं।

वहीं गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए यंत्रीकृत नावों को 1 अगस्त से 12 समुद्री मील से आगे खुले समुद्र में मछली पकड़ने की इजाजत है। महाराष्ट्र सरकार का कहना है कि इस पाबंदी का मकसद समुद्री जीवों को प्रजनन का समय देना और मछली भंडार को बढ़ाना है ताकि मछुआरों को आगे चलकर बेहतर मुनाफा मिल सके।

मुंबई में जेन जी और जेनरेशन अल्फा से संवाद करेंगे मोहन भागवत

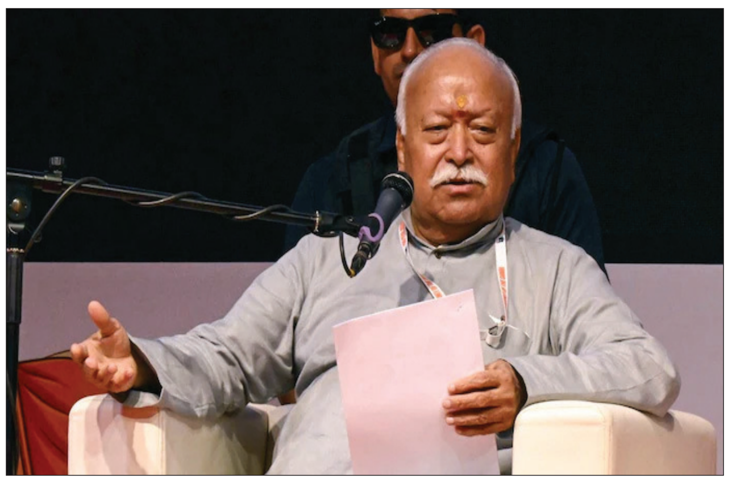

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत 6 अगस्त को मुंबई में जेन जी और जेनरेशन अल्फा के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम 'इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस'(आईआईएमयूएन) के 15वें सालाना चैंपियनशिप सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के रूप में आयोजित किया जाएगा। इसमें देश के 100 से ज्यादा शहरों से 15 से 19 वर्ष की आयु के 2,000 से अधिक हाईस्कूल छात्र हिस्सा लेंगे।

इस सम्मेलन की थीम 'दुनिया को एकजुट करने में युवाओं की भूमिका- भारतीय तरीका रखी गई है। कार्यक्रम में युवा नेता स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। भागवत का संबोधन सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत करेगा, जिसके बाद छात्रों के नेतृत्व में कई दिनों तक बहस और नीतिगत चर्चाओं का आयोजन होगा। आईआईएमयूएन के संस्थापक ऋषभ शाह ने कहा कि नेतृत्व का अर्थ केवल अगली पीढ़ी का मार्गदर्शन करना नहीं, बल्कि उनकी बातों को सुनना भी है। उन्होंने कहा कि देश की बदलती परिस्थितियों में युवाओं के साथ संवाद की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।

भागवत इससे पहले भी जेनरेशन जी के व्यवहार, सोच और चुनौतियों पर अपने विचार रख चुके हैं। उन्होंने युवाओं को स्वाभाविक रूप से अच्छा, बदलाव के लिए तैयार और संवेदनशील बताया, लेकिन यह भी कहा कि कई बार वे बिना पर्याप्त विचार के भावनाओं के आधार पर प्रतिक्रिया देते हैं। उन्होंने युवाओं के साथ परिवारों में संवाद बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि केवल आदेश देने की व्यवस्था अब प्रभावी नहीं रह गई है। परिवारों को सलाह दी गई है कि वे बच्चों के साथ बातचीत के जरिए सहमति बनाने का प्रयास करें। उन्होंने डिजिटल जीवनशैली और मोबाइल की बढ़ती निर्भरता पर भी चिंता जताई। भागवत ने कहा कि अभिभावकों को बच्चों को सलाह देने से पहले खुद सोशल मीडिया और स्क्रीन टाइम के इस्तेमाल में अनुशासन अपनाना चाहिए। भागवत का यह संवाद ऐसे समय में हो रहा है जब शिक्षा व्यवस्था, परीक्षाओं की पारदर्शिता और युवाओं की भागीदारी जैसे मुद्दे चर्चा में हैं। हाल में नीट परीक्षा से जुड़े विवादों को लेकर छात्रों और युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किए थे। इसके बाद परीक्षा व्यवस्था में सुधार और भरोसा बहाल करने की मांग तेज हुई थी। युवाओं से जुड़े मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हाल में अपील की थी कि गुस्से के बजाय संवाद और मार्गदर्शन का रास्ता अपनाया जाए। उन्होंने कहा था कि भटके हुए युवाओं को समझाने और सही दिशा देने की जरूरत है। मुंबई में होने वाली भागवत की बातचीत को भी युवाओं की सोच, आकांक्षाओं और चुनौतियों को समझने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

चुनाव नतीजों पर बोले नितिन नवीन- हार से सीखेंगे, जनता के बीच जाएंगे

नई दिल्ली(एजेंसी)। गुजरात, बिहार और मध्य प्रदेश की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजों पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा, कि हमारी पार्टी जनादेश का सम्मान करती है। उन्होंने गुजरात की मांजलपुर सीट पर जीत के लिए

मतदाताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया, जबकि बांकीपुर और दतिया में मिली हार पर गंभीर आत्ममंथन का भरोसा दिलाया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि मांजलपुर की जनता ने भाजपा पर विश्वास जताया है, जिसके लिए पार्टी उनके प्रति आभारी है। उन्होंने कहा कि बांकीपुर और दतिया में अपेक्षित परिणाम नहीं मिले, इसलिए पार्टी इन दोनों सीटों पर हार के कारणों की समीक्षा करेगी और नई ऊर्जा के साथ जनता के बीच जाकर विश्वास मजबूत करेगी। गुजरात की मांजलपुर सीट पर भाजपा के सतेन्द्रभाई पटेल ने कांग्रेस के भीखाभाई रबारी को 30,630 मतों से हराया। इससे हटकर बिहार की बांकीपुर सीट उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार को 19,324 मतों से पराजित किया है। वहीं मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 मतों से पराजित कर इतिहास रचने जैसा कार्य कर दिखाया है। भाजपा नेतृत्व ने कहा कि चुनाव परिणाम लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं और पार्टी जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए लगातार कार्य करती रहेगी।

मोदी सरकार की आर्थिक और रोजगार नीतियों ने जॉब मार्केट को गहरे संकट में धकेला

-कांग्रेस नेता जयराम ने भर्तियों में आई कमी को लेकर सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बड़ी निजी कंपनियों में नई भर्तियों में आई कमी के दावे वाली रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार की आर्थिक और रोजगार नीतियों ने देश के जॉब मार्केट को गहरे संकट में धकेल दिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा कि देश का युवा अब केवल प्रचार या रील से संतुष्ट नहीं होगा, बल्कि उसे रोजगार चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार युवाओं के रोजगार संकट का समाधान खोजने के बजाय हेडलाइन मैनेजमेंट और ध्यान भटकाने की राजनीति में लगी हुई है।

एक अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में देश की शीर्ष 11 कंपनियों में से नौ में नई नौकरियों में 27 फीसदी की गिरावट आई है। उनके मुताबिक यह स्थिति बताती है कि देश गंभीर रोजगार संकट से जूझ रहा है, लेकिन सरकार समाधान तलाशने के बजाय समस्या के अस्तित्व से ही इनकार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट समस्या के सिर्फ ऊपरी हिस्से को दर्शा रही है।

जयराम रमेश ने दावा किया कि यदि बड़ी कंपनियों में यह स्थिति है तो मोदी सरकार की नीतियों से सबसे ज्यादा प्रभावित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की हालत का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की गलत आर्थिक और रोजगार नीतियों ने पूरे देश के 'जॉब मार्केट' को गहरे संकट में धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार आज युवाओं के रोजगार संकट का समाधान खोजने के बजाय केवल हेडलाइन मैनेजमेंट और ध्यान भटकाने की राजनीति में लगी हुई है। रमेश ने कहा कि देश का युवा समझदार है और उसे खुश करने के लिए रील नहीं, बल्कि रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे।

संबित पात्रा ने मढ़ा संसद नहीं चलने देने का विपक्ष पर आरोप

-जेपीएससी परीक्षा पर कांग्रेस की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान लगातार चल रहे गतिरोध को लेकर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जानबूझकर संसद की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष किसी भी विषय पर सार्थक चर्चा के लिए तैयार नहीं है और लगातार शोर-शराबा कर सदन की कार्यवाही नहीं चलने दे रहा है।

भाजपा नेता संबित पात्रा ने कहा कि संसद का प्रत्येक सत्र करोड़ों रुपये के सार्वजनिक धन से संचालित होता है, लेकिन मानसून सत्र शुरू होने के बाद से प्रश्नकाल और शून्यकाल जैसी महत्वपूर्ण संसदीय प्रक्रियाएं प्रभावित हो रही हैं। उनका आरोप था कि विपक्ष की रणनीति केवल व्यवधान उत्पन्न करने की है, जिससे महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा नहीं हो पा रही है। यहां पर भाजपा सांसद ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखंड में हजारों छात्र आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे पर पूरी तरह मौन है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के विधायक इस विषय को सदन में उठाने से बच रहे हैं और विपक्ष की यह चुप्पी उसके चयनात्मक आक्रोश को दर्शाती है।

कर्नाटक मामले में राहुल गांधी चुप क्यों?

संबित पात्रा ने कर्नाटक में पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती और कथित पेपर लीक के विरोध में छात्रों के आंदोलन का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने छात्रों के आंदोलन को लेकर असंवेदनशील टिप्पणी की और कहा कि पहले छात्रों को भूख हड़ताल करने दें, फिर लाठीचार्ज होगा और उसके बाद ही इस्तीफे पर विचार करेंगे। पात्रा ने आरोप लगाया कि इस बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जबकि संसद में लगातार नैतिकता की बात की जाती है।

भाजपा प्रवक्ता ने यह भी कहा कि विपक्ष के हंगामे के कारण जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 तथा बैंकर्स बुक एविडेंस विधेयक, 2026 जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों पर भी चर्चा नहीं हो सकी। उनके अनुसार ये ऐसे विधेयक हैं जिनका सीधा संबंध आम नागरिकों के अधिकारों और बैंकिंग व्यवस्था से है, लेकिन संसद में व्यवधान के कारण जनता इनके प्रावधानों से अवगत नहीं हो पा रही है। इसी के साथ ही संबित पात्रा ने विपक्ष से संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सहयोग करने और महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा में भाग लेने की अपील की।

जीत के बाद बोले पीके- बिहार को शिक्षा, रोजगार और विकास केंद्रित नेतृत्व चाहिए

-बांकीपुर सीट जीतने के बाद प्रशांत किशोर का भाजपा पर हमला

पटना (एजेंसी)। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह परिणाम बिहार की राजनीति के लिए बड़ा संदेश है और राज्य को ऐसा नेतृत्व चाहिए जो शिक्षा, रोजगार और पलायन जैसी मूल समस्याओं के समाधान पर काम करे।

प्रशांत किशोर ने कहा कि उनकी लड़ाई किसी व्यक्ति से नहीं बल्कि बिहार के भविष्य के लिए है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने भाजपा को सलाह देते हुए कहा कि बिहार में बेहतर नेतृत्व सामने लाने की जरूरत है और बांकीपुर की जनता ने स्पष्ट संकेत दिया है। उधर, भाजपा की हार पर जदयू नेता श्याम रजक ने भी एनडीए को आत्ममंथन की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि बांकीपुर एनडीए का मजबूत गढ़ माना जाता था, इसलिए इस हार की गंभीर समीक्षा होनी चाहिए। रजक के अनुसार, कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और बाहरी नेताओं को प्राथमिकता देना हार का प्रमुख कारण रहा। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए अपने पारंपरिक दलित और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच सका। श्याम रजक ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चुनाव प्रचार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बावजूद पूरी निष्ठा से पार्टी प्रत्याशी को जिताने का प्रयास किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बांकीपुर उपचुनाव का परिणाम आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में नए समीकरणों को जन्म दे सकता है।

दीपके पर देश का माहौल बिगाड़ने का आरोप, गिरफ्तारी की मांग

-शिकायत में बताया पाकिस्तानी एजेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके के खिलाफ दिल्ली पुलिस के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर फैजान अंसारी ने दीपके के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। शिकायत में दीपके पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जबकि दिल्ली पुलिस की ओर से मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। शिकायत में अभिजीत दीपके को पाकिस्तानी एजेंट और उमर खालिद का समर्थक बताते हुए कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

फैजान अंसारी ने डीसीपी कार्यालय के बाहर मीडिया से बातचीत में दावा किया कि दीपके के समर्थकों ने उन पर दो बार हमला किया है। उनके अनुसार, ये हमले पुणे और औरंगाबाद में हुए, जिनके संबंध में उन्होंने स्थानीय स्तर पर पहले ही मामले दर्ज करा दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं

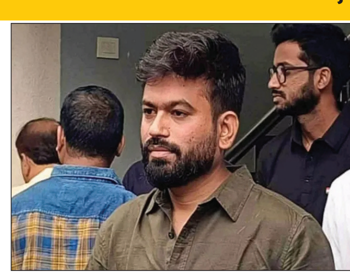

के सबूत उनके पास मौजूद हैं और इसी आधार पर वह शिकायत लेकर मुंबई से दिल्ली पहुंचे हैं। शिकायत में अभिजीत दीपके को पाकिस्तानी एजेंट और उमर खालिद का समर्थक बताते हुए कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के दौरान कुछ फिल्मी हस्तियों को पैसे देकर बुलाया गया था। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में कोई सार्वजनिक प्रमाण पेश नहीं किया गया है।

फैजान अंसारी ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ चर्चित हस्तियों को आंदोलन में शामिल होने के लिए भुगतान किया गया था। उन्होंने दावा किया कि उर्फी जावेद को एक लाख रुपये और पूनम पांडे को 20 हजार रुपये दिए गए थे। इन दावों की भी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।शिकायतकर्ता ने कहा कि अभिजीत दीपके देश का माहौल खराब कर रहे हैं और यदि उनके खिलाफ समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है। उन्होंने पुलिस से तत्काल एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। गौरतलब है कि सीजेपी के बैनर तले जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय तक आंदोलन चला था, जिसमें कई चर्चित हस्तियां भी शामिल हुई थीं। फिलहाल, शिकायत में लगाए गए सभी आरोप शिकायतकर्ता के दावे हैं और उनकी सत्यता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले में अब दिल्ली पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

तृषा पर अभद्र टिप्पणी मामले में पुलिस ने उदयनिधि स्टालिन को किया गिरफ्तार

-डीएमके ने कार्रवाई को राजनीतिक बताया तो समर्थकों ने रोड किया जाम

-टीवीके और भाजपा ने गिरफ्तारी का किया स्वागत

चेन्नई (एजेंसी)। अभिनेत्री तृषा को लेकर कथित अभद्र और दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी के मामले में तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं डीएमके नेता तथा विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को मंगलवार सुबह पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस उनके चेन्नई स्थित आवास पहुंची थी, जहां से उन्हें पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। इस

कार्रवाई के बाद उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और ईसीआर रोड पर जाम लगाकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाया।

स्टालिन को हिरासत में लेने के साथ ही पुलिस ने मीडिया को बताया, तंजावुर में आयोजित एक विरोध सभा के दौरान उदयनिधि स्टालिन की कथित टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), तमिलनाडु महिला उत्पीड़न निषेध अधिनियम तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। चेन्नई पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त नरेंद्रन नायर ने एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि की। विवाद की शुरुआत कावेरी जल विवाद को लेकर आयोजित एक रैली से हुई, जहां उदयनिधि स्टालिन मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर निशाना साध रहे थे। भाषण के दौरान भीड़ से तृषा-तृषा के नारे लगे, जिस पर उदयनिधि की प्रतिक्रिया को विपक्षी दलों ने अभिनेत्री के प्रति अपमानजनक और महिलाओं का सम्मान घटाने वाली टिप्पणी बताया। इसके बाद मामला तेजी से राजनीतिक विवाद में बदल गया।

सीमा पार से हो रही नशीली दवाओं की तस्करी, एन्क्रिप्टेड ऐप्स का बढ़ा खतरा

--2021 के बाद से ड्रोन की मदद से तस्करी में तेजी देखी गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से संचालित हो रहे नशीली दवाओं की तस्करी के नेटवर्क पंजाब में घुसपैठ के लिए उन्नत तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफॉर्म जैसे स्क्रेड और जंगी, वर्चुअल नंबर, फर्जी केवाईसी-आधारित सिम कार्ड और जीपीएस-सक्षम ड्रोन शामिल हैं। इन तरीकों से वे सुरक्षा एजेंसियों की नजरों से बच निकलते हैं और पंजाब में अवैध माल की तस्करी को अंजाम देते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र सरकार द्वारा नार्को-टेररिज्म और नशे के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज करने के साथ गृह मंत्रालय को पंजाब पुलिस से ड्रोन प्रयोगशालाओं की स्थापना का अनुरोध प्राप्त हुआ है। सूत्रों के मुताबिक ये सुविधाएं पाकिस्तान स्थित ड्रग सिंडिकेट द्वारा सीमा पार भेजे गए ड्रोन के फ्लाइट लॉग डेटा की जांच में मदद करेंगी। हाल के वर्षों में, ड्रोन-आधारित तस्करी सीमावर्ती राज्यों, विशेषकर पंजाब के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभरी है। 2021 के बाद से, ड्रोन-सहायता प्राप्त नशीली दवाओं की तस्करी में तेजी से वृद्धि देखी गई है, जिससे पंजाब देश का सबसे ज्यादा प्रभावित सीमावर्ती राज्य बन गया है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि अकेले 2025 में, देश भर में ड्रोन से संबंधित नशीली दवाओं की तस्करी की 305 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें से 298 पंजाब सीमा पर हुईं। इन घटनाओं में लगभग 460 किलोग्राम नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। इस बरामद खेप में 448 किलोग्राम हेरोइन, नौ किलोग्राम मेथामफेटामाइन और तीन किलोग्राम अफीम शामिल थी, जो राज्य में इस उभरते खतरे की गंभीरता को दर्शाती है। सूत्रों ने बताया कि पंजाब, अंतरराष्ट्रीय सीमा से अपनी निकटता के कारण, सीमा पार तस्करी की गतिविधियों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। यहां नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों की आपूर्ति और आतंकी वित्तपोषण का एक उभरता हुआ गठजोड़ सक्रिय है।

ड्रग सिंडिकेट भारत में पाकिस्तान की सीमा पार से नशीले पदार्थों और हथियारों की अवैध आपूर्ति का समन्वय करने के लिए एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर तेजी से निर्भर हो रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि ये एप्लिकेशन इंटरसेप्ट करने में मुश्किल होते हैं, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन गई है। इस बीच, नार्को-टेररिज्म से जुड़े मामलों समेत ड्रग मामलों की जांच की निगरानी के लिए, केंद्र ने एक संयुक्त समन्वय समिति का गठन किया है। नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकी वित्तपोषण से उनके लिंक से निपटने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा पंजाब में अब तक चार राज्य-स्तरीय जेसीसी बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन उपायों के बावजूद, उपरोक्त चुनौतियां बनी हुई हैं और हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधिकारियों के एक मंथन सत्र के दौरान इन्हें केंद्र के समक्ष उठाया था, जिसमें पंजाब ने

विशेष रूप से इन चिंताओं को उजागर किया था।

तीन दिन पहले अगवा कर लाया गया बालक, जेब काटने की दे रहे थे ट्रेनिंग

अलीगढ़। अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कॉलेज में शनिवार को जेब काटने के आरोप में रंगे हाथ पकड़े गए मां-बेटा गाजियाबाद से अगवा कर लाए बच्चे को जेब काटने की ट्रेनिंग दे रहे थे। तीन दिन पहले अगवा बच्चे ने खुद पुलिस के सामने भेद खोला। वह उसे सूखा नशा कराकर ट्रेनिंग दे रहे थे। पुलिस ने बच्चे को माता-पिता को सौंप दिया है। जबकि आरोपी मां-बेटा को अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजा गया है। ये घटनाक्रम शनिवार का है। जेएन मेडिकल कॉलेज परिसर में जेब काटने के आरोप में हरदुआगंज मोहल्ला गुड़िहाई के शिवम उर्फ शिवा व उसकी मां ममता को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान उनके साथ आठ वर्ष का एक बच्चा भी था। उस बच्चे ने वहां पकड़े जाने पर बताया कि उसे ये दोनों गाजियाबाद डासना के वेबसिटी कल्लूगढ़ी इलाके से अगवा करके लाए हैं। उसे सूखा नशा कराया जा रहा है और मेडिकल कॉलेज में घूम-घूमकर भीड़ के बीच लोगों की जेब से पर्स निकालने की ट्रेनिंग दी जा रही है। वहीं से उस बच्चे ने पूछताछ कर रहे एक व्यक्ति के मोबाइल से अपने पिता को फोन किया। बाद में पुलिस के आने पर पूरा वाकया बताया। सीओ तृतीय सर्वम सिंह के अनुसार मामले में बच्चे व माता-पिता के बयान के बाद बच्चा उन्हें सौंप दिया गया, जबकि दोनों आरोपी मां-बेटे जेल भेज दिए गए। शनिवार रात में यहां पहुंचे बच्चे के माता-पिता ने बताया कि उनके इलाके में एक माह का मेला लगा हुआ है। जहां बच्चे की खाला ने दुकान लगा रखी है। अक्सर बच्चा मेले में अपनी खाला की दुकान पर रुक जाता था। तीन दिन पहले बच्चा गायब हो गया। उन्हें तब से यही लग रहा था कि वह अपनी खाला के पास दुकान पर होगा। यह उनका इकलौता बेटा है। इससे छोटी एक बेटी है। आरोपी शिवम व ममता ने बताया कि वे पूर्व में डासना इलाके में रहते थे। अब उसी मेले में से तीन दिन पहले बच्चे को लालच देकर अगवा कर लाए थे और नशा देकर अपने पास रखे हुए थे। पुलिस पूछताछ में उजागर हुआ कि शिवम व उसकी मां जेब काटने के पेशेवर अपराधी हैं। इसी तरह वे मेले व भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जेब काटते हैं। उन्होंने बच्चे को अगवा कर प्लान बनाया था कि इसे ट्रेनिंग देकर वे जेब कटवाएंगे और अपने पास ही रखेंगे। अब पुलिस उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड को खंगाल रही है। यह भी देखा जा रहा है कि कोई अन्य बच्चा उन्होंने अगवा तो नहीं किया। इधर, बच्चे के अपहरण के आरोप में रविवार को दोनों को जेल भेज दिया गया। वहीं बाल कल्याण समिति के समक्ष पेशी के बाद बच्चा मां-बाप को सौंप दिया।

प्रदूषण, तनाव, शुगर से बढ़ रहा पुरुषों में बांझपन, घट रही शुक्राणुओं की संख्या और गुणवत्ता

कानपुर। महिलाओं के साथ पुरुषों में भी बांझपन की समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसके प्रमुख कारण मोटापा, अनियंत्रित शुगर, धूम्रपान, शराब, तनाव, हार्मोनल असंतुलन, बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण आदि हैं। इसका सबसे गंभीर और प्रत्यक्ष प्रभाव उनकी प्रजनन क्षमता पर पड़ रहा है। उनके शुक्राणुओं की संख्या और गुणवत्ता में तेजी से गिरावट आ रही है। यह खुलासा जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी और यूरोलॉजी विभाग के ओपीडी में आए रोगियों के अध्ययन में हुआ है। बांझपन की समस्या झेल रहे पुरुषों के इलाज पर शोध भी हुआ जिसमें कारण आनुवंशिक, चोट लगने, फाइलेरिया आदि पाए गए लेकिन ओपीडी में आने वाले रोगियों में शुगर और धूम्रपान जैसे कारण प्रमुखता से रहे हैं। हैलट सुपर स्पेशियलिटी के यूरोलॉजी विभाग या एंडोक्रिनोलॉजी विभाग में भेजे जा रहे ऐसे पुरुषों में मोटापा, अनियंत्रित शुगर से नसों का कमजोर होना, धूम्रपान, तनाव, शराब का सेवन और हार्मोन जैसे कारण भी निकल कर आ रहे हैं। एंडोक्राइनोलिस्ट डॉ. खुशबू अग्रवाल ने बताया कि अधिकांश पुरुषों में न केवल सामान्य शुक्राणुओं की संख्या में कमी देखी जा रही है बल्कि उनकी शारीरिक बनावट भी विकृत या असामान्य हो रही है। शुक्राणुओं की गतिशीलता और उनकी सही संरचना में आ रहा यह बदलाव स्वाभाविक रूप से गर्भधारण की संभावनाओं को बहुत कम कर देता है। उन्होंने बताया कि 18 से 50 वर्ष की उम्र के पुरुषों में बांझपन का प्रतिशत अलग-अलग है। 18 से 25 वर्ष के उम्र के पुरुषों में 10 से 15 प्रतिशत और 40 से ऊपर उम्र के पुरुषों में ये प्रतिशत 50 या उससे भी ज्यादा हो जाता है। लोग झिझक के चलते दिखाने नहीं आते हैं। स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. सीमा द्विवेदी ने बताया कि हमारे यहां बांझपन की समस्या लेकर आने वाली महिलाओं में 50 प्रतिशत के पतियों में बांझपन की समस्या होती है। महिलाएं पूरी तरह स्वस्थ होती है। उन्होंने बताया कि प्रदूषण का असर जिस तरह महिलाओं के अंडों पर पड़ता है, उसी तरह पुरुषों के शुक्राणुओं पर भी ये प्रभाव डालते हैं और उसकी गुणवत्ता, आकार, प्रकार और संख्या को कम कर देते हैं। ऐसे में हम उन्हें एंडोक्राइनोलॉजी या यूरोलॉजी विभाग भेज देते हैं। हमारे यहां इलाज नहीं होता है। हैलट सुपर स्पेशियलिटी के यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल वैद्य ने बताया कि शरीर में शर्करा का अत्यधिक स्तर (डायबिटीज) और रक्त में वसा (लिपिड) का असंतुलन हार्मोनल संतुलन को सीधे प्रभावित करता है। उच्च शुगर स्तर टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन और शुक्राणुओं के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। हवा में मौजूद टॉक्सिन्स, हैवी मेटल्स और सूक्ष्म कण शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस पैदा करते हैं जो सीधे तौर पर प्रजनन कोशिकाओं को क्षतिग्रस्त करते हैं। शराब और धूम्रपान पुरुषों और महिलाओं दोनों के प्रजनन तंत्र पर सीधा जहरीला प्रभाव डालते हैं। धूम्रपान से शुक्राणुओं के डीएनए को भी क्षति पहुंचने का खतरा रहता है। नियमित दिनचर्या, शारीरिक व्यायाम और शर्करा व वसा नियंत्रण से लिपिड प्रोफाइल और शुगर को सामान्य रखा जा सकता है। स्मोकिंग और शराब के सेवन को पूरी तरह बंद करना प्रजनन स्वास्थ्य के लिए पहली शर्त है। समस्या के शुरुआती लक्षणों पर ही विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लेना और जांच कराना आवश्यक है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी और यूरोलॉजी विभाग की ओर से किए गए एक अध्ययन में पुरुष बांझपन के निदान और इलाज को लेकर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। ये शोध 2025 में किया गया और 2026 में जर्नल में प्रकाशित भी हुआ है। शोधकर्ताओं ने 20 से 50 वर्ष के पुरुषों पर अध्ययन में पाया कि शुक्राणु बनने की प्रक्रिया बीच में ही रुक जा रही थी, शुक्राणु सही से बन नहीं रहे थे और उनकी नलिकाओं में रुकावट थी या शुक्राणुओं का उत्पादन काफी कम मात्रा में हो रहा था। पुरुषों में बांझपन का कारण पता लगाने के लिए अभी तक दर्दनाक बायोप्सी करनी पड़ रही थी जिसमें रोगी को दो दिन अस्पताल में भर्ती करना पड़ता था लेकिन इस शोध में डॉक्टरों ने पुरुषों में शुक्राणु की कमी या अनुपस्थिति का पता लगाने के लिए पतली सुई से जांच की। इस तकनीक को फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी (एफएनएसी) कहा जाता है। यह एक सुरक्षित, सस्ती और सटीक विकल्प के रूप में सामने आई है।

पूर्वी दिल्ली में तीन मंजिला इमारत झुकी, गीता कॉलोनी में फैली दहशत, दो फ्लोर हैं खाली

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के गीता कॉलोनी स्थित 2ए ब्लॉक में मंगलवार को एक तीन मंजिला इमारत एक ओर झुक गई। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई। राहत की बात यह रही कि इसमें कोई घायल नहीं हुआ और न ही जान-माल का नुकसान हुआ। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, डिजास्टर मैनेजमेंट टीम और एमसीडी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने इमारत का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। करीब 40 गज में बनी इस इमारत के चार अलग-अलग हिस्सेदार हैं। भूतल पर ऑटो रिक्शा की पार्किंग है, जबकि दूसरी मंजिल पर एक महिला अपने बेटे के साथ रहती हैं। पहली और तीसरी मंजिल फिलहाल खाली हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि इमारत पिछले कुछ समय से धीरे-धीरे एक ओर झुक रही थी। उनका आरोप है कि अलग-अलग मालिकों के कारण समय पर मरम्मत या संरचनात्मक मजबूती का काम नहीं कराया गया। एमसीडी अधिकारियों के अनुसार, भवन मालिकों को पहले भी चेतावनी दी जा चुकी थी। संबंधित विभाग पिछले दो दिनों से इमारत की लगातार निगरानी कर रहा है। अब भवन की संरचनात्मक मजबूती की विशेषज्ञों से जांच कराई जा रही है। इस जांच के आधार पर आगे की कानूनी और तकनीकी कार्रवाई की जाएगी।

प्रस्तावित नेशनल फार्मेसी आयोग एक्ट से आयुष डॉक्टर नाराज

नई दिल्ली। प्रस्तावित नेशनल फार्मेसी आयोग अधिनियम को लेकर आयुष चिकित्सकों में नाराजगी है। उनका आरोप है कि नए कानून में आयुष डॉक्टरों के अधिकार खत्म हो सकते हैं। ऑल इंडिया डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ आईएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरपी पाराशर और संरक्षक डॉ. युवराज त्यागी ने इस मामले में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। डॉ. पाराशर ने बताया कि फिलहाल फार्मेसी एक्ट 1948 में मेडिकल प्रैक्टिशनर की परिभाषा है, जिसमें आयुष डॉक्टर भी शामिल हैं। इस एक्ट की धारा 42 के तहत रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट आयुष डॉक्टरों की पर्ची पर दवा दे सकते हैं। इसी वजह से आयुर्वेद और यूनानी डॉक्टर अपने मरीजों के लिए एलोपैथिक दवाएं लिख सकते हैं या क्लीनिक में रख सकते हैं। लेकिन, नए प्रस्तावित एक्ट में न तो मेडिकल प्रैक्टिशनर को परिभाषित किया गया है और न ही धारा 42 को रखा गया है। डॉ. पाराशर ने इसे आयुष चिकित्सक विरोधी कदम बताया और मांग की कि पुराने एक्ट की धारा दो और 42 को नए कानून में भी शामिल किया जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो सुप्रीम कोर्ट में आयुष डॉक्टरों के एलोपैथिक दवा लिखने के अधिकार से जुड़े मामले पर भी गलत असर पड़ सकता है। संगठन ने सरकार से आयुष चिकित्सकों के हितों की रक्षा करने की अपील की है।

कोर्ट मैरिज से नाराज थे घरवाले, बेटी की गला घोंटकर हत्या; पिता गिरफ्तार

आगरा। आगरा के जैतपुर के नंदगवा रोड पर रविवार देर रात कोर्ट मैरिज करने वाली अंकिता शर्मा (22) की परिजनों ने गला घोंट कर हत्या कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उसके पिता विमल शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। फोरेंसिक टीम साक्ष्य संकलन में जुट गई है। जैतपुर के नंदगवा रोड की रहने वाली अंकिता शर्मा ने नहटोली गांव के अमित पचौरी के साथ फरवरी में कोर्ट मैरिज की थी। अंकिता शर्मा के कोर्ट मैरिज करने से परिजन नाराज थे। जैतपुर पुलिस के मुताबिक नाराज परिजनों ने रविवार देर रात उसकी गला घोंट कर हत्या कर दी। पड़ोसियों ने 112 नंबर डायल किया तो पीआरवी के साथ जैतपुर पुलिस मौके पर पहुंच गई। दरबाजा खुलवा कर अंदर दाखिल हुई पुलिस को अंकिता शर्मा का शव पड़ा मिला। गले में फंदा कसे जाने का निशान था। पुलिस के मुताबिक मौके से पिता विमल शर्मा को गिरफ्तार किया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अन्य परिजन छत के रास्ते भागने में सफल रहे। सोमवार को फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य संकलित किए। एसओ जैतपुर दीपक कुमार ने बताया कि कोर्ट मैरिज करने से नाराज परिजनों ने बेटी की गला घोंट कर हत्या की है। आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

मैक्स-बाइक टक्कर में युवक की गई जान, एक माह बाद होनी थी शादी

हाथरस। थाना हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव हाजीपुर के पास 2 अगस्त की सुबह तेज रफ्तार मैक्स गाड़ी ने मोटरसाइकिल सवार युवक को सामने से टक्कर मार दी और फिर गाड़ी युवक के ऊपर से निकल गई। हादसे में आरिफ (23 वर्ष) की मौत हो गई। आरिफ की एक माह बाद शादी होनी थी। गांव हाजीपुर निवासी आरिफ पुत्र नयाज मोहम्मद हलवाई का कार्य करता था। रोजाना की भांति वह सुबह करीब छह बजे से साढ़े छह बजे के बीच अपनी मोटरसाइकिल से काम के सिलसिले में सलेमपुर जा रहा था। जैसे ही वह गांव हाजीपुर से सलेमपुर मार्ग पर आगे बढ़ा, तभी सामने से आ रही एक अनियंत्रित मैक्स गाड़ी ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि आरिफ की मौके पर ही जान चली गई। 24 घंटे बाद भी चालक न पकड़े जाने पर आक्रोशित परिजन और ग्रामीण ट्रैक्टर ट्रॉली से थाना हाथरस जंक्शन पहुंचे। परिजनों ने थाने पर हंगामा करते हुए रिपोर्ट दर्ज करने और फरार मैक्स चालक की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस गहनता से मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है और उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।-अमित पाठक, सीओ सिकंदराराऊ इस दुर्घटना ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियों को पल भर में मातम में बदल दिया। परिजनों ने बताया कि आरिफ का विवाह तय हो चुका था और ठीक एक महीने बाद उसकी शादी होने वाली थी।

कहासुनी के बाद दोस्त ने पैर में मारी गोली, स्कूटी पर बैठकर बातचीत के दौरान हुई बहस

नई दिल्ली। जिस तरह पुलिस संदिग्ध अपराधियों को जान से मारने के बजाय उनके पैर या घुटने में गोली मार देती है। उसी तरह दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र के बवाना जेजे कॉलोनी में शनिवार शाम को एक दोस्त ने युवक के पैर में गोली मार दी। कहासुनी के बाद वारदात को अंजाम दिया। घटना को अंजाम देकर आरोपी साजिद मौके से भाग गया। लोगों ने घायल बॉबी पासवान को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने उसके बयान पर केस किया। रविवार को पुलिस ने आरोपी और उसके नाबालिग साथी को पकड़ लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

एक बार फिर से चर्चाओं में आया कसमंडी विवादित ढांचा, सावन पर जल चढ़ाने की कोशिश

लखनऊ। सावन के पहले सोमवार को मलिहाबाद क्षेत्र के कसमंडी कलां गांव में उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब लाखन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पासी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ विवादित ढांचे की ओर बढ़े। वे 108 गांवों से एकत्रित की गई पवित्र मिट्टी और जल से जलाभिषेक करने के लिए दोपहर लगभग 12 बजे वहां पहुंचे थे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत मौके पर तैनात भारी पुलिस बल ने प्रदर्शनकारियों को विवादित ढांचे से लगभग 200 मीटर पहले ही बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। प्रवेश की अनुमति न मिलने से नाराज राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पासी अपने समर्थकों के साथ वहीं जमीन पर बैठकर विरोध जताने लगे। मौके पर मौजूद एसीपी मलिहाबाद ज्ञानेंद्र सिंह ने काफी देर तक वार्ता कर उन्हें समझाने का प्रयास किया और विवादित ढांचे की ओर जाने से स्पष्ट रूप से मना कर दिया। इसके बाद सूरज पासी ने बैरिकेटिंग के सामने ही सांकेतिक जलाभिषेक किया और लगभग आधे घंटे बाद समर्थकों के साथ वापस लौट गए। लाखन आर्मी ने 21 मई को डीएम को ज्ञापन देकर विवादित ढांचों का मुद्दा उठाया था। साथ ही विवादित ढांचों में पहुंचकर कर दांतों की दीवार व खाम पर प्राचीन हिंदू स्थापित कलाकृतियां अंकित होने का दावा किया था साथ ही कार्बन डेटिंग की भी मांग की थी। जिसके बाद विवादित ढांचों में हो रही नमाज पर रोक लगा दी गई थी उसके कुछ दिनों के बाद योगेश पासी ने विवादित ढांचों में हनुमान चालीसा पढ़ने की कोशिश की थी। साथ ही 27 मई को ढांचों के निकट सूरज पासी ने ढांचों के निकट धरना दिया था। लखनऊ के मलिहाबाद स्थित कसमंडी कलां में महाराजा कंस पासी के प्राचीन किले और मस्जिद-कब्रिस्तान को लेकर विवाद चल रहा है।

मोबाइल में गेम, पत्नी से विवाद और डूबी रकम, इस कारण अवसाद में था दीपक

मेरठ। बाराबंकी में 10वीं वाहिनी पीएसी परिसर स्थित हॉस्टल के कमरे में रविवार सुबह सिपाही दीपक सिंह (34) का शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरुआती जांच में मोबाइल गेम की लत के चलते पैसा गंवाने से पारिवारिक कलह की बात सामने आई है। मेरठ के रोहटा निवासी दीपक वर्ष 2021 बैच के सिपाही थे। उनकी पहली तैनाती बाराबंकी में थी। वर्ष 2022 में उनका विवाह हुआ था। दो वर्ष की बेटी है। बड़े भाई व नोएडा में तैनात उपनिरीक्षक अजय सिंह के अनुसार, दीपक लंबे समय से मोबाइल गेम खेलने के आदी थे और इसमें काफी रुपये गंवा चुके थे। इससे आर्थिक तंगी के कारण पति-पत्नी के बीच विवाद होता था। छह माह पहले पत्नी बेटी को लेकर मायके चली गई थी। मसौली एसएचओ अजय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का है। बाराबंकी में पीएसी में तैनात दीपक (30) की मौत की सूचना मिली मेरठ के रोहटा में तो घर में मातम पसर गया। परिजन शव लेने के लिए बाराबंकी के लिए रवाना हो गए। सिपाही के घर के बाहर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। बताया गया कि पत्नी से विवाद, मोबाइल गेम्स और शेयर बाजार में रकम डूबने से दीपक काफी समय से अवसाद में था। गांव रोहटा निवासी ब्रह्मा सिंह राज मिस्त्री हैं। उनका बड़ा बेटा अजय उर्फ बंटी सेक्टर-19 नोएडा में यूपी पुलिस में दरोगा है। उससे छोटा बेटा गौतम कुमार सरदार वल्लभभाई पटेल यूनिवर्सिटी मोदीपुरम में अवर अभियंता है।

सार्वजनिक सूचना

मैं, योगेश बाबू, पुत्र श्री किशोरी लाल, निवासी एफ-1/211, सुंदर नगरी, दिल्ली-110093, यह सार्वजनिक सूचना जारी करता हूँ। मेरे पुत्र, पारस कुमार ने मेरी सहमति, इच्छा और जानकारी के बिना अपनी मर्जी से विवाह कर लिया है, जिससे मैं अत्यंत अप्रसन्न हूँ। अत: मैं अपने पुत्र पारस कुमार को अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल (Disown) करता हूँ और उससे अपने सारे संबंध समाप्त करता हूँ। भविष्य में यदि मेरा पुत्र या उसकी पत्नी कोई लेन-देन, समझौता या कानूनी/सामाजिक कार्य करते हैं, तो उसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरे तथा मेरे परिवार का उनके किसी भी कार्य या संपत्ति के दावे से कोई संबंध या उत्तरदायित्व नहीं रहेगा।

NAME CHANGE

I, VHARKAT RESHMA SANGRAM wife of JC-383706K, Rank-SUB, Name-VHARKAT SANGRAM RANGRAO residing at VILL-SARAVADE, TEHSIL-RADHANAGARI, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416228, have changed my name from VHARKAT RESHMA SANGRAM to RESHMA SANGRAM VHARKAT for all future purposes vide Affidavit dated 04/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, BABY alias DEVI W/o Bittu R/O Flat No-987 G/F Pkt-3 Blk-D Type-A DDA Flat Bindapur Uttam Nagar New Delhi 110059 HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS BABY.

NAME CHANGE

I, BITTU alias BITTOO S/o Deshraj R/O Flat No-987 G/F Pkt-3 Blk-D Type-A DDA Flat Bindapur Uttam Nagar New Delhi 110059 HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS BITTU.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Govind S/o Bhavar Singh, residing at V-114 Sector-A Bhagwati Vihar Uttam Nagar New Delhi 110059, declare that name of my father has been wrongly written as Badan Singh. The actual name of my father is Bhavar Singh, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD ARHAAN S/O MOHAMMAD NADEEM R/O H NO-3832 GALI ABBAN WALI SHAH GANJ AJMERI GATE DELHI-110006 have changed my name to MOHAMMED ARHAAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I Sunil Kumar S/O Prem Raj R/O Viillage Panchaytan inayatpur, Gautam Budhha Nagar U.P. 201306, have change the name of my daughter Vidhi Bhati and She shall hereafter be known as Vamika Bhati.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Manish Singh** is/are the owner of Plot No. 4-A, Land Area Measuring 143 Sq. Yds., Out Of Khasra No. 231 & 232, Situated In The Revenue State Of Village Dindarpur, Delhi State Delhi, Colony Known Shyam Vihar, Phase-2, Dindarpur, Najafgarh, New Delhi by the virtue of Sale Deed dated 30.09.2014 which is registered as doc. no. 2026/16/I/11676, book no.1, vol. no. 17164, Page no. 97 to 116, on 03.08.2026, SRO- South West Kapashera and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, AKASH DEEP S/o YOGENDRA SINGH R/o D -189, Swam Jayanti Puram, Govindpuram, Po: Govindpuram, Dist: Ghaziabad Uttar Pradesh-201013, have changed the name of my minor son HIRDYANSH CHAHAL aged 10 years and he shall hereafter be known as HRIDYANSH CHAHAL.

NAME CHANGE

I hitherto known as MANIKA TYAGI D/o Naresh Tyagi, R/o D-183, Gaur Homes, Swam Jayanti Puram, Govindpuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201013, have changed my name and shall hereafter be known as MADIKA TYAGI, for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, AMIT KUMAR S/O RAMPAL SINGH R/O Flat No. F-24/2B, Shatabdi Enclave, Near Hanuman Murti, Sector-49 Noida, PO: Noida, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as AMIT KUMAR DHIMAN and RENU DHIMAN in my minor daughter's namely ARUSHI DHIMAN aged 12 years in her school records. The actual name of mine and my wife are AMIT KUMAR and RENU DEVI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Nida Shuaib W/O Shuaib Ahmed R/O House No - 893 Haveli Azam Khan Chitli Qabar Jama Masjid Delhi GPO Delhi - 110006 Have Changed My Name To Nida Qureshi Permanently

NAME CHANGE

I, Rahees alias Mohd Rahees S/o Mohd Nanha R/o D-262/A, Shaheed Nagar, Chikamberpur, PO: Chikamberpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201006 have changed my name to Mohd Rahees

NAME CHANGE

I, hitherto known as SONIYA D/O SANJU R/O KOORI BAGHPAT KURRI UTTAR PRADESH-250617, have changed my name and shall hereafter be known as KAJAL

NAME CHANGE

It is for general information that I, Surendri W/O Late Om Prakash R/O Neemka Shahjahanpur, PO: Neemka, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203155, declare that name of mine has been wrongly written as Surendari Devi in my husband PPO Book No 5876. The actual name of mine is Surendri

Public Notice

It is for general information that I, Vipin Kumar S/O Veer Singh R/O Kirachpur Urf Kailashpur, PO: Dadri, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203207, declare that name of my father has been wrongly written as Veer Singh Bhati in my 10th, 12th class educational documents and in my service record and wrongly written as Veer Bhati Singh in my Pan Card No. COQPK1257M. The actual name of my father is Veer Singh

NAME CHANGE

I SHAISTA W/o MOHD FURQAN R/o 2219, GALI DAKOTAN, TURAKMAN GATE, Delhi-110006 have changed the name of my minor daughter from TAHURA to TAHOORA.

NAME CHANGE

I Nirmit kanojia S/O Sanjay Kanojia R/O LGF-1,36/75, Punjabi Bagh West, VTC: Punjabi Bagh, PO: Punjabi Bagh, Sub District: Punjabi Bagh, WEST DELHI, DELHI- 110026 I have changed my name to Nirmit

NAME CHANGE

I, Raj Kumar Dutt, S/O Vidya Bhushan Dutta R/O, House No 8, Block- BG East, Shalimar Bagh, North West, Delhi- 110088 have changed my name to Raj Kumar Dutta for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mamta, W/O Kali Charan Rathore, R/O G-27/200, First Floor, Rohini, Sector-7, Delhi- 110085 have changed my name to Mamta Rathore for all future purposes.

NAME CHANGE

I Sanjay S/O Sohan lal R/O LGF-1, 36/75, PUNJABI BAGH WEST, Punjabi Bagh, West Delhi, Delhi, 110026 I have changed my name to Sanjay Kanojia

NAME CHANGE

I, SHEKH TAHURABANU wife of NO-15445048A Rank-NK, Name-SHEKH SHAHRUKHKHAN MAHAMMADBHAI residing at VPO-DASAJ, TEHSIL-UNJHA, DIST-MAHESANA, GUJARAT-384170, have changed my name from SHEKH TAHURABANU to TAHURABANU SHAHRUKHKHAN SHEKH for all future purposes vide Affidavit dated 04/08/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as BAGADA SUNIL KESHUBHAI S/o KESHUBHAI HADABHAI BAGADA Permanent R/o 83 - Jaldeep - 3 , Ghuma , Ahmedabad City , PO : Bopal , Dist : Ahmedabad , Gujarat , 380058 and Presently Residing at B-14, B- Block, 3rd Floor, Arya Nagar Apartment, IP Extension, Patparganj, Delhi - 110092 have changed my name and shall hereafter be known as SUNIL BAGADA

NAME CHANGE

I, hitherto known as MOHAMMAD GULPHAM ALI S/O ABDUL GAFFAR R/o A-160, AALI VIHAR, SARITA VIHAR, DELHI-110076 have changed my name and shall hereafter be known as GULFAM ALI. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, NO-15445048A Rank-NK, Name-SHEKH SHAHRUKHKHAN MAHAMMADBHAI residing at VPO-DASAJ, TEHSIL-UNJHA, DIST-MAHESANA, GUJARAT-384170, have changed my father's name from SHEKH MAHAMMADBHAI to MAHAMMADBHAI MUJATBHAI SHEKH for all future purposes vide Affidavit dated 04/08/2026 before Executive Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15445048A Rank-NK, Name-SHEKH SHAHRUKHKHAN MAHAMMADBHAI residing at VPO-DASAJ, TEHSIL-UNJHA, DIST-MAHESANA, GUJARAT-384170, have changed my mother's name from SHARIFA BANU to SHARIFABANU MAHAMMADBHAI SHEKH for all future purposes vide Affidavit dated 04/08/2026 before Executive Magistrate Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, NO-15445048A Rank-NK, Name-SHEKH SHAHRUKHKHAN MAHAMMADBHAI residing at VPO-DASAJ, TEHSIL-UNJHA, DIST-MAHESANA, GUJARAT-384170, in my service record my mother's (SHARIFABANU MAHAMMADBHAI SHEKH) date of birth wrongly mentioned as 05/03/1976 instead of her correct date of birth as 01/01/1977 Vide Affidavit dated 04/08/2026 before Executive Magistrate Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, PINKY wife of No.-17001349H, Rank-HAV, Name-PANKAJ SINGH residing at PATHERA (55), MAHENDRAGARH, HARYANA-123034, have changed my name from PINKY to PINKI for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 20/11/1990 instead of my correct date of birth as 20/04/1990 Vide Affidavit dated 04/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I GOPAL GUPTA S/O G P SANGAL R/O C- 2/228 JANAK PURI DELHI-110058 have changed my name to SHRIGOPAL GUPTA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ANUP KUMAR S/O Chandra Prakash R/O 201 B, GALI NO-1, MALIWARA, Ghaziabad, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, Have change the name of my minor son VIYOM KUMAR aged 9 years and he shall hereafter be known as YASH KUMAR.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Amar Associates through its proprietor Mr. Baldev S/o Mr. Amar Nath is the owner of Freehold Residential Plot No. 21, area measuring 60 Sq. Yds., out of total land area measuring 120 Sq. Yds., out of Khasra No. 16/23/1, situated in the area of Village Razapur Khurd, Delhi State Delhi, Colony Known as Sainik Enclave Sector 2, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi 110059. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 21.07.2025 now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mrs. Nisha and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, USHA mother of No-17016201F, Rank-NK, Name-MISHRA JITENDRA SHRINIWAS residing at VILL-SURENDRAGARH, PO-SEMINARY HILLS, TEHSIL & DIST-NAGPUR, MAHARASHTRA-440006 have changed my name from USHA to USHA DEVI MISHRA for all future purposes vide Affidavit dated 04/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SHRINIWAS father of No-17016201F, Rank-NK, Name-MISHRA JITENDRA SHRINIWAS residing at VILL-SURENDRAGARH, PO-SEMINARY HILLS, TEHSIL & DIST-NAGPUR, MAHARASHTRA-440006 have changed my name SHRINIWAS to SHRINIWAS SHRIRAMNATH MISHRA for all future purposes vide Affidavit Dated 04/08/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

विधिक उत्तराधिकारी संबंधी घोषणा-
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, शर्बानी राय, पत्नी स्वर्गीय तपस कुमार राय, निवासी विला-सी-2, ग्रीन वैली, सेक्टर-41-42, एनएचपीसी कॉलोनी, फरीदाबाद, हरियाणा-121010, एतद् द्वारा घोषणा करती हूँ कि मेरे पति स्वर्गीय श्री तपस कुमार राय का दिनांक 02.05.2021 को निधन हो गया था। उनके निधन के उपरांत उनकी एक अचल संपत्ति, जिसका पता विला-सी-2, ग्रीन वैली, सेक्टर-41-42, एनएचपीसी कॉलोनी, फरीदाबाद, हरियाणा-121010 है, के केवल निम्नलिखित तीन व्यक्ति ही वैध विधिक उत्तराधिकारी हैं— 1- हर्षिता राय — पुत्री स्वर्गीय तपस कुमार राय -पुत्री 2- स्नेहिता चक्रवर्ती — पत्नी श्री सुदीप्तो चक्रवर्ती -पुत्री 3- शर्बानी राय — पत्नी स्वर्गीय तपस कुमार राय- पत्नी। उपरोक्त तीनों व्यक्तियों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का कोई अधिकार, हित या दावा मान्य नहीं है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा संगठन को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति या दावा हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर संबंधित विभाग/प्राधिकरण के समक्ष आवश्यक साक्ष्यों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी आपत्ति या दावे पर विचार नहीं किया जाएगा तथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी अन्य व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार या दावा नहीं है।

घोषणाकर्ता
शर्बानी राय पत्नी स्वर्गीय तपस कुमार राय
मोबाइल- 9354261879

NAME CHANGE

I ANJUM W/0 AHMAD R/0 VPO.BIWAN TEHSIL FEROZPUR JHIRKA MEWAT NUH HARYANA CHANGED MY NAME TO ANJUMAN

NAME CHANGE

I PRIYAL D/O AJAY KUMAR SABHARWAL R/O J-56 VISHNU GARDEN NEW DELHI-18 CHANGING MY NAME TO PRIYAL SABHARWAL

NAME CHANGE

I, BALWINDER KOUR R/O FLAT NO-B-2/802, BHARAT CITY PHASE-1, TILA MODE, INDRAPRASTHA YOJNA, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102 HAVE CHANGED MY NAME TO BALWINDAR KAUR.

NAME CHANGE

I, MAYANK TYAGI S/o RAJENDER PRASAD TYAGI R/o House No. 2 , Khasra No. 617 , Master Enclave , Burari , North Delhi , Delhi - 110084 have changed the name of my minor son ATHARV aged 14 years and he shall hereafter be known as AATHARV TYAGI.

NAME CHANGE

I hitherto known as RASHI SINGHAL alias RASHI MITTAL D/o GIRISH KUMAR W/o NITIN MITTAL R/o Flat No. 1504 Kalypso Court - 15 , Jaypee Greens Wishtown , Axis Bank , Sector 128 , Noida, PO : Noida , Dist : Gautam Buddha Nagar , Uttar Pradesh - 201301 have changed my name and shall hereafter be known as RASHI SINGHAL .

NAME CHANGE

I AJAY KUMAR S/O RAM PARKASH R/O J-56 VISHNU GARDEN NEW DELHI-18 CHANGING MY NAME TO AJAY KUMAR SABHARWAL

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD YASEEN S/O MOHD IBRAHIM R/O H.NO-B 378, NEAR TIRPAL FACTORY INDRA VIHAR DAYAL PUR DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO MOHD YASEEN.

NAME CHANGE

I, ZAHID S/o MOHD YASIN R/o 5957-58 BASTI HARPHOOL SINGH SADAR BAZAR DELHI 110006 have changed my name to MOHD ZAHID S/O MOHD YASIN for all future Purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as Ester Jacob alias Shalini Rawat D/o Emanuel Jocob W/o Ashok Rawat R/o K-25,Lajpat Nagar,Panchsheel Park,Sahibabad, Ghaziabad.U.P-201005 have changed my name and shall hereafter be known as Shalini Rawat.

NAME CHANGE

I, CHAUHAN KULDEEP SATPAL SINGH S/o Satpal Singh R/o H.NO.34, Karawal Nagar Village, Delhi-110094, have changed my name to KULDEEP CHAUHAN permanently.

NAME CHANGE

I hitherto known as SNEHA JAIN W/O PANKAJ SETHIA R/O 187, IInd Floor, KOHAT ENCLAVE, PITAMPURA, SARASWATI VIHAR, NORTH WEST DELHI, DLEHI-110034 have changed my name and shall hereafter be known as SNEHLATA SETHIA.

NOTICE

Public at large is hereby informed that (1) Sh. Lucky Tuteja (2) Smt. Deepika Tuteja are the owners of Free Hold Built-up First Floor Without Roof Rights, built up Property bearing no. 3/13, area measuring 100, sq. Yard. Situated at Ramesh Nagar, New Delhi vide Sale Deed dated 28.06.2024 executed by (1) Sh. Pankaj Khurana (2) Smt. Davneet Khurana in their favour , as Doc. No. 2024/22/I/8573 in respect of said property. That 1) Original Allotment letter issued by L&DO in favour of Hari Chand 2)Original Possession Letter issued by L&DO in favour of Hari Chand, 3)Original Lease Deed dated 24.10.1964 executed by L&DO in favour of Hari Chand As doc no. 9595, 4)Death Certificate of Mr. Ram Prakash Sharma 5) Death Certificate of Mrs. Bimla Rani Sharma 6) Original Mutation Letter dated 09.07.2004 issued by L&DO in favour of Mr. Sushil Kumar Sharma 7) Original SPA executed by Mrs. Chander Kanta in favour of Rajinder Kumar Sharma 8) Original Sale deed dated 14.07.2011 executed by Mr. Sushil Kumar Sharma in favour of Mrs. Sangeeta Vij As doc no. 17349 was lost on 04/08/2017 duly reported to police Station P.S. Crime Branch, Delhi LR No. 2000768/2017 as per police complaint dated 06/10/2017. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk. That my client intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections

NEW DELHI
DATE: 1/8/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

सार्वजनिक सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन संख्या-गोल्डेन बेल-801, 2 बी. एच.के. टाईप-बी, मधुबन-बापूधाम, गाजियाबाद का आवंटन श्री शाश्वत अग्रवाल पुत्र श्री लोकेश कुमार अग्रवाल के पक्ष में किया गया है। आवंटी द्वारा उक्त भवन की बाबत श्री शिवांग अग्रवाल पुत्र श्री लोकेश अग्रवाल को रक्त सम्बन्ध में दिनांक 25.03.2026 को सब-रजिस्ट्रार कार्यालय गाजियाबाद में पंजीकृत मुख्तयारेआम नियुक्त किया गया है। अब मुख्तयारेआम द्वारा मूल आवंटी के पक्ष में उक्त भवन की रजिस्ट्री कराये जाने हेतु प्राधिकरण में दिनांक 25.06.2026 को आवेदन किया गया है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करा दें, अन्यथा मुख्तयारेआम के माध्यम से मूल आवंटी के पक्ष में उक्त भवन की लीजडीड निष्पादित करा दी जायेगी। तद्‌परान्त कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति, जोन-3

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा की शर्मिला धनखड़ ने शॉटपुट में जीता स्वर्ण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष एवं प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कॉमनवेल्थ गेम्स ग्लासगो 2026 में भारतीय पैरा-खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पैरा-एथलीटों ने उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए कुल 7 पदक (3 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य) अपने नाम किए हैं। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर हरियाणा की पैरा-एथलीट शर्मिला धनखड़ ने महिला शॉटपुट (गोला फेंक) स्पर्धा में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए स्वर्ण पदक जीता और पूरे देश में प्रदेश का मान बढ़ाया। मूल रूप से महेंद्रगढ़ जिले के गांव छिथरोली की रहने वाली शर्मिला धनखड़ ने शॉटपुट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि शर्मिला का यह स्वर्ण पदक केवल उनके गांव या जिले के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है। यह सफलता साबित करती है कि हरियाणा के पैरा-खिलाड़ी दुनिया के हर कोने में भारत की धाक जमाने में सक्षम हैं।

हाईकोर्ट ने चौटाला सरकार में हुई जेबीटी भर्ती की याचिकाओं को ढाई दशक बाद निपटाया

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने करीब 27 साल पुराने जेबीटी भर्ती मामले में चल रही सभी याचिकाओं का निपटारा कर दिया है। इसके साथ ही पूर्व चौटाला सरकार के समय में भर्ती हुए शिक्षकों की नौकरी पर लटकी तलवार भी अब हट गई है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय ओम प्रकाश चौटाला इसी भर्ती के मामले में जेल भी गए थे। हाईकोर्ट ने वर्ष 1999 की 3,206 जेबीटी शिक्षकों की भर्ती विवाद का अंत करते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के समाधान प्रस्ताव के आधार पर सभी लंबित अपीलों का निपटारा कर दिया। हाई कोर्ट के समक्ष सरकार की तरफ से एडीशनल एडवोकेट जनरल संजीव कौशिक ने स्पष्ट किया कि भर्ती प्रक्रिया के तहत पिछले दो दशक से अधिक समय से सेवा दे रहे शिक्षकों की नियुक्ति अब नहीं छेड़ी जाएंगी। जिन याचिकाकर्ताओं का चयन केवल शैक्षणिक मेरिट के आधार पर बनता है, उनमें से लगभग 160 अभ्यर्थियों को उपलब्ध रिक्त पदों पर भावी प्रभाव से नियुक्ति दी जाएगी। जस्टिस हरसिमरन सिंह सेठी और जस्टिस अमरिंदर सिंह ग्रेवाल की खंडपीठ ने राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय को रिकॉर्ड पर लेते हुए कहा कि सभी पक्ष इस व्यवस्था पर सहमत हैं, इसलिए अपीलों का निपटारा इसी आधार पर किया जाता है।

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा में न रहे कोई चूक, एसपी ने पुलिस जवानों को दिए निर्देश

हिसार। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के टर्नआउट, अनुशासन, ड्रिल और कार्यकुशलता का बारीकी से जायजा लिया तथा बेहतर पुलिसिंग के लिए आवश्यक निर्देश दिए।परेड के बाद एसपी ने सोमवार को जिले में जारी कांवड़ यात्रा बारे सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने सभी पीसीआर राइडर एवं इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल (ईआरवी) स्टाफ को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करें। संवेदनशील स्थानों, प्रमुख मार्गों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंचे और कांवड़ यात्रियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी हरसंभव सहायता उपलब्ध कराए।एसपी सिद्धांत जैन ने यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य कांवड़ यात्रा को पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना है, जिसके लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं।निरीक्षण के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने अर्दली रूम का आयोजन कर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की व्यक्तिगत तथा सेवा संबंधी समस्याएं सुनीं।

जिले में कांवड़ समापन तक बंद रहेंगी मीट की दुकानें

पानीपत। पानीपत के जिलाधीश डॉ. हरिश कुमार वशिष्ठ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए हैं। आदेशानुसार कांवड़ यात्रा की अवधि के दौरान जिला पानीपत के अधिकार क्षेत्र में सभी बूचडख़ाने और मीट की दुकानें आगामी 11 अगस्त तक बंद रहेंगी। कावड़ यात्रा 11 अगस्त तक चलेगी। इस दौरान, हरिद्वार और नीलकंठ से पवित्र गंगा जल लेने वाले भक्त सनौली में यमुना ब्रिज के रास्ते पानीपत जिले से होते हुए हरियाणा के अलग-अलग दूसरे जिलों में जाएँगे और जबकि, कई स्लॉटर हाउस और मीट की दुकानें मंदिरों के पास और कांवड़ यात्रा के रास्ते में हैं। सावन के समय ऐसी जगहों के चलने से धार्मिक भावनाएं बढ़ सकती हैं और सांप्रदायिक सद्भाव और सार्वजनिक शांति भंग होने का खतरा है। इसलिए जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 11 अगस्त तक स्लॉटर हाउस/मीट की दुकानों को बंद करना ज़रूरी है। आदेशानुसार पुलिस अधीक्षक, पानीपत और कमिश्नर, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, पानीपत, इस ऑर्डर को सख्ती से लागू करने और पालन करने के लिए संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को ज़रूरी निर्देश देंगे। इस ऑर्डर का उल्लंघन करने वाला कोई भी व्यक्ति भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत सज़ा का हकदार होगा।

हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारी तेज

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से की मुलाकात

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर सरकार की तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से मुलाकात की। माना जा रहा है कि इस दौरान विधानसभा के मानसून सत्र के आयोजन को लेकर चर्चा हुई। पड़ोसी राज्य पंजाब में विधानसभा का सत्र सोमवार से शुरू हो चुका है। पंजाब का विधानसभा सत्र दस अगस्त तक चलेगा। विधानसभा परिसर में प्रेस लांज, पार्किंग, एंट्री गेट आदि दोनों राज्यों की साझा होने के कारण दस अगस्त तक हरियाणा का सत्र नहीं होगा।

बीती 28 जुलाई को मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में 22 एजेंडों को पारित किया गया था लेकिन विधानसभा के मानसून सत्र के आयोजन को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ था। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने जल्द निर्णय लिए जाने का संकेत दिया था। मंत्रिमंडल की बैठक में विधानसभा सत्र के आयोजन का कार्यक्रम तय करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी को अधिकृत किया गया था। सूत्रों के अनुसार, 15 अगस्त के स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को देखते हुए मंत्री और विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में व्यस्त रहेंगे। ऐसे में सरकार 21 अगस्त (शुक्रवार) से मानसून सत्र बुला सकती है।

हालांकि, मुख्यमंत्री और राज्यपाल की मुलाकात को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा के मानसून सत्र के संबंध में चर्चा की है। सरकार द्वारा इसी सप्ताह सत्र के आयोजन का प्रस्ताव राज्यपाल को भेजा जाएगा। राज्यपाल की स्वीकृति मिलने के बाद सत्र का आयोजन होगा।

अनुबंध कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा कानून के दायरे में लाने के लिए कमेटी का गठन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने हरियाणा अनुबंध कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम, 2024 एवं नियम, 2025 के तहत विभिन्न संगठनों को सेवा सुरक्षा पोर्टल के दायरे में शामिल करने के लिए वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। साथ ही, विभिन्न श्रेणियों के अनुबंध कर्मचारियों के लिए सेवा सुरक्षा वेब पोर्टल पर पंजीकरण एवं सत्यापन की समय-सीमा भी बढ़ाई गई है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी आदेशों के अनुसार संबंधित संगठन के प्रशासनिक सचिव तथा मानव संसाधन विभाग के विशेष सचिव इस कमेटी के सदस्य होंगे। इसके अलावा, हरियाणा के महाधिवक्ता के प्रतिनिधि (अतिरिक्त महाधिवक्ता से कम रैंक का नहीं) को विधिक सलाहकार के रूप में शामिल किया गया है। यह कमेटी अधिनियम में परिभाषित प्राधिकरण की श्रेणी में आने वाली संस्थाओं के संबंध में प्राप्त प्रस्तावों की जांच कर पात्र संस्थाओं की प्रमाणित सूची तैयार करेगी। इसके अलावा, विभिन्न संगठनों द्वारा उनके संबंधित प्रशासनिक सचिवों के माध्यम से एजेंडा नोट सहित भेजे जाने वाले प्रस्तावों का परीक्षण करेगी। कमेटी

हरियाणा अनुबंध कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम, 2024 की धारा 2(एफ) में वर्णित प्राधिकरण की परिभाषा के अनुरूप संस्थाओं को शामिल किए जाने के लिए विशिष्ट एवं वस्तुनिष्ठ मानदंड भी निर्धारित करेगी। इसी क्रम में राज्य सरकार ने www.securedemployees.csharyana.gov.in पोर्टल पर विभिन्न चरणों की समय-सीमा बढ़ाने का भी निर्णय लिया है।

हरियाणा सरकार ने तैयार किया शहरों का ड्राफ्ट डेवलपमेंट प्लान

नारनौल 2041,नारायणगढ़ 2031,पानीपत व कुरुक्षेत्र 2041 की तैयारी शुरू

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में भूमि के उपयोग, शहरी विकास और भवनों के निर्माण को व्यवस्थित करने के लिए विभिन्न जिलों के ड्राफ्ट डेवलपमेंट प्लान पर विचार-विमर्श तथा अनुमोदन हेतु मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हरियाणा सिविल सचिवालय में एसएलसी (स्टेट लेवल कमेटी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में हरियाणा नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग द्वारा नारायणगढ़ की 2031 की विकास योजना तथा कुरुक्षेत्र, नारनौल व पानीपत की 2041 की विकास योजनाएं अनुमोदन हेतु प्रस्तुत की गईं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास योजनाओं को भविष्य की जनसंख्या, आधुनिक शहरी आवश्यकताओं, पर्यावरणीय संतुलन, बेहतर परिवहन व्यवस्था तथा टिकाऊ एवं सुव्यवस्थित शहरी विकास को ध्यान में रखते हुए अंतिम रूप दिया जाए ताकि प्रदेशवासियों

को भविष्य में किसी भी मूलभूत सुविधा की कमी का सामना न करना पड़े। इसी प्रकार सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट व वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के अलावा बिजलीघरों, एंटरटेनमेंट जोन तथा अन्य सभी सुविधाओं का भी समुचित ध्यान रखा जाए। नारायणगढ़-2031 विकास योजना के संबंध में हरियाणा नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नारायणगढ़ को 2031 में संभावित 95000 की आबादी के अनुसार विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके तहत नारायणगढ़ में 6 रिहायशी सेक्टर विकसित किए जाएंगे। अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-72 के विकास के बाद उत्पन्न नई विकास संभावनाओं, औद्योगिक क्षेत्र के विकास, प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था के संरक्षण तथा ग्रीन जोन सहित विकास योजना का प्रारूप प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारायणगढ़ में औद्योगिक क्षेत्र तथा आवासीय क्षेत्र के बीच पर्याप्त दूरी रखी जाए ताकि आमजन को कोई परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र में आइकॉनिक डेस्टिनेशन स्कीम के तहत 250 एकड़ में विकसित किए जाने वाले क्षेत्र के लिए पर्याप्त भूमि आरक्षित की जाए, क्योंकि यह योजना कुरुक्षेत्र के विकास को नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में सरस्वती नदी के कैचमेंट एरिया में बाढ़ की समस्या का समाधान करने के लिए पुख्ता योजना बनाई जाए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि नारनौल-2041 विकास योजना के अंतर्गत कुल 20 रिहायशी सेक्टर विकसित करने की योजना बनाई गई है। इस दौरान नारनौल में एकीकृत मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब (आईएमएलएच) के अनुरूप औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने, नए बाईपास को योजना में शामिल करने तथा आवासीय, औद्योगिक, परिवहन एवं हरित क्षेत्रों के संतुलित विकास पर चर्चा की गई। इसी प्रकार पानीपत-2041 विकास योजना में शहर की बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 2021 के मास्टर प्लान के अनुरूप बसे शहर के दाएं व बाएं नए आवासीय क्षेत्र विकसित करने सहित सड़क नेटवर्क, एसटीपी, बूस्टिंग स्टेशन तथा अन्य आवश्यकताओं पर चर्चा की गई।

शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एटीआर पोर्टल पर एंट्री हो सुनिश्चितः हितेंद्र कुमार

एसडीएम हितेंद्र कुमार ने सुनीं शिकायतें, अधिकतर का मौके पर निपटारा

एजेंसी

गुरुग्राम। आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम हितेंद्र कुमार ने लोगों की समस्याएं सुनीं। संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इन शिविरों का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न समस्याओं का सरल और समयबद्ध समाधान उपलब्ध कराना है। शिविर में बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन सहित अन्य मामलों की सुनवाई की गई और अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया गया।

शिविर के दौरान कुल 13 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिन मामलों का तुरंत समाधान संभव नहीं था, उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। साथ ही यह भी कहा गया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण

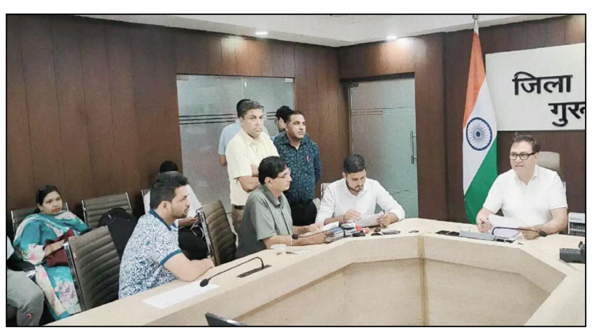

एटीआर पोर्टल पर एंट्री सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकरण को दोबारा खोलने की आवश्यकता न पड़े। एसडीएम ने कहा कि समाधान शिविर प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का माध्यम है, जिससे लोगों को पारदर्शी सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे निर्धारित दिनों में शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याएं दर्ज कराएं।

ईएसआई में स्टाफ नर्स अब कहलाएंगे नर्सिंग ऑफिसर

नर्सिंग सिस्टर बनेंगी सीनियर नर्सिंग ऑफिसर : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) विभाग में कार्यरत नर्सिंग स्टाफ के विभिन्न पदों के पदनाम को स्वास्थ्य विभाग की तर्ज पर संशोधित कर दिया गया है। इस संबंध में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस निर्णय से ई.एस.आई. विभाग के नर्सिंग स्टाफ को स्वास्थ्य विभाग के अनुरूप एक समान पहचान एवं पदनाम प्राप्त होंगे। विज ने बताया कि ई.एस.आई. विभाग के नर्सिंग कैडर के पदनामों में बदलाव करते हुए स्टाफ नर्स का पदनाम नर्सिंग ऑफिसर, नर्सिंग सिस्टर का सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, सहायक मैट्रन का सहायक मुख्य नर्सिंग ऑफिसर तथा मैट्रन का पदनाम मुख्य नर्सिंग ऑफिसर कर दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह परिवर्तन केवल पदनामों के पुनर्निर्धारण तक सीमित है और इससे राज्य सरकार पर किसी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा।

यह कदम स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था के अनुरूप ई.एस.आई. विभाग में भी समानता, प्रशासनिक एकरूपता तथा कार्य व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में उठाया गया है। श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि नर्सिंग स्टाफ स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ है और उनके पदनामों में यह बदलाव उनकी भूमिका एवं दायित्वों के अनुरूप सम्मानजनक पहचान प्रदान करेगा। इससे विभागीय कार्यप्रणाली में समन्वय बढ़ेगा तथा विभिन्न विभागों के बीच पदों की समानता स्थापित होगी। विज ने बताया कि जब उन्हें हरियाणा का स्वास्थ्य मंत्री रहने का अवसर मिला था, तब भी उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों के पदनामों में समयानुकूल परिवर्तन कर उन्हें आधुनिक एवं गरिमापूर्ण पहचान दिलाने की पहल की थी।

उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए अब ई.एस.आई. विभाग के नर्सिंग कैडर के पदनाम भी स्वास्थ्य विभाग के अनुरूप/तर्ज पर किए गए हैं, जिससे कर्मचारियों में सकारात्मक संदेश जाएगा और उनकी पेशेवर पहचान को और अधिक मजबूती मिलेगी।

दंगे जैसी स्थिति से निपटने को पुलिस ने कसी कमर

पुलिस लाइन में परेड के दौरान कानून व्यवस्था बिगड़ने पर हालात संभालने की तैयारी परखी

जवानों ने किया विशेष अभ्यास

एजेंसी

रोहतक। कानून-व्यवस्था के सामने अचानक पैदा होने वाली चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए पुलिस ने अपनी तैयारियों को मजबूत करना शुरू कर दिया है। पुलिस लाइन में आयोजित विशेष परेड के दौरान पुलिस जवानों को दंगे, उपद्रव और भीड़ के बेकाबू होने जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष अभ्यास कराया गया, अभ्यास के दौरान जवानों को दंगा निरोधक उपकरणों के संचालन, उनके सही इस्तेमाल और कानून-व्यवस्था की स्थिति में त्वरित कार्रवाई के तरीके बताए गए। जिले के सभी थानों व चौकियों के प्रभारी समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी इस विशेष अभ्यास में शामिल हुए। विशेष अभ्यास के दौरान पुलिसकर्मियों को अलग-अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कानून-व्यवस्था संभालने का प्रशिक्षण दिया गया, जवानों को बताया गया कि किसी भी स्थिति में प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही दंगा निरोधक उपकरणों को आवश्यकता के अनुसार इस्तेमाल करने और आपात स्थिति में पुलिस

दंगा निरोधक उपकरण चलाने का भी कराया अभ्यास, पुलिस बल को अलर्ट रहने के निर्देश

भीड़ को नियंत्रित करते समय संयम बनाए रखते हुए स्थिति को जल्द से जल्द सामान्य करना पुलिस की बल की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गई। पुलिस लाइन में कराए गए इस विशेष अभ्यास का उद्देश्य जवानों को ऐसी परिस्थितियों के लिए तैयार रखना है, जिनमें अचानक बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो जाएं अथवा किसी घटना के बाद कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका पैदा हो। अधिकारियों ने जवानों को किसी भी विषम परिस्थिति में अनुशासन और धैर्य के साथ ड्यूटी निभाने पर जोर दिया। विशेष अभ्यास में जिले के सभी थानों और चौकियों के प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल हुए। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए केवल पुलिस लाइन स्तर पर तैयारी पर्याप्त नहीं है, बल्कि फील्ड में तैनात अधिकारियों और जवानों को भी ऐसी परिस्थितियों का व्यावहारिक अभ्यास होना जरूरी है। इसी उद्देश्य से थाना और चौकी स्तर के अधिकारियों को भी विशेष अभ्यास में शामिल किया गया। पुलिस प्रवक्ता मनीष ने बताया कि पुलिस लाइन में होने वाली परेड के दौरान इस तरह की प्रक्रिया के तहत जवानों को विशेष अभ्यास कराया जाता है।

जीवन में संतुलन बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि साधना से आता हैः बीके आशा

ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने अनिश्चित संसार में आंतरिक संतुलन विषय पर विशेष कार्यक्रम

एजेंसी

गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सेक्टर-82 स्थित सेवाकेंद्र द्वारा प्रभात सेलिब्रेशंस में अनिश्चित संसार में आंतरिक संतुलन विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी बीके आशा दीदी ने अपना वक्तव्य दिया। बीके आशा दीदी ने कहा कि आंतरिक संतुलन बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि साधना से आता है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते इस दौर में आध्यात्मिकता ही मनुष्य का सच्चा सहारा है, जो हमें आंतरिक रूप से शक्तिशाली बनाती है। राजयोग के अभ्यास से न केवल सकारात्मक परिवर्तन आता है, बल्कि जीवन तनाव और भय से भी मुक्त होता है। उन्होंने आगे कहा कि आत्मा का मूल स्वरूप शांत है, लेकिन

भौतिक आकर्षणों के प्रभाव में आकर इसकी शक्ति क्षीण हो गई है। राजयोग के निरंतर अभ्यास से आत्मा पुनः अपने वास्तविक स्वरूप में लौट आती है। योग से एक ऐसी शक्ति जागृत होती है, जिससे हम कठिन परिस्थितियों में घबराने के बजाय उन्हें साक्षी भाव से देखना सीख जाते हैं। इस विशेष अवसर पर अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने कहा कि बाहरी परिस्थितियां हमेशा हमारे नियंत्रण में नहीं होतीं, लेकिन अपने विचारों और प्रतिक्रियाओं को सही दिशा देकर मन को शांत और स्थिर रखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि हम जैसा सोचते हैं, वैसी ही ऊर्जा अपने संबंधों और वातावरण में प्रवाहित करते हैं। इसलिए, हर परिस्थिति में दोष मढ़ने या चिंता करने के बजाय समाधान, स्वीकार्यता और सकारात्मक संकल्पों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने दिन की शुरुआत शुद्ध और शक्तिशाली विचारों के साथ करने तथा नियमित मेडिटेशन की प्रेरणा दी।

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as BADAL SHRIVASTAVA S/o SUSHIL SHRIVASTAVA R/o FLAT NO.501, TOWER B-1, VASHISTH HEIGHTS, SECTOR-87, KHERI KALAN(113), PO: KHERI KAIAN, DIST: FARIDABAD, HARYANA-121002 have changed my name and shall hereafter be known as DEVAM SHRIVASTAVA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

हरियाणा में ड्रोन व एआई से होगी अवैध निर्माण,खनन व प्रदूषण की निगरानी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में ड्रोन प्रौद्योगिकी सुशासन का अभिन्न अंग बनने जा रही है। प्रदेश में अवैध निर्माण, अवैध खनन, नागरिक अवसंरचना, लिगेसी वेस्ट स्थलों तथा प्रदूषण की प्रभावी निगरानी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित निगरानी तथा हाई रेजोल्यूशन भू-स्थानिक (जियोस्पेशियल) मैपिंग का उपयोग किया जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सोमवार को चंडीगढ़ में ड्रोन इमेजिंग एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ हरियाणा (दृश्या) के निदेशक मंडल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभिन्न तकनीकी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में एआई आधारित चेंज डिटेक्शन एप्लीकेशन की प्रगति की समीक्षा भी की गई। इस एप्लीकेशन को हाई रेजोल्यूशन ड्रोन इमेजरी के माध्यम से अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण की स्वतः पहचान के लिए विकसित किया गया है। इसके तहत फरीदाबाद, हिसार, करनाल, पानीपत और यमुनानगर में लगभग 800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का डिजिटल मानचित्रण किया जा चुका है, जिससे शहरी नियोजन, निगरानी और प्रवर्तन के लिए राज्य का सबसे बड़ा भू-स्थानिक डाटाबेस तैयार हो रहा है। मुख्य सचिव ने गुरुग्राम में 'दृश्या' द्वारा किए जा रहे नगर निगम परिसंपत्तियों के डिजिटल मैपिंग कार्य की भी समीक्षा की। क्रिड के आयुक्त एवं सचिव जे.गणेशन ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत सड़क नेटवर्क, फुटपाथ, सेंट्रल वर्ज तथा बर्म का डिजिटलीकरण किया गया है। इसके अलावा लगभग 60 हजार मैनहोल एवं गली ट्रैप का सेंटीमीटर स्तर की सटीकता के साथ भू-अंकन (जियो-रेफरेंसिंग) किया जा रहा है। बैठक में खानक स्टोन माइंस में ड्रोन आधारित मासिक निगरानी की भी समीक्षा की गई।

ईरान वार्ता और हॉर्मुज स्ट्रेट की अटकलों से सोना-चांदी चमके

सोने के भाव 644 तेज होकर 1,43,600 रुपए, चांदी 1,397 चढ़कर 2,19,150 रुपए

नई दिल्ली।

वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच मंगलवार को सोना और चांदी के वायदा भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई। अमेरिका-ईरान वार्ता और हॉर्मुज स्ट्रेट के दोबारा खुलने की संभावनाओं पर निवेशकों की पैनी नजर बनी हुई है, जिसने इन कीमती धातुओं को मजबूत सहारा दिया। खबर लिखे जाने तक ग्लोबल कॉमेक्स पर सोना 4,115 डॉलर और चांदी 58.90 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही थी, जबकि घरेलू एमसीएक्स पर सोना 1,43,600 रुपये और चांदी 2,19,150 रुपये के करीब पहुंच गई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोने के बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत 644 रुपये की मजबूत तेजी के साथ 1,43,559 रुपये पर हुई, जबकि पिछला बंद भाव 1,42,915 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 692 रुपये की तेजी के साथ 1,43,607 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर छुआ था। वहीं चांदी के सितंबर कॉन्ट्रैक्ट ने भी रफ्तार पकड़ी। यह 1,397 रुपये की तेजी के साथ 2,18,143 रुपये पर खुला, जो पिछले बंद भाव 2,16,746 रुपये से काफी ऊपर था। वर्तमान में यह 2,404 रुपये की छलांग के साथ 2,19,150 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलो का उच्चतम स्तर बनाया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेज उछाल देखा गया। सोना 4,109.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला, जो पिछले क्लोजिंग प्राइस 4,090.50 डॉलर प्रति औंस से अधिक था। खबर लिखे जाने तक यह 23.30 डॉलर की तेजी के साथ 4,113.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर का सर्वोच्च स्तर छुआ था। चांदी का वायदा भाव 58.38 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जबकि पिछला क्लोजिंग प्राइस 57.85 डॉलर था। यह भी तेजी बरकरार रखते हुए 1.03 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 58.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया था। चांदी के भाव ने इस साल 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छू लिया था।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

मुंबई ।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयर बाजारों में मंगलवार को मिश्रित रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 करीब 0.82 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 लगभग 1.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव पर भी वैश्विक निवेशकों की नजर बनी हुई है। सोमवार को अमेरिकी शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स में 1.32 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 1.48 प्रतिशत और नैस्डैक कंपोजिट में 2.13 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी बाजारों की यह मजबूती आज घरेलू बाजार के लिए कुछ सकारात्मक संकेत दे सकती है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का मुनाफा घटकर 349 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुनाफा 42 प्रतिशत घटकर 349.38 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 598.40 करोड़ रुपये था। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय भी घटकर 1,345.04 करोड़ रुपये रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,620.34 करोड़ रुपये थी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 210 अंक, निफ्टी 159 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स 210 अंक की गिरावट के साथ ही ही 78,428.95 अंक पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159 अंक फिसलकर 24,614.90 अंक पर बंद हुआ। मिडकैप शेयरों में भी आज पूरे दिन उतार-चढ़ाव रहा। निफ्टी मिडकैप बाजार बंद होने तक 86 अंक की गिरावट के साथ ही 18,215.85 अंक पर बंद हुआ।सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में आज सीजी पावर , और सेल रहे । वहीं गॉडफ्रे फिलिप और निप्पन के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। एलआईसी इंडिया, यूपीएल, प्रेस्टीज एस्टेट और डाबर इंडिया गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की

मिश्रित शुरुआत रही। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 147 अंक बढ़कर 78,786.10 पर था, जबकि निफ्टी 162 अंक गिरकर 24,611.55 पर कारोबार कर रहा था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया मंगलवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.19 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में सपाट खुला और तीन पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.34 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अपेक्षाकृत कम कीमतों और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से आयातकों की डॉलर की मांग पर असर पड़ा। अब बाजार की नजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले और इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिका के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.35 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में 95.34 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.37 पर बंद हुआ था।

भारत ने 5 उत्पादों पर बढ़ाए डंपिंग रोधी शुल्क

चार मौजूदा उत्पादों पर शुल्क अवधि बढ़ी, एक नए उत्पाद पर भी लगा शुल्क

नई दिल्ली ।

घरेलू उद्योगों को सस्ते आयात से बचाने के लिए भारत सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वित्त मंत्रालय ने वाणिज्य मंत्रालय की सिफारिशों पर चार मौजूदा डंपिंग रोधी शुल्कों की अवधि बढ़ाई है और एक नए उत्पाद पर भी पांच साल के लिए शुल्क लगाया है। सरकार ने ऑस्ट्रेलिया, चीन, कोलंबिया, इंडोनेशिया, जापान और रूस से आयातित 'लो ऐश मेटलर्जिकल कोक' पर पांच वर्षों के लिए 42.95 डॉलर से 128.83 डॉलर प्रति टन के बीच नया डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है।

जिन उत्पादों पर शुल्क की अवधि बढ़ाई गई है, उनमें अनट्रीटेड फ्यूम्ड सिलिका, एरिलाइड्स, लौह/इस्पात से बने सीमलेस ट्यूब, पाइप व खोखले प्रोफाइल तथा नॉर्मल ब्यूटेनॉल शामिल हैं। पेंट, सौंदर्य प्रसाधन, औषधि और प्रिंटिंग इंक जैसे उद्योगों में प्रयुक्त होने वाले इन उत्पादों का चीन, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका से लगातार सस्ता आयात हो रहा था, जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित हो रहे थे।

अनट्रीटेड फ्यूम्ड सिलिका पर यह शुल्क फरवरी 2027 तक, एरिलाइड्स पर जनवरी 2024 तक और लौह व इस्पात उत्पादों पर जनवरी 2027 तक बढ़ाया गया है। नॉर्मल ब्यूटेनॉल पर भी पांच वर्षों के लिए अवधि बढ़ाई गई है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के बहुपक्षीय ढांचे के तहत ये शुल्क निष्पक्ष व्यापार और घरेलू उत्पादकों को समान प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाए जाते हैं।

अब 25,000 तक बेसिक सैलरी वाले कर्मचारी भी पीएफ के दायरे में

पीएफ की वेज सीलिंग लिमिट 15,000 से बढ़कर 25,000 रुपए हुई

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने प्रोविडेंड फंड (पीएफ) से जुड़े नियमों में एक बड़ा बदलाव किया है। पीएफ की वेज सीलिंग लिमिट को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया गया है, जिसका सीधा असर लाखों नौकरीपेशा लोगों की मासिक सैलरी और रिटायरमेंट फंड पर पड़ेगा। इस बदलाव से अब ज्यादा कर्मचारी पीएफ और पेंशन योजना (ईपीएस) के दायरे में आ सकेंगे, हालांकि शुरुआत में हाथ में आने वाली सैलरी थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन लंबी अवधि में रिटायरमेंट सुरक्षा मजबूत होगी। पहले नियम के अनुसार, जिन कर्मचारियों की बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता मिलाकर 15,000 रुपये तक होता था, उनके लिए पीएफ कटवाना अनिवार्य था। 15,000 रुपये से अधिक आय वाले कर्मचारी इससे बाहर रह सकते थे। नई लिमिट 25,000 रुपये होने के बाद अब 15,001 रुपये से 25,000 रुपये तक बेसिक सैलरी पाने वाले कर्मचारी भी पीएफ के दायरे में आ जाएंगे, जिससे उन्हें बचत के साथ-साथ पेंशन का लाभ भी मिलेगा। इस बदलाव से पीएफ में ज्यादा योगदान जाने के कारण हर महीने हाथ में आने वाली सैलरी में कुछ कमी देखी जा सकती है। दरअसल, कर्मचारी की बेसिक सैलरी का 12 फीसदी हिस्सा पीएफ खाते में जमा होता है और कंपनी भी अपनी ओर से इतना ही योगदान देती है। उदाहरण के लिए, 22,000 रुपये बेसिक सैलरी वाले कर्मचारी को अब 2,640 रुपये पीएफ के रूप में कटवाने होंगे, जबकि पहले वह दायरे में

नहीं था। इसी तरह, 25,000 रुपये बेसिक सैलरी पर पीएफ योगदान 1,800 रुपये (15,000 पर) से बढ़कर 3,000 रुपये (25,000 पर) हो जाएगा। यह बदलाव कई कर्मचारियों के लिए रिटायरमेंट सुरक्षा को बढ़ाने वाला साबित होगा, खासकर उनके लिए जो पहले इस सीमा के कारण पीएफ और पेंशन योजना से नहीं जुड़ पा रहे थे। हालांकि, कंपनियों और सरकार पर भी इससे अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ेगा, लेकिन यह कदम कर्मचारियों की लंबी अवधि की आर्थिक सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेगा।

वैश्विक दबाव में बढ़ी थोक महंगाई, सरकार बोली- खुदरा नियंत्रण में जून में

डब्ल्यूपीआई 9.87 फीसदी हुई, वित्त राज्य मंत्री ने वैश्विक ऊर्जा कीमतों को बताया मुख्य कारण

नई दिल्ली।

सरकार ने संसद को बताया है कि जून में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई इन्फ्लेशन) में बढ़ोतरी का मुख्य कारण वैश्विक बाजार में ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतें रही हैं। हालांकि, सरकार का दावा है कि उसने आम लोगों को प्रभावित करने वाली खुदरा महंगाई (सीपीआई) को काफी हद तक नियंत्रण में रखने में सफलता पाई है।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में स्पष्ट किया कि खनिज तेल, खाद्य पदार्थ, धातु, रसायन और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वैश्विक तेजी का असर थोक महंगाई पर दिखा है। सरकार महंगाई को नियंत्रित करने और आम लोगों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। इन उपायों में आवश्यक खाद्य वस्तुओं का बफर स्टॉक बढ़ाना, खुले बाजार में अनाज की बिक्री करना और जरूरत के अनुसार व्यापार नीतियों में बदलाव करना शामिल है। इनका उद्देश्य खाद्य कीमतों को नियंत्रित कर उपभोक्ताओं को राहत देना है। आंकड़ों के अनुसार, जून में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 9.68 प्रतिशत थी। दूसरी ओर, खुदरा महंगाई दर सरकार द्वारा तय लक्ष्य के दायरे में बनी हुई है।

हालांकि, जून 2026 में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में वृद्धि को माना जा रहा है। सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मिलकर अप्रैल 2026 से मार्च 2031 तक के लिए खुदरा महंगाई का लक्ष्य 4 प्रतिशत तय किया है।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का मुनाफा 3 फीसदी बढ़कर 873 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली

। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने बताया कि जून, 2026 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका मुनाफा सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 873 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 845 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने शेयर बाजार को बताया कि जून तिमाही में उसकी कुल आय पांच प्रतिशत बढ़कर 1,385 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,324.8 करोड़ रुपए थी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च आठ प्रतिशत बढ़कर 242 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 224 करोड़ रुपए था। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने समीक्षाधीन तिमाही के दौरान 15.1 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी के साथ देश के सबसे बड़े म्यूचुअल फंड प्रबंधक के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा।

भारत के निजी विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 5 साल के निचले स्तर पर

एचएसबीसी पीएमआई जून के 54.2 से गिरकर 53.5 हुआ

नई दिल्ली ।

भारत के निजी क्षेत्र में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि जुलाई माह में पांच वर्षों में सबसे सुस्त गति से हुई है। एक निजी सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। एचएसबीसी का भारत का मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई), जो विनिर्माण गतिविधियों में बदलाव पर नज़र रखता है, जून के 54.2 से गिरकर जुलाई में 53.5 पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कुल बिक्री में गिरावट और नए ऑर्डर व नौकरी सृजन में कमी को इस सुस्ती का मुख्य कारण बताया गया है। जुलाई का 53.5 का आंकड़ा अगस्त 2021 के बाद सबसे कम है, जब यह 52.3 था।

हालांकि, यह सूचकांक 50 के स्तर से ऊपर बना हुआ है, जो गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है। यह लगातार 57वां महीना है जब विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार देखा गया है। एचएसबीसी की एक चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट ने बताया कि जुलाई में आपूर्तिकर्ता की आपूर्ति के समय का सूचकांक बढ़ा है, जो आपूर्ति श्रृंखला में सुधार का संकेत है। हालांकि, मध्य पूर्व में फिर से बढ़े तनाव ने इन सुधारों के स्थायित्व पर नए संदेह पैदा कर दिए हैं। इसके चलते विनिर्माता बफर बना रहे हैं, जिससे इनपुट और तैयार माल दोनों की इन्वेंट्री में बढ़ोतरी हुई है। सर्वेक्षण के अनुसार नए ऑर्डर में वृद्धि चार साल से अधिक समय में दूसरी सबसे कमजोर रही, जिसका मुख्य कारण बाजार की मुश्किल होती स्थितियां और ग्राहकों की कम दिलचस्पी बताई गई है।

बिक्री के मामले में भी वृद्धि की गति 2022 के मध्य के बाद से सबसे धीमी थी। जुलाई में उपभोक्ता सामान क्षेत्र सबसे कमजोर रहा, जिसमें नए ऑर्डर और आउटपुट में काफी कम वृद्धि देखी गई, जबकि इंटरमीडिएट और कैपिटल गुड्स बनाने वाली कंपनियों ने दोनों पैमानों पर मजबूत विस्तार दर्ज किया। इसके अतिरिक्त अतिरिक्त इनपुट की खरीद 31 महीने के निचले स्तर पर आ गई। भारत के विनिर्माण क्षेत्र में नौकरी के अवसर बढ़ने की रफ्तार लगातार तीसरे महीने धीमी रही और यह लगातार 29 महीनों की वृद्धि में सबसे धीमी दर थी।

हालांकि, लागत का दबाव पांच महीनों में सबसे कम स्तर पर आ गया, लेकिन कंपनियों ने विशेषकर सामान की आवाजाही के लिए ज्यादा कीमतें बताईं।

मस्क की बादशाहत बरकरार, अमेरिकी टेक दिग्गजों का दबदबा

मस्क नंबर 1; टॉप-9 में अमेरिकी टेक महारथी, अर्नाल्ट की बादशाहत पर खतरा

नई दिल्ली ।

वैश्विक अरबपतियों की सूची में एलन मस्क ने अपनी शीर्ष स्थिति बरकरार रखी है, बावजूद इसके कि उन्हें भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार शीर्ष दस में से नौ स्थान अमेरिकी प्रौद्योगिकी दिग्गजों ने कब्जा रखे हैं, जो इस क्षेत्र के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के तौर पर पहले पायदान पर बने हुए हैं। उनका कुल नेटवर्थ 684 अरब डॉलर है, जो दूसरे नंबर के लैरी पेज (305 अरब डॉलर) से दोगुने से भी अधिक है। गौरतलब है कि मस्क ने 400 अरब डॉलर गंवाने के बावजूद यह स्थान बनाए रखा है। जेफ बेजोस 290 अरब डॉलर के साथ तीसरे और सर्गी ब्रिन 283 अरब डॉलर के साथ चौथे स्थान पर हैं। बेजोस की संपत्ति में 32.3 अरब डॉलर और ब्रिन की संपत्ति में 16.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। इसके बाद माइकल डेल (217 अरब डॉलर) पांचवें, मार्क जुकरबर्ग (199 अरब डॉलर) छठे, लैरी एलिसन (181 अरब डॉलर) सातवें, जेनसेन हुआंग (166 अरब डॉलर) आठवें और स्टीव बाल्मर (163 अरब डॉलर) नौवें स्थान पर हैं। इन शीर्ष नौ नामों में अमेरिकी टेक दिग्गजों का दबदबा स्पष्ट है। अब सवाल यह है कि क्या लंबे समय से टॉप-10 में अपनी जगह बनाए रखने वाले एकमात्र गैर-अमेरिकी, बर्नार्ड अर्नाल्ट इस सूची से बाहर हो जाएंगे? 11वें नंबर पर काबिज वॉरेन बफे (145 अरब डॉलर) से अर्नाल्ट का फासला केवल 16 अरब डॉलर का है। चूंकि अरबपतियों की संपत्ति का बड़ा हिस्सा उनकी कंपनियों के शेयरों से आता है, ऐसे में शेयर बाजार में जरा सा भी उतार-चढ़ाव इस सूची में बड़ा फेरबदल कर सकता है।

यूपीआई नियमों में होगा बदलाव, भविष्य में लग सकता है एमडीआर

वित्त मंत्रालय ने पेमेंट एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड पर जीरो मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) की व्यवस्था खत्म करने की तैयारी शुरू कर दी है। सरकार ने पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिससे भविष्य में यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लगाने का अधिकार मिल सकेगा। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल ग्राहकों के लिए कोई नया शुल्क लागू नहीं किया गया है और इसका उद्देश्य यूपीआई यूजर्स से अतिरिक्त चार्ज वसूलना नहीं है। यदि भविष्य में एमडीआर लागू भी होता है, तो इसका असर मुख्य रूप से कारोबारियों (मर्चेंट्स) पर पड़ सकता है। यह प्रस्ताव पेमेंट एक्ट की धारा 10ए को हटाने के लिए है, जो वर्तमान में डिजिटल भुगतान पर एमडीआर लगाने से रोकती है। संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति के अनुसार, देश के 88 फीसदी डिजिटल भुगतान यूपीआई से होते हैं और अरबों ट्रांजैक्शन की बढ़ती लागत ने बैंकों व पेमेंट कंपनियों पर दबाव बढ़ाया है। डिजिटल पेमेंट उद्योग लंबे समय से जीरो एमडीआर नीति की समीक्षा की मांग कर रहा है, क्योंकि प्रोत्साहन राशि वास्तविक लागत से कम है। कुछ संगठनों ने बड़े कारोबारियों पर सीमित एमडीआर और छोटे को छूट देने का सुझाव दिया है।

एलआईसी में सरकार बेचेगी 6.5 फीसदी हिस्सेदारी

आम निवेशकों को मिलेगा शेयर खरीदने का मौका

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है।

केंद्र सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में अपनी हिस्सेदारी ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बेचने का फैसला किया है। पहले चरण में 2.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी, जिसे ग्रीन शू ऑप्शन के तहत कुल 6.5 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है। सरकार का यह कदम सेबी के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरहोल्डिंग नियमों के अनुपालन हेतु उठाया जा रहा है। सरकार ने इस ऑफर फॉर सेल के लिए 382 रुपए प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस निर्धारित किया है, जिसका अर्थ है कि इससे कम कीमत पर शेयर नहीं खरीदे जा सकेंगे। वर्तमान में, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में सरकार की करीब 96.5 फीसदी हिस्सेदारी है। इस पेशकश में पहले गैर-खुदरा निवेशकों (संस्थागत निवेशक) को हिस्सा खरीदने का मौका मिलेगा, जिसके बाद खुदरा निवेशक भी अगले दिन अपनी बोली लगा सकेंगे।

पहले चरण में 2.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी, लेकिन निवेशकों की अच्छी मांग पर ग्रीन शू ऑप्शन के तहत 4 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी भी बेची जा सकती है, यानी कुल 6.5 फीसदी तक शेयर बाजार में आ सकते हैं। सरकार का यह निर्णय केवल पूंजी जुटाने के लिए ही नहीं, बल्कि एक नियामक उद्देश्य के लिए भी है। सेबी के नियमों के अनुसार शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों में कम से कम 25 फीसदी हिस्सेदारी आम निवेशकों (पब्लिक) के पास होनी चाहिए। एलआईसी जिसकी लिस्टिंग साल 2022 में हुई थी और जो देश का सबसे बड़ा आईपीओ था, अब इस ओएफएस के माध्यम से अपनी सार्वजनिक शेयरधारिता को बढ़ाएगी। इस कदम से कंपनी में शेयरों की तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ेगी और वह नियामक मानकों के अधिक करीब पहुंचेगी।

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

ललित गर्ग

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है।
लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।
पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की

विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।
लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे।
भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं।
आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है।
पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंततः पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है।

संपादकीय

भाजपा को झटका

विधानसभा के हालिया उपचुनावों के जो परिणाम सामने आए हैं, वे निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी के माथे पर शिकन लाने वाले कहे जा सकते हैं। बिहार जहां भाजपा के नेतृत्व में गठबंधन सरकार है और पहली बार उसका मुख्यमंत्री बना है, वहां हाईप्रोफाइल बांकीपुर उपचुनाव में उसे हार का सामना करना पड़े तो इसको लेकर पार्टी की फिक्र बढ़ना लाजमी ही है। पिछले बिहार विधानसभा चुनावों में नई-नवेली बनी जन सुराज पार्टी यानी जे.एस.पी की करारी हार हुई थी। उस हार से सबक लेकर जेएसपी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ताल ठोककर बांकीपुर उपचुनाव मैदान में उतरे थे। इस तरह प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में अच्छी जीत हासिल करके भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने में कामयाबी हासिल कर ही ली। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये चुनाव परिणाम और भी अधिक कष्टदायक होगा, क्योंकि यह पार्टी के खाते वाली सीट थी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन के राज्यसभा के लिये चुने जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी। जाहिर तौर पर यह सामान्य विधानसभा सीट नहीं थी, इसको फिर से हासिल करना भाजपा की प्राथमिकता भी रही होगी। कमोबेश भाजपा के लिये ऐसी ही निराशाजनक खबरें अन्य राज्यों से भी आई हैं। लंबे समय से भाजपा का गढ़ माने जाने वाले एक और राज्य मध्यप्रदेश में भाजपा उम्मीदवार को हार मिली। मध्य प्रदेश की दतिया सीट कांग्रेस ने कब्जा ली है। दरअसल, इस सीट में उपचुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर खासा बवाल हुआ था। पिछली भाजपा सरकार में इस सीट से एक दिग्गज मंत्री बने थे। इस बार उनको टिकट न मिलने पर उग्र प्रदर्शन व धरने हुए थे। इस बड़े विवाद का फायदा कांग्रेस के प्रत्याशी को हुआ। हां, भाजपा के लिए एक सुकूनभरी खबर गुजरात से आई। पार्टी के इस परंपरागत गढ़ में उपचुनाव के बाद, वडोदरा जिले की मंजलपुर विधानसभा सीट पर पार्टी ने अपना कब्जा बरकरार रखा। बहरहाल, बिहार में बांकीपुर सीट को खो देना भाजपा को परेशान करने वाला जरूर है। बांकीपुर का बदला जनादेश न सिर्फ नितिन नवीन के लिये, बल्कि बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिये भी असहज करने वाली स्थिति है। दरअसल, प्रचार के दौरान प्रशांत किशोर ने स्थानीय मुद्दों के साथ मुख्यमंत्री पर तीखे हमले किये थे। उन्होंने राज्य में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों को लगातार विभिन्न मंचों से उठाया था। जाहिर है अब मुख्यमंत्री को पार्टी के भीतर ही जवाबदेही को लेकर मुश्किल स्थिति का सामना करना होगा।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।
मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अतः निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

मुद्दों से क्यों भटका छात्र आंदोलन?

सुरेश हिंदुस्तानी

लोकतंत्र में आंदोलन केवल विरोध का माध्यम नहीं होते, बल्कि जनता की भावनाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं को शासन तक पहुँचाने का सशक्त साधन भी हैं। इतिहास गवाह है कि अनेक आंदोलनों ने देश की नीतियों में परिवर्तन कराया, सामाजिक सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया और शासन को जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। किंतु पिछले कुछ वर्षों में एक ऐसी प्रवृत्ति भी देखने को मिली है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। अनेक आंदोलन अपने मूल उद्देश्य से भटककर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन जाते हैं। परिणामस्वरूप जिस समस्या के समाधान के लिए आंदोलन शुरू होता है, वही धीरे-धीरे चर्चा के केंद्र से बाहर हो जाती है।
नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रिया को लेकर उठे विवाद ने देशभर के लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को चिंतित किया। यह केवल एक परीक्षा का प्रश्न नहीं था, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता और युवाओं के भविष्य का विषय था। इसलिए स्वाभाविक रूप से छात्रों ने निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और पारदर्शी व्यवस्था की मांग की। यह एक ऐसा मुद्दा था, जिस पर राजनीति से ऊपर उठकर सभी पक्षों को विद्यार्थियों के हित में एकमत दिखाई देना चाहिए था। लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के चलते यह आंदोलन दिशा से भटकता हुआ दिखाई दिया।
लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से जवाब मांगे और जनहित के प्रश्नों को प्रभावी ढंग से उठाए। इसी प्रकार सरकार का दायित्व है कि वह हर गंभीर आरोप की निष्पक्ष जांच कराए, दोषियों को दंडित करे और जनता का विश्वास बनाए रखे। लेकिन जब आंदोलन का केंद्र समाधान के बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप बन जाता है, तब मूल मुद्दा पीछे छूटने लगता है।
यह भी देखा गया है कि कई बार अलग-अलग राज्यों में समान प्रकृति की घटनाओं पर राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग होती हैं। इससे जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीतिक दल सभी मामलों में एक समान सिद्धांत अपनाते हैं, या उनका रुख राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार बदल जाता है? लोकतंत्र में जनविश्वास बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि सार्वजनिक हित के मुद्दों पर राजनीतिक दलों का आचरण अधिक सुसंगत और सिद्धांत आधारित दिखाई दे।
यह प्रश्न केवल राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं है। आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठनों और नागरिक समूहों की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है। यदि आंदोलन का उद्देश्य किसी समस्या का समाधान है, तो उसे उसी लक्ष्य पर केंद्रित रखना चाहिए। आंदोलन में अनावश्यक राजनीतिक ध्रुवीकरण या विषयांतर से बचना आवश्यक है, क्योंकि इससे समाधान की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के कारण उसका दायित्व है कि वह मूल मुद्दे को केंद्र में रखे। यदि समाचारों और बहसों में वास्तविक समस्या की अपेक्षा राजनीतिक टकराव अधिक स्थान पाने लगे, तो जनचर्चा भी उसी दिशा में मुड़ जाती है। इससे जनता का ध्यान समस्या के समाधान से हटकर राजनीतिक विवादों में उलझ सकता है।
आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की सफलता का आकलन इस आधार पर किया जाए कि उससे समस्या का कितना समाधान हुआ, न कि इससे किस राजनीतिक दल को लाभ या हानि हुई। किसी भी आंदोलन की विश्वसनीयता तभी बनी रहती है, जब वह अपने घोषित उद्देश्य, नैतिक मयार्दा और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध रहे।
लोकतंत्र में राजनीति आवश्यक है, क्योंकि वही नीतियाँ बनाती है और शासन चलाती है। लेकिन राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि जनहित और राष्ट्रहित की रक्षा करना होना चाहिए। यदि हर जनआंदोलन राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा बन जाएगा, तो समाज का विश्वास कमजोर होगा और वास्तविक समस्याएँ समाधान की प्रतीक्षा करती रह जाएँगी।
आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, विपक्ष, आंदोलनकारी संगठन, मीडिया और नागरिक, सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। जब जनहित सर्वोपरि होगा और समाधान राजनीति पर भारी पड़ेगा, तभी लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति सामने आएगी। आंदोलनों की दिशा भी तभी सार्थक होगी, जब उनका लक्ष्य केवल विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना होगा।
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उप-चुनाव, बड़ा संकेत-भाजपा का अति आत्म विश्वास या बदलती तस्वीर

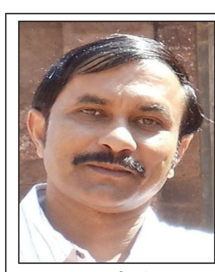

ऋतुपर्ण दवे

तीन अगस्त को तीन राज्यों के तीन नतीजे बहुत बड़े संकेत हैं। निश्चित रूप से बिहार का नतीजा जहाँ सत्ताधारी दल के लिए हैरान और परेशान करने वाला रहा। वहीं मध्यप्रदेश का नतीजा सत्ताधारी दल की अन्दरूनी गुटबाजी का परिणाम रहा। गुजरात में भाजपा की जीत स्वाभाविक कही जा सकती है। सबसे चर्चित जीत रही प्रशान्त किशोर उर्फ पीके की, क्योंकि राज्य की जनता को विकल्प के तौर पर एक नया दल जनसुराज जो मिल गया। पहले बिहार वासियों के पास दो ही विकल्प थे। राजद और भाजपा। राजद से मोहभंग हो गया था और पीके मतदाताओं के बीच अपनी जगह बनाने की कवायद कर रहे थे। हालाकि बीते विधानसभा चुनाव में उनका एक भी प्रत्याशी नहीं जीता और वो खुद चुनाव में खड़े नहीं हुए। लेकिन बिहार की नब्ज को टटोलते रहे। इसी बीच नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी बांकीपुर सीट खाली हुई जो पीके लिए मौके पर चौका लगाने जैसा रहा। हाँ, उन्होंने छक्का जरूर जड़ दिया ये बात अलग है। बांकीपुर सीट पटना के शहरी इलाके की है जिसे शुरू से ही भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा। इस नतीजे ने न केवल यह मिथक तोड़ा बल्कि भाजपा में खलबली मचा दी। माना जा रहा है कि पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों के चलते युवाओं की नाराजगी और जंतर-मंतर पर चले लंबे आन्दोलन ने भी भाजपा की छवि पर डेन्ट लगाया। इधर भाजपा अति आत्मविश्वास में थी और यह समझने में नाकाम रही कि हवा हमेशा एक ही दिशा में नहीं बहती। चंदा चोरी और जेन-जी आन्दोलन के बीच भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारक उतार दिए। लेकिन राजद के चार सांसद तक बांकीपुर नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तो विदेश चले गए जिन्होंने आखीर-आखीर में रोड शो किया। लेकिन तब तक बांकीपुर के मतदाताओं को यह समझना आसान हो गया कि तेजस्वी यादव और राजद अपने उम्मीदवार को लेकर गंभीर नहीं है। संकेत साफ रहा मतदाता को कहीं और शिफ्ट होना था। विकल्प के तौर पर पढ़ा लिखा, राजनीति को समझने-जानने वाले रणनीतिकार के रूप में पीके का नाम था इसलिए ज्याद सोचने-समझने के बजाए बिहार और देश के हालातों को देखते हुए मतदाताओं ने इस छोटे से चुनाव में बड़ा संदेश दे दिया। भाजपा को नुकसान पहुंचाने में भरत तिवारी एनकाउंटर मामला भी माना जा रहा है। इस एनकाउंटर ने न केवल युवाओं बल्कि खुल कर भाजपा के सवर्ण विरोधी होने को जबरदस्त हवा दी। भाजपा के तमाम जिम्मेदारों और रणनीतिकारों ने भाजपा विरोधी माहौल को थामने और बदलने की कोशिश की पर यह हो न सका। अंततः जीत भाजपा के हाथ से निकल गई और कई दशकों से भाजपा की परंपरागत कहलाने वाली बांकीपुर और राष्टीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कारण अतिप्रतिष्ठत हुई सीट हाथ से निकल गई। अब बिहार की राजनीति को समझने वाले यह कह रहे हैं कि पीके भाजपा सरकार, विशेषकर सम्राट चौधरी के लिए सदन के अन्दर भी और बाहर भी मुश्किलें बढ़ाएंगे क्योंकि ब उनका मकसद सिर्फ विधायकी नहीं बल्कि अपनी पार्टी को बिहार में नया मुकाम जो देना है।
कमोवेश यही स्थिति मध्यप्रदेश के दतिया में रही। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से नरोत्तम मिश्रा की हार के बाद भाजपा के अन्दरूनी हलकों में कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल था। लेकिन वहां से चुने गए कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा हो जाने के बाद अप्रैल में अयोग्य घोषित कर दिए जाने से हुए उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने कांग्रेस से चुनाव लड़कर सीट को बरकरार रखा। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बिना चुनाव लड़े मुश्किल नरोत्तम मिश्रा की हुई। जिन्होंने चुनाव से काफी पहले ही प्रचार और जनसंपर्क बढ़ा दिया था। लेकिन ऐन वक्त पर उन्हें टिकट नहीं मिली। जिस कारण यह सीट बहुत ही बड़ी प्रतिष्ठा का कारण बन गई। नरोत्तम मिश्रा की स्थिति न उगल पाने, न निगल पाने जैसी हो गई। यदि यहाँ से भाजपा जीतती तो उनका राजनीतिक कद घटता और अब काँग्रेस जीत गई है तो भी उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। निश्चित रूप से नरोत्तम मिश्रा का कद देखते हुए उनकी मंशा और उनके समर्थक इस मतदान के दौरान किस निर्णय पर पहुंचे होंगे, कहने की जरूरत नहीं। लेकिन नरोत्तम मिश्रा की मुसीबतें तो बढ़ीं। कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की संगठन में स्थिति और मजबूत होगी। कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव बेहद खास था क्योंकि करीब साल भर से संगठन को मजबूत करने और नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए काँग्रेस जबरदस्त संघर्ष कर रही थी। अब यह जीत संजीवनी का काम करेगी। हालाकि काँग्रेस ने चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश कर आजाद समाज पार्टी ने दामोदर सिंह यादव को मैदान में उतारा था फिर भी मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही रहा।
सर्वविदित है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व और पार्टी के चुनावी प्रबंधन के लिहाज से भी यह चुनाव भाजपा के लिए अग्नि परीक्षा माना जा रहा था, जिसमें वह विफल रही। मांजलपुर सीट से भाजपा की प्रचण्ड मतों से जीत ने पार्टी के लिए जश्न का मौका जरूर बरकरार रखा।
हाँ, कोई माने या न माने भले ही सार्वजनिक न हो लेकिन अन्दरूनी तौर पर भाजपा भी गुटबाजी से उबर नहीं पा रही है। जेन-जी आन्दोलन, पेपर लीक और भी कुछ मुद्दों पर पार्टी में अलग-अलग विचार समझ आने लगे हैं। इन चुनाव नतीजों के बाद स्थिति-परिस्थित क्या बनेगी, इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार हैं।)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पाकिस्तान में पुलिस को निशाना बनाकर बड़ा फिदायीन हमला, पांच सुरक्षाकर्मियों समेत 15 की गई जान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान का उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा एक बार फिर भीषण आतंकी हमले से दहल उठा है। रविवार, 2 अगस्त को स्वात जिले के काबल टाउन में आयोजित एक शांति मार्च के दौरान संदिग्ध आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 12 अन्य लोग जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं।

पुलिस स्टेशन के पास हुआ धमाका : यह विस्फोट उस समय हुआ जब स्थानीय लोगों और स्वात अमन जिरगा नामक स्थानीय परिषद द्वारा आयोजित अमन पासून शांति रैली निकाली जा रही थी। पिछले कुछ समय से इलाके में बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ते उग्रवाद के खिलाफ सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे थे। प्रदर्शनकारी शांति की अपील के साथ हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर मार्च निकाल रहे थे, तभी काबल पुलिस स्टेशन के पास यह धमाका हुआ।

सुरक्षाबलों और नागरिकों को बनाया निशाना : क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी मलकंद द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, इस भीषण हमले में 5 पुलिसकर्मियों और 10 आम नागरिकों की जान चली गई है। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि पूरा इलाका धुएं और चीख-पुकार से भर गया। शुरुआती जांच में यह एक फिदायीन यानी आत्मघाती हमला प्रतीत हो रहा है, जिसका मुख्य लक्ष्य वहां तैनात पुलिसबल और सुरक्षा घेरा था।

अस्पतालों में हाई अलर्ट : धमाके की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल 12 लोगों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने घटनास्थल की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। अभी तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इस घटना ने पूरे क्षेत्र में दहशत और तनाव का माहौल पैदा कर दिया है।

जनता का फुटा गुस्सा : स्वात घाटी में पिछले कुछ महीनों से हिंसा की घटनाओं में इजाफा हुआ है, जिससे स्थानीय लोग पहले से ही डरे हुए थे। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन शांति की मांग कर रहे निहत्थे नागरिकों पर हुए इस हमले ने सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

लोग आतंकवाद के खिलाफ रैली निकाल रहे थे : धमाके से पहले रविवार को कई लोग आतंकवाद के खिलाफ शांति रैली निकाल जा रहे थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने स्वात में बढ़ रही आतंकवादी घटनाओं की निंदा की। डॉन के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनके आंदोलन का एक ही मकसद है, इलाके में शांति लौटाना और आतंकवाद का खात्मा करना। उन्होंने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है। अगर असुरक्षा का माहौल जारी रहा तो लोगों में बड़ा जनआक्रोश पैदा हो सकता है। प्रदर्शन में शामिल प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई करता है, जबकि स्वात के पहाड़ी इलाकों में आतंकवादी खुलेआम सक्रिय हैं।

पाक राष्ट्रपति जरदारी ने जांच के आदेश दिए : पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमाके में लोगों की मौत पर दुख जताया। राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक, उन्होंने पूरे मामले की विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने धमाके की निंदा की खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने घटना की निंदा करते हुए पुलिस महानिरीक्षक से रिपोर्ट की मांग की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, शांति के दुश्मनों को उनके नापाक इरादों में कभी कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

वहीं, खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने भी धमाके की निंदा करते हुए मृतकों के प्रति शोक जताया। उन्होंने कहा, 'आतंकी कायराना हमलों से देश का मनोबल नहीं तोड़ सकते।'

जुलाई में आतंकी हमलों में 154 मौतें हुई : पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में बढ़ोतरी देखने को मिली है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज की मासिक सुरक्षा रिपोर्ट के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादी गतिविधियों में तेजी आई है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में कई जिलों में आतंकवाद से जुड़ी 154 मौतें दर्ज की गई, जबकि जून में यह संख्या 75 थी। यानी एक महीने में 105 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

ट्रंप के हमले कैंसिल करने के बाद ईरानी मीडिया ने किया ट्रोल, कहा- 'फूल की हवा निकल गई'

तेहरान, एजेंसी। ईरान के खिलाफ संभावित मिलिट्री हमलों पर कुछ समय के लिए रोक लगाने की घोषणा के बाद ईरानी मीडिया आउटलेट्स ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तीखी आलोचना और मजाक उड़ाया. ट्रंप ने एक ट्रुथ सोशल पोस्ट में दावा किया कि यह फैसला रीजनल एक्टर्स की रिक्वेस्ट के बाद लिया गया है, जिसमें कहा गया है, ईरान और दूसरे मिडिल ईस्टर्न देशों ने हमसे अभी-अभी कहा है कि हम कोई भी हमला न करें क्योंकि डील के पैरामीटर्स पर सहमति हो गई है. उन्होंने आगे कहा कि इस समझौते में होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत, पूरी तरह से और पूरी तरह से खोलना शामिल होगा.' हालांकि, ईरान की सरकारी मीडिया ने मिलिट्री ऑपरेशन रोकने की किसी रिक्वेस्ट की पुष्टि करने वाली या होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तेहरान के रुख में किसी बदलाव का संकेत देने वाली कोई रिपोर्ट नहीं दी. इसके बजाय ईरानी न्यूज एजेंसियों ने इस डेवलपमेंट को वॉशिंगटन की वापसी के तौर पर दिखाया. सेमी-ऑफिशियल न्यूज एजेंसी फार्स ने इस डेवलपमेंट पर रिपोर्ट करते हुए पोस्ट किया, 'ट्रंप द फूल का दम निकल गया है!' इसके साथ ही सेमी-ऑफिशियल न्यूज एजेंसी मेहर ने इस बात को खारिज कर दिया कि तेहरान ने हमले रोकने की मांग की थी, और बताया कि ट्रंप एक बार फिर अपनी खोखली धमकियों से पीछे हट गए और दुनिया के सामने अपने पीछे हटने को एक एहसान के तौर पर पेश किया. मिलिट्री अधिकारियों का हवाला देते हुए मेहर ने ट्रंप के बयान को एक नया झूठ बताया और कहा कि ईरानी सेना हाई अलर्ट पर है और किसी भी हालात के लिए तैयार है. ईरानी आउटलेट्स ने वेस्टर्न मीडिया की उन रिपोर्टों की ओर भी इशारा किया जिनमें अमेरिकी एयर डिफेंस मिसाइल स्टॉक में बढ़ती कमी को हाईलाइट किया गया था, जिसमें सेमी-ऑफिशियल न्यूज एजेंसी तस्नीम ने इस कमी को ईरान पर हमला रोकने के डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के पीछे मुख्य वजहों में से एक बताया. तेहरान के विरोध के बावजूद सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस के साथ बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के खिलाफ जाने के लिए पूरी तरह तैयार है. साथ ही उन्होंने दोहराया कि ईरान और दूसरे मिडिल ईस्ट देशों ने हमसे अभी-अभी किसी भी हमले को रोकने के लिए कहा है. यह डिप्लोमैटिक बातचीत पांच महीने से ज़्यादा समय तक चली मिलिट्री बातचीत के बाद हुई है, जो 28 फरवरी को शुरू हुई थी, जब अमेरिका और इजराइली सेना ने तेहरान पर हमले शुरू किए थे, और इसका कोई साफ हल नहीं दिख रहा था. पहले का सीजफायर फ्रेमवर्क, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना भी शामिल था, टूट गया. इससे ईरान ने हाल के हफ़्तों में दोनों देशों के बीच हमले फिर से शुरू होने पर इस जरूरी समुद्री रास्ते पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली. फार्स ने ईरानी बातचीत करने वालों के एक करीबी सोर्स के हवाले से बताया कि होर्मुज स्ट्रेट तब तक बंद रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

एआई बच्चों की कर रहा निगरानी, स्टार्टअप्स ला रहे स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम

न्यूयॉर्क , एजेंसी। बच्चों की देखभाल के लिए इस्तेमाल होने वाले स्मार्ट बेबी मॉनिटर अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार किए जा रहे हैं। नैनिट, बेबीटेक समेत कई स्टार्टअप ऐसे सिस्टम विकसित कर रहे हैं, जो रात के दौरान बच्चे की नींद, सांस, करवट और गतिविधियों पर लगातार नजर रखते हैं। कंपनियां भविष्य में एआई के जरिए बच्चों की दिनभर की गतिविधियों, विकास और व्यवहार का भी डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने की दिशा में काम कर रही हैं। यही वजह है कि विशेषज्ञ इसे बेबी सर्विलांस का नया दौर मान रहे हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दीवार पर लगा सफेद कैमरा बच्चों पर सीधा नजर रखता है। एचडी वीडियो ऐसे सर्वर पर भेजी जाती है, जहां मशीन-लर्निंग एल्गोरिद्म उसके हर हिलने-डुलने और उसकी आंखें खुलने-बंद होने के सटीक समय का रिकॉर्ड रखते हैं। इन आंकड़ों को चार्ट और विश्लेषण के रूप में तैयार करते हैं। इसमें सांस लेने से लेकर सोने में लगा समय, रात के माता-पिता की जरूरत कितनी बार पड़ी, ऐसी जानकारी रिकॉर्ड की जाती हैं। नैनिट का दावा है कि उसके 10 लाख सक्रिय उपयोगकर्ता हैं और सालाना आय 10 करोड़ डॉलर से अधिक है। उसका सबसे महंगा किट 474 डॉलर (करीब 45 हजार रुपये) का है। नैनिट ने निवेशकों से हाल में 5 करोड़ डॉलर जुटाए हैं।

ग्रीस में आग बुझाने गए 2 हेलिकॉप्टर हवा में टकराए ; 2-2 लोग सवार थे

एथेंस , एजेंसी। ग्रीस की राजधानी एथेंस के पास जंगल की आग बुझाने के दौरान रविवार को 2 फायरफाइटिंग हेलिकॉप्टर हवा में टकरा गए। हादसा पोर्टो जर्मेनो इलाके में हुआ। टक्कर के बाद एक हेलिकॉप्टर जमीन पर गिर गया। फायर विभाग के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों में 2-2 लोग सवार थे। उनकी तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अभी तक उनके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। ग्रीस में तेज हवाओं के कारण जंगल की आग तेजी से फैल रही है। एथेंस के आसपास कई इलाकों में आग पहुंचने के बाद लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। तेज हवा के चलते हेलिकॉप्टरों को समुद्र से पानी भरने में भी दिक्कत आ रही है।

अमेरिका में 80 वर्षीय अभिनेता विंसेंट पास्टर का शव बरामद

वाशिंगटन, एजेंसी। द सोप्रानोस में सल्वाटोर बोनपेन्सिएरो की भूमिका के लिए प्रसिद्ध अभिनेता विंसेंट पास्टर का निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। उनके मैनेजर बॉब मैकगोवन ने बताया कि पास्टर न्यूयॉर्क के सिटी आइलैंड स्थित अपने घर में मृत पाए गए। पास्टर ने 1980 के दशक से फिल्मों में अभिनय शुरू किया था। उन्होंने 1990 की गुडफेलस और अवेकनिंग्स जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया। वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिकी नौसेना में सेवा देने वाले पास्टर अपने दयालु और मददगार स्वभाव के लिए जाने जाते थे। उनके परिवार में उनकी बेटी रेनी पास्टर हैं।

यूएई में इस साल पहली बार 50 डिग्री तक पहुंचा तापमान

अबू धाबी , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इस साल पहली बार तापमान 50 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय मौसम केंद्र (एनसीएम) के अनुसार, रविवार को देश के एक आंतरिक क्षेत्र में पारा 50 डिग्री तक पहुंच गया। यह इस वर्ष का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि गर्मियों का चरम दौर अब धीरे-धीरे समाप्ति की ओर है, लेकिन फिलहाल लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, अगस्त के दौरान तापमान में धीरे-धीरे गिरावट शुरू हो सकती है, लेकिन तेज धूप, गर्म हवाएं और उमस का असर कई सप्ताह तक बना रहेगा। यूएई में आमतौर पर अक्तूबर के मध्य से मौसम में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिलता है। तब तक दिन के समय अत्यधिक गर्मी लोगों की परेशानी बढ़ाती रहेगी। भारतीय मानसून का लो-प्रेशर सिस्टम उत्तर भारत और पाकिस्तान से पश्चिम की ओर बढ़कर अरब प्रायद्वीप तक पहुंच रहा है, जिससे गर्म हवा का प्रवाह तेज हो गया है। अरब प्रायद्वीप पर बने थर्मल लो प्रेशर तापमान लगातार बढ़ा रहा है। रुब-अल-खाली रेगिस्तान से आने वाली अत्यधिक गर्म हवाएं तापमान को और ऊपर ले जा रही हैं।

ओमान तट पर मालवाहक जहाज पर अज्ञात हमला : जांच शुरू

लंदन । यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने घोषणा की कि ओमान के अल-खसाब से करीब 20 समुद्री मील उत्तर-पूर्व में एक मालवाहक जहाज अज्ञात प्रोजेक्टाइल से टकरा गया। यूकेएमटीओ को संकट कॉल के माध्यम से घटना की सूचना मिली थी, जिसके बाद अधिकारियों ने तुरंत मामले की जांच शुरू कर दी है। यह हमला तब हुआ है जब क्षेत्र में तनाव चरम पर है, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान के साथ चल रही वार्ताओं पर की गई टिप्पणियों के ठीक बाद। ट्रम्प ने कहा था कि उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर के राजनयिक हस्तक्षेप के बाद ईरान के खिलाफ नियोजित सैन्य हमले को टाल दिया था। राष्ट्रपति ट्रम्प ने वार्ताओं का जिक्र कर ईरान के लिए आखिरी मौका बताया था ताकि वे एक अच्छा दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर सकें। उन्होंने दावा किया कि बातचीत ईरान के अनुरोध पर हो रही थी और दोहराया कि तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना वाशिंगटन का प्राथमिक उद्देश्य बना हुआ है। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के संबंध में चल रही चर्चाओं का भी उल्लेख किया था। हालांकि, उनकी टिप्पणियों के तुरंत बाद, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने अमेरिका के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष वार्ताओं की रिपोर्टों को सिरे से खारिज किया। बघेई ने स्पष्ट किया कि तेहरान वाशिंगटन के साथ किसी भी द्विपक्षीय वार्ता में शामिल नहीं है। उन्होंने बताया कि ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से एक नए समुद्री यातायात मार्ग पर बनी समझ केवल सुरक्षित जहाज आवाजाही के लिए एक तकनीकी व्यवस्था थी, न कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोलने का संकेत। मालवाहक जहाज पर हुए कथित हमले ने क्षेत्रीय सुरक्षा और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य में नौपरिवहन पर चल रहे राजनयिक प्रयासों के बीच एक नई जटिलता पैदा कर दी है।

होर्मुज़ पर अमेरिका के साथ कोई सीधी बातचीत नहीं, ओमान से बातचीत प्रगति पर

-ट्रंप का दावा- ईरानी नेता निजी और गुप्त रूप से बातचीत करने के इच्छुक हैं

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरानी नेता निजी और गुप्त रूप से बातचीत करने के इच्छुक दिखते हैं, लेकिन खुले तौरा पर बातचीत करने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान बहुत ज्यादा दोहरा चरित्र वाला रवैया अपना रहा है। वहीं, ईरान अमेरिका के साथ सीधी बातचीत करने से सख्ती से इनकार कर रहा है और कहा है, हम ट्रंप से किसी तरह की बात नहीं करेंगे। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप पर ईरान के साथ युद्ध को लेकर अमेरिका में ही बड़े आरोप लग रहे हैं और विरोध हो रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कहा कि होर्मुज़ को लेकर ओमान के साथ बातचीत में प्रगति हो रही है, साथ ही, कतर और पाकिस्तान समेत क्षेत्रीय मध्यस्थ पर्दे के पीछे सक्रिय हैं, जो यह संकेत देता है कि सैन्य तनाव के बावजूद राजनयिक रास्ते अभी भी खुले हैं। सोमवार को ईरान के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की थी कि ओमान के साथ बातचीत जहाजों के लिए एक अस्थायी रास्ता बनाने पर केंद्रित है, जिसमें जलमार्ग में ईरानी और ओमानी दोनों रास्तों को मिला दिया जाएगा, जब तक कि इस पर कोई स्थायी समझौता नहीं हो जाता। जलमार्ग से एक ही, भले ही अस्थायी, रास्ता बनाना ईरान और अमेरिका के बीच विश्वास बनाने की दिशा में पहला कदम हो सकता है, लेकिन ईरानी अधिकारियों का कहना है कि इस समय होर्मुज़ को लेकर अमेरिका के साथ कोई सीधी बातचीत नहीं हो रही है।

ईरान ने ट्रंप को चेतावनी देते हुए कहा कि हमारी सैन्य प्रतिरोधक क्षमता बरकरार है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने घोषणा की है कि वह किसी भी खतरे का जवाब देने के लिए तैयार है, जबकि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि अमेरिकी सेना होर्मुज़ में वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के मिलिट्री एडवाइज़र मोहसेन रेज़ाई ने ईरानी बंदरगाहों पर जारी नौसैनिक नाकेबंदी को लेकर अमेरिका को चेतावनी दी है। रेज़ाई ने एक्स पर लिखा कि अगर नाकेबंदी जारी रही, तो अमेरिकी जहाजों और सेना को गंभीर खतरों और नुकसान का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका को अपना व्यवहार बदलना होगा, वरना हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम होर्मुज में दूसरा कॉरिडोर खोलने की इजाज़त कभी नहीं देंगे।

वहीं अमेरिकी सीनेट में माइनॉरिटी लीडर चक शूमर ने ईरान के साथ युद्ध को लेकर ट्रंप की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि ट्रंप तेल उद्योग से जुड़े अपने कैंपेन डोनर्स को फायदा पहुंचा रहे हैं, जबकि आम नागरिकों को ऊर्जा की बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। शूमर ने एक्स पर लिखा- ईरान में ट्रंप का गैर-कानूनी युद्ध उनके बिग ऑयल वाले दोस्तों के लिए एक तोहफा है, जिन्होंने मुनाफा कमाने के वादे के साथ उनके कैंपेन को फंड किया था। पता चला कि यह वही वादा है जिसे उन्होंने असल में पूरा किया। रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब का कहना है कि यह गठबंधन बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य, लाल सागर और अदन की खाड़ी में समुद्री आवाजाही, वैश्विक व्यापार और ऊर्जा शिपमेंट को सुरक्षित करेगा। रियाद में 43 देशों और ईयू की बैठक के बाद गुरुवार को इसने अपनी योजनाओं का खुलासा किया। इसने कहा कि तुर्की, पाकिस्तान, मिस्र, सूडान और जिबूती समेत 14 देशों ने प्रस्तावित गठबंधन का समर्थन किया है। खाड़ी के छह अरब देशों में से ओमान और यूएई का नाम गठबंधन का समर्थन करने वालों में शामिल नहीं था।

चीन की हरकतों से परेशान थाईलैंड को भाया भारत का ब्रह्मास्त्र, ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने की तैयारी में जुटा बैंकॉक

बैंकॉक, एजेंसी। भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस दुनिया भर में अपनी धाक जमाती जा रही है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से दक्षिण एशियाई और मिडिल ईस्ट के देश इसे खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, दक्षिण एशियाई देश फिलीपींस के बाद अब थाईलैंड भी इस खतरनाक मिसाइल को खरीदने की तैयारी में है। समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने और अपनी सेना को आधुनिक बनाने के लिए थाईलैंड अब ब्रह्मोस खरीदने में रुचि दिखा रहा है। इस मिसाइल के थाइलैंड की नौसेना शामिल हो जाने के बाद ?समुद्र में उसकी ताकत में इजाफा होगा। मिसाइल में जबरदस्त रफ्तार के साथ सटीक निशाना लगाने की क्षमता है। इससे समुद्र में थाईलैंड की नौसेना और ताकतवर हो जाएगी और वह अपने व्यापारिक रास्तों के साथ-साथ समुद्री इलाकों को भी बेहतर तरीके से सुरक्षित कर पाएगा। बेहद खास है थाईलैंड का यह कदम थाईलैंड हमेशा से किसी एक देश पर पूरी तरह से निर्भर नहीं रहने की नीति पर रहा है। हाल के वर्षों में अमेरिका-चीन में चल रहे तनाव को देखते हुए थाईलैंड, भारत की सहायता से अपनी रक्षात्मक स्थिति को और मजबूत करना चाहता है। चीन के साथ थाईलैंड के व्यापारिक और आर्थिक संबंध अच्छे रहे हैं। पहले वो चीन से हथियार भी खरीद चुका है, लेकिन दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती दादागीरी और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए वो अत्याधुनिक तकनीक के लिए भारत जैसे अन्य विकल्पों को रक्षा साझेदार बना रहा है। चीन द्वारा दक्षिण चीन सागर में दावा करने के बाद दक्षिण एशियाई देश भारत जैसे मजबूत और विश्वस्त साझेदार बना रहे हैं। इंडोनेशिया दौरे में भी हुआ था समझौता पीएम मोदी के पिछले महीने इंडोनेशिया यात्रा के दौरान दोनों देशों में ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और एयर-टू-एयर मिसाइल सहयोग समझौता हुआ था। इसके अलावा समुद्री क्षेत्र में तटीय निगरानी, प्रदूषण नियंत्रण और खोज एवं बचाव जैसे कई अहम क्षेत्रों में भी पूरी सहमति बनी। दोनों देशों ने मानवीय सहायता एवं आपदा राहत के लिए एक साथ मिलकर काम करने का बड़ा फैसला किया था।

पाकिस्तानी घुसपैठियों को बाहर करो, नेपाल में हिंदू राष्ट्र की मांग; सड़कों पर उतरे लोग

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग तेज हो रही है। यह मुद्दा केवल संगठनों और प्रदर्शनों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आम लोग अपने जनप्रतिनिधियों से भी सीधे जवाब मांग रहे हैं। प्रभावित क्षेत्रों में सांसदों का घेराव कर उनसे हिन्दू समुदाय की सुरक्षा और अधिकारों के पक्ष में खुलकर बोलने की मांग की जा रही है।

सांसद के सामने विरोध : सिरहा जिले में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद बबलू गुप्ता को लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि उन्होंने परिवर्तन और नेपाल को पुनः हिन्दू राष्ट्र बनाने की उम्मीद के साथ अपने जनप्रतिनिधियों का समर्थन किया था, लेकिन अब उनकी अपेक्षाओं की अनदेखी की जा रही है।

ठंडी हुई सांप्रदायिक हिंसा की आंच : नेपाल में 26 जुलाई की रात से शुरू हुई हिंसा की आंच अब मंद पड़ चुकी है। कई जिलों में बने तनाव के हालात अब काबू में हैं। हालांकि, इस घटना के बाद अब हिंदूवादी संगठनों ने सरकार को 15 सूत्री मांगपत्र सौंपते हुए नेपाल को पुनः हिंदू राष्ट्र घोषित करने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने समेत कई बड़े फैसले लेने की मांग की है। मांगपत्र में सुनसरी जिले के देवानगंज में हुई हिंसा की निष्पक्ष जांच, घटना के दोषियों एवं साजिशकर्ताओं की शीघ्र गिरफ्तारी तथा जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की गई है। साथ ही गोली चलाने का आदेश देने वाले अधिकारियों की पहचान उजागर कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग रखी गई है। प्रशासनिक लापरवाही और सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। मांगपत्र में घटना में जान गंवाने वाले लोगों को शहीद का दर्जा देने, उनके परिजनों को उचित मुआवजा उपलब्ध कराने तथा घायलों का निशुल्क और प्रभावी इलाज सुनिश्चित करने की भी मांगें शामिल हैं। साथ ही नेपाल को बौद्ध एवं किरात परंपराओं के सम्मान के साथ 'वैदिक सनातन हिंदू राष्ट्र' के रूप में पुनःस्थापित करने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने की मांग की गई है। संगठनों ने रोहिंग्या, बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें निष्कासित करने, सीमा सुरक्षा को और मजबूत बनाने तथा वर्ष 1990 के बाद जारी नेपाली नागरिकताओं की जांच कराने की मांग भी उठाई है।

क्या बोले पीएम बालेन शाह : पीएम बालेन शाह का कहना है कि हिंदू राष्ट्र की बहाली के साथ राजशाही का मुद्दाभी जुड़ता है। ऐसे में वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ऐसा कोई भी फैसला लेना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार फेडरल व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है और मजबूती से इसका पालन करेगी। उनका कहना है कि हिंदू राष्ट्र घोषित कर देने से संघीय व्यवस्था कमजोर हो जाएगी।

पाकिस्तान में बस दुर्घटना, 13 लोग घायल और बुनियादी ढांचे पर सवाल

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान भर में लगातार बुनियादी ढांचे की खामियों, नागरिक कुप्रबंधन और बढ़ते सार्वजनिक सुरक्षा जोखिमों को उजागर करते हुए, सरगोधा में सड़क दुर्घटनाओं, ढांचागत विफलताओं और शहरी बाढ़ की घटनाओं की एक श्रृंखला देखी गई है, जैसा कि डॉन ने रिपोर्ट किया है।

बहेरा के पास एम2 मोटरवे पर भीषण बस दुर्घटना : बहेरा इंटरचेंज के पास एम2 मोटरवे पर एक बड़ी सड़क दुर्घटना में, तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस ने नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे टायर बदलने के लिए खड़ी एक वाहन से टकरा गई, जिससे यात्री बस पलट गई।

शनिवार को 13 लोगों को गंभीर चोटें आई, जिनमें राईस, मुख्तार, मुहम्मद सामी, फैजान इजाज, अली वारिस, कमर जुल्फिकार, महमूद हसन, तसावुर इजाज, नदीम, जहीर अहमद, उस्मान अली, शोएब और मुहम्मद इक़बाल शामिल हैं, जैसा कि डॉन ने रिपोर्ट किया है। रेस्क्यू 1122 के कर्मियों ने पांच गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को स्वास्थ्य सुविधा में ले जाने से पहले प्रारंभिक आपातकालीन देखभाल प्रदान की, जबकि स्थानीय अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है।

सरगोधा में बुनियादी ढांचे की विफलताएं : सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में गंभीर प्रशासनिक चूक और भ्रष्ट आचरण को उजागर करते हुए, सरगोधा के उपायुक्त ने शहर के बाजार सौंदर्यीकरण अभियान में घटिया सामग्री और त्रुटिपूर्ण निष्पादन के संबंध में गंभीर चिंता जताई, जहां मानसून की बारिश के बाद नव-बिछाई गई फुटपाथ ढह गई और तूफान के पानी से दुकानों के बेसमेंट में बाढ़ आ गई। डॉन के अनुसार, उपायुक्त कार्यालय के आधिकारिक प्रतिनिधियों ने दावा किया कि कदाचार के संबंध में कोई ढील बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और गुणवत्ता मानकों को लागू करने के लिए शहरी नियोजन में संरचनात्मक दोषों को दूर करने का वचन दिया।

बाढ़ और आवास सुरक्षा चिंताएं : इस बीच, सरगोधा डिवीजन के आयुक्त हाफिज शौकत अली, नगरपालिका, राजमार्ग और जल स्वच्छता नेतृत्व सहित क्षेत्रीय प्रशासकों ने विभिन्न नगरपालिका स्थलों का निरीक्षण किया, जीर्ण-शीर्ण सड़क नेटवर्क, विफल जल निकासी बुनियादी ढांचे और उपेक्षित नागरिक उपयोगिताओं की समीक्षा की।

आयुक्त ने सिल्लवाली डिस्पोजल स्टेशन, ईदगाह डिस्पोजल स्टेशन, सिटी रोड और शहीन चौक में चल रही विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया, फील्ड अधिकारियों को टिकाऊ सामग्री का उपयोग करके कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, जबकि भारी वर्षा के दौरान शहरी पक्षाघात को रोकने के लिए जल प्रबंधन एजेंसियों को चालू डिस्पोजल पंप बनाए रखने का निर्देश दिया।

आवास सुरक्षा कमजोरियों को उजागर करने वाली एक अन्य घटना में, मुरादाबाद कॉलोनी गली 12 में अपने आवास की छत गिरने से 18 वर्षीय समीन अशरफ और 20 वर्षीय फरवा अशरफ गंभीर रूप से घायल हो गए, जो भारी बारिश के बाद आधी रात को ढह गई। पारंपरिक टीआर गर्डर से निर्मित संरचना अचानक ढह गई, जिससे दोनों पीड़ित भारी मलबे के नीचे दब गए, इससे पहले कि उन्हें निकाला गया और एक निजी चिकित्सा केंद्र ले जाया गया।

बढ़ती जलवायु भेद्यता और कमजोर आपदा निवारण उपायों को और इंगित करते हुए, चेनाब और झेलम नदियों के बढ़ते जल स्तर ने आसपास के किनारों पर बाढ़ ला दी, जिससे कृषि भूमि नष्ट हो गई और ग्रामीण आबादी को खतरा पैदा हो गया, जैसा कि डॉन ने रिपोर्ट किया है।

आपातकालीन टीमों ने लगभग तीन दर्जन निवासियों को जलमग्न क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर सुरक्षित निकाला, जबकि स्थानीय अधिकारियों ने दावा किया कि अंतर-एजेंसी तत्परता को बढ़ावा देने के लिए पहले मॉक बाढ़ अभ्यास आयोजित किए गए थे।

घरेलू उपायों से करें कॉन्र्स का इलाज

कॉर्न्स को दूर करने के लिए घरेलू उपचार प्रभावी होते हैं। हालांकि कॉन्र्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कॉन्र्स के लिए घरेलू उपचार

कठोर त्वचा समय के साथ कॉर्न का रूप ले लेती है। कॉन्र्स मोटी त्वचा के धब्बे की तरह उभरता है और दबाव के माध्यम से बढ़ता है। कॉन्र्स अक्सर तेज दर्द का कारण बन सकता है। कॉन्र्स का जल्द से जल्द इलाज नहीं किए जाने पर इससे छुटकारा पाना थोड़ा कठिन हो सकता है। चिकित्सकीय रूप में कॉन्र्स केवल एक छोटी सी शल्य चिकित्सा द्वारा हटाया जा सकता है। साथ ही कॉन्र्स के इलाज के लिए ओवर-द-काउंटर क्रीम और औषधीय बैंड उपलब्ध हैं, लेकिन इनकी प्रकृति अधिकतर बनावटी होती हैं। इसलिए कॉन्र्स को दूर करने के लिए आप इन सिद्ध और प्रभावी घरेलू उपचार को अपना सकते हैं। हालांकि कॉन्र्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कैमोमाइल चाय

कैमोमाइल चाय में अपने पैरों को भिगोना सुखदायक होता है और यह अस्थायी रूप से त्वचा के पीएच को बदल कर पसीने से तर पैर को सूखने में मदद करता है। गुनगुने पानी में सेंधा नमक और कैमोमाइल चाय को मिलाकर उसमें पैर भिगोना,कॉन्र्स को नर्म करने की चिकित्सा के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि चाय से पैर में दाग हो सकते हैं, लेकिन इसे आसानी से साबुन और पानी से हटाया जा सकता है।

प्यूमिक स्टोन

सबसे पहले हार्ड त्वचा को नर्म करने के लिए अपने पैरों को गीला करें। फिर हल्के दबाव का उपयोग कर, गीले प्यूमिक स्टोन को कॉर्न के आगे पीछे रगड़ें। मृत त्वचा को धोने के लिए हर कुछ मिनट के लिए रुकें, और कॉर्न्स को थोड़ा नर्म होने तक दोहराएं।

सफेद सिरका

सिरका सॉस सहित कई व्यंजन की तैयारी में प्रयोग किया जाती है। साथ ही यह पैर पर कॉन्र्स को दूर करने का एक शानदार और परखा हुआ उपाय है। सफेद सिरका आसानी से खरीदा जा सकता है। एक साफ औषधीय कॉटन बॉल लेकर उसे सफेद सिरका में डुबोकर इसे कॉर्न पर लगाएं। कॉन्र्स पर कॉटन को सुरक्षित रखने के लिए डक्ट टेप का उपयोग करें। तीन से चार घंटे तक इसे ऐसे ही छोड़ दें। निर्धारित समय के बाद डक्ट टेप और कॉटन निकाल लें।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री तेल में मौजूद एंटीफंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण इसे कॉन्र्स के इलाज के लिए बेहतर बनाते है। एक साफ कॉटन बॉल लेकर, उसपर आवश्यक तेल की पांच बूंदों डालकर कॉन्र्स पर रगडें। फिर कॉन्र्स पर कॉटन को लगा रहने दें। रात भर लगा रहने के बाद सुबह इसे पानी से धो लें।

पपीता

पैर से कॉन्र्स को दूर करने के लिए एक और बहुत ही आसान और कारगर उपाय है। पपीते में मौजूद कई एंजाइम कठिन और मृत त्वचा को दूर करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, पपीता किसी भी दर्द या बेचैनी को कम करने और यहां तक कि कॉन्र्स को सूखने और तेजी से गिरने में मदद करता है। सर्वोत्तम परिणामों के लिए, कच्चे पपीता का उपयोग करें। कच्चे पपीते के रस में कॉटन को डूबोकर उसे कॉन्र्स पर लगाएं और इसपर पट्टी के साथ सुरक्षित करें। इसे रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह धीरे से त्वचा को प्यूमिक स्टोन से एक्सोफोलिएट करें।

लहसुन

लहसुन प्रकृति से एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण यह एंटी-बैक्टीरियल और फंगल संक्र मण से लड़ने में उपयोगी होती है। लहसुन के साथ कॉन्र्स के इलाज के लिए लहसुन की तीन कली को अच्छे से भूनकर कुचलकर पाउडर बना लें। फिर लहसुन के साथ लौंग पाउडर को मिलाकर इसे कॉन्र्स पर लगाएं। इसे पट्टी से कवर करके पूरी रात के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को खोलकर गुनगुने पानी से पैरों को धो लें। इस उपाय कॉन्र्स के गायब होने तक करें।

तारपीन का तेल

तारपीन का तेल एक मजबूत एंटीसेप्टिक है, जो कॉन्र्स के इलाज में मदद करता है। तेल त्वचा में जल्दी प्रवेश कर जाता है जिससे उपचार तेजी से किया जा सकता है। एक पतले कपड़े में बर्फ लपेटकर प्रभावित क्षेत्र में दो मिनट के लिए मसाज करें। कॉन्र्स वाले हिस्से को अच्छे सुखाकर उसपर थोड़ा सा तारपीन का तेल लगाएं। फिर इस पर पट्टी बॉधकर रात भर के लिए छोड़ दें। रात को सोने से पहले इस उपाय को नियमित रूप से करें।

नींबू का रस

यह इलाज धीमी गति से काम करता है, लेकिन कॉन्र्स के लिए किसी भी अन्य घरेलू उपचार की तरह प्रभावी है। ताजा नींबू का एक चम्मच रस लेकर उसमें लौंग के दो टुकड़े मिलाएं। 15 मिनट के लिए नींबू के रस में लौंग को छोड़ दें। फिर लौंग को हटाकर, नींबू के रस को कॉन्र्स पर अच्छी तरह से रगड़ें। कुछ देर सुखने के बाद पानी से इसे साफ कर लें।

हल्दी

कॉन्र्स को दूर करने के लिए हल्दी भी बहुत अच्छा उपाय है। एंटी-इफ्लेमेंटरी प्रकृति के कारण, हल्दी परेशानी और दर्द को कम करने और उपचार को गति प्रदान करती है। एक चम्मच शहद में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को कॉन्र्स पर लगाकर इसे सुखने के लिए छोड़ दें। कॉन्र्स के निकलने तक इस उपाय को कम से कम एक सप्ताह में दिन में दो या तीन बार दोहराये।

मुलेठी

अदभुत चिकित्सा और औषधीय गुणों के कारण आयुर्वेद में कॉन्र्स के इलाज के लिए मुलेठी की सिफारिश की जाती है। कॉन्र्स के उपचार के लिए एक चम्मच मुलेठी में पर्याप्त मात्रा में सरसों का तेल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सोने से पहले प्रभावित क्षेत्र पर लगा लें। इसपर पट्टी बांधकर रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को हटाकर गुनगुने पानी से उस क्षेत्र को धो लें। ऐसा तब तक करें जब तक कॉन्र्स नर्म और आकार में कम न हो जाये।

रेसिपी

हेल्दी कर्ड राइस

सामग्री

■ राइस -एक कटोरी ■ दही एक कटोरी ■ उड़द दाल-एक छोटा चम्मच ■ चने की दाल-एक छोटा चम्मच ■ मूंगफली -आधी छोटी कटोरी ■ दो हरी मिर्च ■ एक सूखी लाल मिर्च ■ एक सफेद प्याज ■ चुटकीभर अदरक ■ करी पत्ते 5-6 ■ आधा छोटा चम्मच राई ■ चुटकीभर मेथी दाना ■ चुटकीभर हींग ■ तेल जरूरत के अनुसार ■ नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले चावल को पानी में डालकर पका लें। इसके एक पैन में तेल डालें और राई, मेथी दाना, उड़द दाल, चने की दाल और सूखी लाल मिर्च डालकर भून लें। इसके बाद सफेद प्याज, अदरक, हरी मिर्च और करी पत्ते डालकर भूनें। इसी तेल में मूंगफली भी डालकर भून लें और इनमें नमक मिलाकर अलग रख लें। इसके बाद हींग डालें और सभी को अच्छे से मिक्स कर लें। अब साधारण पके हुए चावल में दही मिलाएं और दही के बाद भुनी मूंगफली डालकर अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद ऊपर से तैयार तड़का डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। तैयार हैं आपके कर्ड राइस ।

काले चने की कढ़ी

सामग्री

■ भिगोए और उबले हुए काले चने ■ दही ■ बेसन ■ एक छोटा चम्मच हल्दी ■ एक बड़ा चम्मच गरम मसाला ■ दो तेजपत्ता ■ दो सूखी लाल मिर्च ■ चूटकीभर हींग ■ आधा चम्मच मेथी दाना ■ आधा छोटा चम्मच जीरा ■ दो हरी मिर्च ■ आधा कप प्याज ■ आधा कप टमाटर ■ एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट ■ दो बड़ा चम्मच तेल ■ नमक

विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में तेल डालें और हींग तेजपत्ता, सूखी लाल मिर्च और मेथी दाना और जीरा डालकर भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब गरम मसाला, हल्दी, और काले चने डालकर तब तक पकाएं जब तक की मसाला तेल न छोड़ने लगे। दूसरी ओर एक कटोरी में दही में बेसन डालकर अच्छी तरह घोल लें। मसाले के तेल छोड़ते ही दही वाला मिश्रण डालकर धीमी आंच पर पकाएं। धनिया पत्तियों ऊपर से डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा

अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 1797

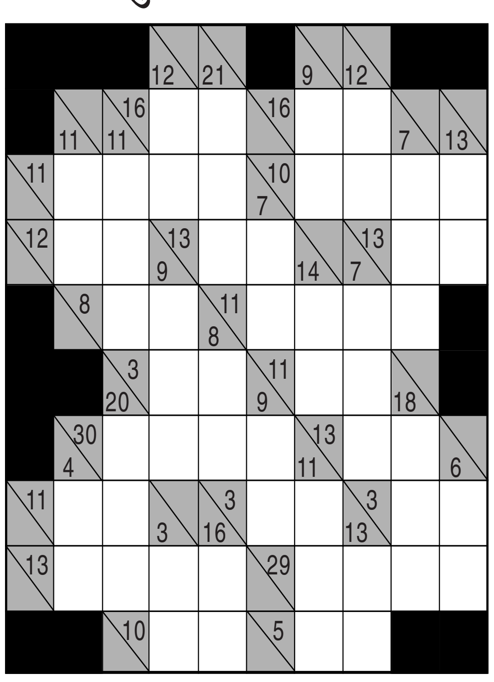

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

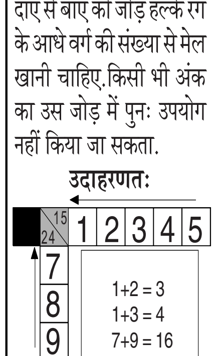

काकुरो - 1796 का हल

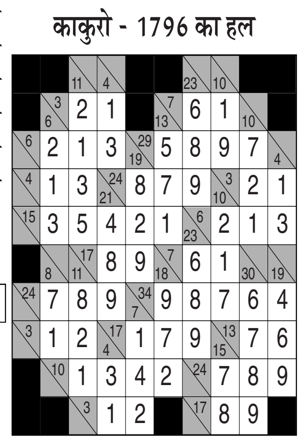

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका (प्रेमी से)- नरेश, आप जुआ मत खेला करो, जुएँ में अगर आदमी एक दिन जीतता है तो दूसरे दिन हारता भी है।

नरेश- तो ठीक है! तुम्हें घबराने की कोई जरूरत नहीं। आज से मैं एक दिन छोड़कर जुआ खेला करूँगा!

एक रईसजादी ने दो घोड़े खरीदे। उन दोनों घोड़ों की अलग-अलग पहचान के लिए अंतर कैसे रखा जाए, इस बाबद उसने अपने पड़ोसी से पूछा। पड़ोसी ने सुझाया कि एक घोड़े की पूँछ काट दो।

उसने पूँछ काट दी, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े की पूँछ एक झाड़ी में फँस गई और काटनी पड़ी। अब दोनों घोड़े पूँछ कटे हो गए थे। फिर पहचान की समस्या आ खड़ी हुई। उसने फिर पड़ोसी से राय ली।

पड़ोसी ने कहा कि एक घोड़े का एक कान काट दो, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े का कान खेत के चारों तरफ लगी तार फेंसिंग में उलझ कर कट गया।

उसने सुझाया कि उनकी ऊँचाई नाप लो। रईसजादी ने घोड़ों की ऊँचाई नापकर पड़ोसी को बताई- 'सफेद घोड़ा काले घोड़े से दो इंच ऊँचा है।'

फिल्म वर्ग पहेली- 1797

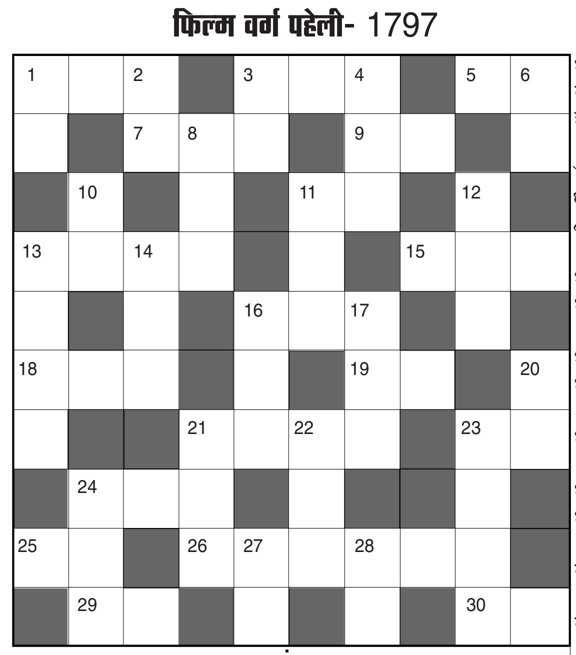

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरू द्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1796

खा	मो	शी		आ	प	की	क	स	म
की		शा	दी		ड़ो		भी		स्त
	आ		वा	प	स		ना		
प	ह	चा	न		न	या	क	द	म
रा			गी	ता			भी		ड
या	रा	ना		ज	मा	ना		स	र
ध		य	ति	म			रा	नी	
न	म	क		ह	म	रा	ज		फ
	र्या			ल		जे			रा
अ	दा	ल	त		इं	द्र	कु	मा	र

सूडोकु -1797

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1796 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 1797

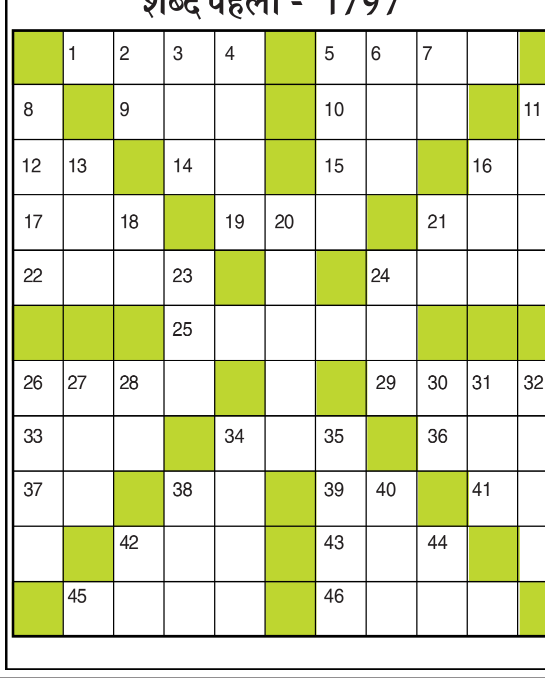

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -1796 का हल

	ना	स	म	झ			क	पा	स	
कु	ल		झ		क	रा	ह		म	न
ल			धा	र	ण		र			क
प	रि	चा	र	क		पा		अ	न	ल
ति		ह		म	नो	नी	त		सी	
	जा	त						त	ब	
	मु		फि	त	र	त		ना		ना
म	न	का		न		प	र	व	रि	श
लि			न		पू	न	म			वा
का	बु		ख	ब	री		णी		खा	न
	आ	स	रा			जा	य	दा	द	

सहारनपुर: दो साल पहले बनी 4 करोड़ की कोठी पर 22 करोड़ का प्रॉपर्टी टैक्स! 12 करोड़ का वाटर टैक्स देख सपा नेता के उड़े होश

सहारनपुर में नगर निगम की ओर से सपा नेता के परिवार को चौंकाने वाला प्रॉपर्टी टैक्स नोटिस मिला है. करीब 4 करोड़ रुपये कीमत की कोठी पर 22 करोड़ रुपये से अधिक का संपत्ति कर लगाया गया है.

सहारनपुर एजेंसी । सहारनपुर में नगर निगम की टैक्स निर्धारण व्यवस्था का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. वार्ड नंबर-2 के रामनगर स्थित मल्हीपुर रोड पर रहने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) नेता फरहाद गाड़ा के परिवार को नगर निगम की ओर से जीआईएस (ड्रून) सर्वे के आधार पर ऐसा प्रॉपर्टी टैक्स नोटिस मिला, जिसे देखकर परिवार के लोग हैरान रह गए. नोटिस में मकान की वास्तविक कीमत से कई गुना अधिक हाउस टैक्स और जलकर का बकाया दर्शाया गया है.

फरहाद गाड़ा के अनुसार उनकी कोठी करीब 816 गज में बनी है. इसका निर्माण लगभग दो वर्ष पहले हुआ था और उनका परिवार पिछले एक साल से यहां रह रहा है. उन्होंने बताया कि मकान की मौजूदा बाजार कीमत करीब 4 करोड़ रुपये है, लेकिन नगर निगम की ओर से भेजे गए नोटिस में 22 करोड़ रुपये से अधिक का संपत्ति कर निर्धारित कर दिया गया. इतनी बड़ी टैक्स राशि देखकर पूरा परिवार सदमे में आ गया.

12 करोड़ रुपये का वाटर टैक्स

नोटिस में 12 करोड़ रुपये का वाटर टैक्स भी लगा दिया गया है. परिवार का कहना है कि यह दावा पूरी तरह अव्यावहारिक और तथ्यहीन है. उनका कहना है कि इतनी बड़ी राशि का पानी एक सामान्य परिवार के लिए इस्तेमाल करना संभव ही नहीं है.

परिवार बोला- लापरवाही का खामियाजा हमें क्यों भुगतना पड़े?

नोटिस मिलने के बाद परिवार के लोगों ने नगर निगम से संपर्क किया. परिवार का आरोप है कि निगम की लापरवाही और डेटा एंट्री में हुई गलती का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है. उनका कहना है कि जीवनभर की कमाई से बनाए गए मकान पर उसकी कीमत से कई गुना अधिक टैक्स का नोटिस भेजना बेहद गंभीर मामला है. यदि जल्द ही इस गलती को नहीं सुधारा गया तो वे अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे और कानूनी कार्रवाई करेंगे.

नगर निगम ने बताया टाइपिंग या डेटा एंट्री की गलती

इस पूरे मामले पर नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह टाइपिंग या डेटा एंट्री की त्रुटि प्रतीत होती है. अधिकारियों के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी गई है और यदि कोई गलती पाई जाती है तो उसे तत्काल ठीक किया जाएगा. हालांकि, परिवार का कहना है कि इतनी बड़ी चूक को केवल फ्टाइपिंग मिस्टेकफ्र बताकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता.

GIS सर्वे और कर निर्धारण प्रक्रिया पर उठे सवाल

इस घटना के बाद नगर निगम की जीआईएस सर्वे प्रणाली, कर निर्धारण प्रक्रिया और रिकॉर्ड की शुद्धता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. लोगों का कहना है कि यदि डेटा एंट्री में इतनी बड़ी गलती हो सकती है, तो अन्य संपत्तियों के टैक्स निर्धारण पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है. अब सभी की नजर इस बात पर है कि नगर निगम इस मामले में क्या कदम उठाता है और पीड़ित परिवार को कब तक राहत मिलती है.

ग्रामीण विकास विभाग की वेस्ट टू आर्ट पहल ला रही रंग, कचरे से कलाकृति बनाकर आत्मनिर्भर बन रही जीविका दीदियां

पटना एजेंसी । बिहार सरकार और ग्रामीण विकास विभाग के सतत प्रयासों से राज्य में कचरा प्रबंधन और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अनोखी क्रांति देखने को मिल रही है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत कचरा से कला (वेस्ट टू आर्ट) की मुहिम को भोजपुर जिला प्रशासन ने एक नई ऊंचाई दी है, जो अब पूरे राज्य के लिए एक मिसाल बन चुकी है। इस अभिनव पहल के माध्यम से न केवल कचरे का उचित पुनर्चक्रण और पर्यावरण संरक्षण हो रहा है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रही हैं। जिला प्रशासन एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत काम कर रही जीविका संस्था के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को कचरे से कलात्मक उत्पाद बनाने का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ग्राम पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर निर्मित अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों से एकत्र किए गए प्लास्टिक, कांच की बोतलें, पुराने कपड़े, जीन्स और अन्य परित्यक्त सामग्रियों का उपयोग करके जीविका दीदियां बेहद खूबसूरत फ्लावर पॉट, गुलदस्ते, गमले, शो-पीस, आभूषण और लटकन तैयार कर रही हैं। इन उत्पादों की कलात्मकता को बढ़ाने के लिए स्थानीय कलाकारों की चित्रकारी की भी मदद ली जा रही है, जिससे यह सामान न केवल हल्के और टिकाऊ हैं, बल्कि बाजार में काफी आकर्षक और लोकप्रिय भी साबित हो रहे हैं।

इस पूरी मुहिम को बड़ा प्रोत्साहन तब मिला जब भोजपुर के जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर जिले के सभी सरकारी कार्यालयों एवं कार्यक्रमों में अतिथियों के स्वागत और स्मृति चिह्न के रूप में कचरे से बने इन फ्लावर पॉट और जीवित पौधों को उपहारस्वरूप देने की परंपरा शुरू की गई।

पंचकूला में नौकरानी ने मालकिन की हत्या कर शव पड़ोसी की छत पर छिपाया, गहनों की चोरी का शक बना वारदात की वजह

पंचकूला एजेंसी । हरियाणा के पंचकूला में एक घरेलू नौकरानी द्वारा अपनी मालकिन की हत्या कर शव को पड़ोसी की छत पर छिपाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका भारतीय सेना के एक सेवानिवृत्त कैप्टन की पत्नी थीं। पुलिस ने आरोपी नौकरानी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक पुलिस जांच के अनुसार, सेक्टर-2 स्थित कोठी से सोने के गहने गायब होने के बाद मालकिन को अपनी घरेलू नौकरानी पर शक था। इसी सिलसिले में वह उससे पूछताछ करने गई थीं। पूछताछ के दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया, जिसके बाद नौकरानी ने कथित रूप से मालकिन की हत्या कर दी।

गुटखा मांगने को लेकर विवाद, लाइसेंसी पिस्टल से दुकानदार पर फायर

ग्रेटर नोएडा एजेंसी । उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र में गुटखा मांगने को लेकर हुए मामूली विवाद ने उस समय हिंसक रूप ले लिया, जब एक व्यक्ति ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से पड़ोसी दुकानदार पर गोली चला दी। गोली लगने से दुकानदार घायल हो गया। हालांकि चिकित्सकीय जांच में राहत की बात सामने आई कि गोली शरीर के आर-पार निकल गई और किसी भी आंतरिक अंग को नुकसान नहीं पहुंचा।

पुलिस ने मंगलवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि सूचना मिलते ही सूरजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा किए गए सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड में पेट के अंदर कोई गोली नहीं मिली तथा सभी आंतरिक अंग सुरक्षित पाए गए। चिकित्सकों ने कहा घायल की हालत सामान्य है और वह खतरे से बाहर है।

14 केस, 10 साल की रंजिश, फिर खूनी बदला... क्लिनिक से सड़क पर घसीटकर लाए; चाकू से डॉक्टर का गर्दन रेता

तेलंगाना एजेंसी । तेलंगाना के नागरकर्नूल जिले में लंबे समय से चल रहे भूमि विवाद ने खूनी रूप ले लिया. पेंटलवेल्ली मंडल में एक आरएमपी (रुग्रू) डॉक्टर की उसके ही क्लिनिक में घुसकर निर्मम हत्या कर दी गई. हमलावरों ने पहले डॉक्टर की आंखों में मिर्च पाउडर झोंका, फिर उसे क्लिनिक से बाहर सड़क पर घसीटकर लाए और सबके सामने चाकू से गर्दन और सिर पर ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी. इस सनसनीखेज वारदात के मामले में पुलिस ने दो महिलाओं समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि हत्या के लिए कथित तौर पर उकसाने वाला एक अन्य आरोपी फरार है. पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान पगडाला गांव निवासी आरएमपी डॉक्टर बोगिनी मल्लैया के रूप में हुई है. मल्लैया करीब 20 साल पहले पेंटलवेल्ली आए थे और परिवार के साथ यहीं बस गए थे.

नोएडा की फैक्ट्री में लगी भीषण आग... बुझाने आए दमकलकर्मियों पर गिरी दीवार, 2 की मौत, 3 घायल

एजेंसी ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक चिप निर्माण फैक्ट्री में बीती रात भीषण आग लग गई. आग बुझाने के दौरान बड़ा हादसा हो गया. कंपनी की एक दीवार और लोहे का भारी बीम अचानक गिर पड़ा. इसकी चपेट में आने से पांच दमकलकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए. सभी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो दमकलकर्मियों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. तीन अन्य घायल कर्मियों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है.

पुलिस के अनुसार, 3 और 4 अगस्त 2026 की दरम्यानी रात थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र स्थित इुस्त्रडुरू कंपनी में आग लगने की सूचना मिली. यह कंपनी इलेक्ट्रॉनिक चिप बनाने का काम करती है. सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, फायर सर्विस और अन्य राहत टीमें मौके पर पहुंच गईं. दमकलकर्मियों ने कई फायर टेंडरों की मदद से आग पर काबू पाने के लिए अभियान शुरू किया. कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित कर लिया गया, लेकिन इसी दौरान एक बड़ा हादसा हो गया.

दीवार और लोहे का बीम गिरने से हादसा

आग बुझाने के दौरान कंपनी परिसर की एक साइड की दीवार और लोहे का भारी बीम अचानक गिर गया. मलबे की चपेट में आने से फायर सर्विस के पांच कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों की पहचान मुख्य आरक्षी चालक राजपाल सिंह, मुख्य आरक्षी चालक तीरथपाल सिंह, फायरमैन मनीष कुमार, अमित कुमार और रोहित यादव के रूप में हुई.

घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया. इलाज के दौरान डॉक्टरों ने फायरमैन रोहित यादव और मुख्य आरक्षी चालक तीरथपाल सिंह को मृत घोषित कर दिया. वहीं, राजपाल सिंह, मनीष कुमार और अमित कुमार का इलाज जारी है. पुलिस के मुताबिक तीनों की हालत खतरे से बाहर है.

मौके पर स्डत्रक्र और पुलिस की टीमें तैनात

हादसे की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए. एसडीआरएफ (स्डत्रक्र) की टीम को भी राहत और बचाव कार्य में लगाया गया. अधिकारियों ने पूरे परिसर की तलाशी ली, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंदर कोई अन्य व्यक्ति फंसा न हो. आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है और स्थिति अब नियंत्रण में है.

MP: दतिया के रिजल्ट ने बीजेपी को चौंकाया, आज भोपाल में होगा हार पर महामंथन

भोपाल एजेंसी । देश के 3 राज्यों की 3 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के परिणाम बेहद अप्रत्याशित रहे हैं. भारतीय जनता पार्टी (ढ्ढछ्व) को 3 में से 2 सीटों पर हार का सामना करना पड़ा. बिहार की बांकीपुर सीट से बीजेपी को 1995 के बाद हार मिली है, वहीं आसान मानी जा रही एमपी की दतिया सीट से भी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है. बीजेपी अब दतिया उपचुनाव में मिली हार के बाद की वजह तलाशने में जुट गई है.

भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और संगठन के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में आज मंगलवार को हाई लेवल समीक्षा बैठक होगी. बैठक में चुनाव से जुड़े करीब 20 नेताओं को बुलाया गया है, जिन्होंने चुनाव अभियान की जिम्मेदारी संभाली थी.

दतिया के चुनाव परिणाम ने चौंकाया

दतिया उपचुनाव के नतीजों ने बीजेपी नेतृत्व को चौंका दिया है. पार्टी को जहां शहर में अब तक की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा, तो ग्रामीण इलाकों में बीजेपी कांग्रेस से 5,215 वोट आगे रही. इसके बावजूद यह सीट कांग्रेस के खाते में चली गई. चुनाव परिणाम के बाद बीजेपी अब बूथ प्रबंधन, चुनावी रणनीति, स्थानीय संगठन की सक्रियता और प्रचार अभियान की कमियों की विस्तार से समीक्षा करने जा रही है.

सूत्रों के मुताबिक बैठक में उन नेताओं और कार्यकर्ताओं की भूमिका भी जांच के दायरे में रहेगी, जिन पर चुनाव के दौरान पार्टी लाइन से हटकर काम करने के आरोप लगे हैं. सोशल मीडिया पर वायरल हुए ऑडियो और अनुशासनहीनता की शिकायतों पर भी चर्चा हो सकती है. बैठक में तैयार समीक्षा रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को भेजी जाएगी और जरूरत पड़ने पर उस पर कार्रवाई भी संभव है.

मेरठ: दिल्ली-देहरादून हाईवे पर कांवड़ियों के दो गुट भिड़े, पुलिस टीम पर भी हमला; क्या बोले एसपी?

मेरठ एजेंसी । मेरठ के दौराला थाना क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून हाईवे पर कांवड़ यात्रा के दौरान सोमवार कांवड़ियों के दो गुटों के बीच जमकर विवाद हो गया. बताया जा रहा है कि दोनों पक्ष हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे. इसी दौरान बाइक की टक्कर के बाद कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई. घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग पुलिस वाहन तक पहुंचकर हंगामा करते नजर आ रहे हैं.

घटना सोमवार सुबह करीब 2:30 बजे की है. विवाद की सूचना मिलते ही दौराला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया. इसी दौरान हालात और बिगड़ गए. पुलिस की मौजूदगी में कुछ उग्र कांवड़ियों ने पुलिस वाहन को घेर लिया और उसमें बैठे एक पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया.

बताया गया कि पुलिस की जीप में मौजूद हेड कांस्टेबल दिनेश कांवड़िए के वेश में ड्यूटी कर रहे थे. दरअसल, कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और कानून-व्यवस्था पर नजर रखने के लिए कुछ पुलिसकर्मी सादे कपड़ों या कांवड़िए के भेष में तैनात किए जाते हैं. लेकिन इस मामले में उग्र कांवड़ियों ने उन्हें दूसरे पक्ष का व्यक्ति समझ लिया और उन पर हमला कर दिया.

वायरल वीडियो में दिखा हंगामा

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कुछ कांवड़िए पुलिस वाहन के पास पहुंचकर उसमें बैठे व्यक्ति के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं. पुलिस के अनुसार, जिस व्यक्ति पर हमला हुआ, वह हेड कांस्टेबल दिनेश थे, जो सुरक्षा ड्यूटी के तहत कांवड़िए की पोशाक में तैनात थे. घटना के वीडियो के वायरल होने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है.

घायलों का इलाज, वाहन जब्त

पुलिस ने बताया कि घटना के बाद एक बाइक और एक स्कूटी को कब्जे में लिया गया है. विवाद में घायल हुए सोनू, आयुष, सागर, विकास और गुड्डू का मेडिकल कराने के बाद उनका उपचार कराया गया. सभी की स्थिति सामान्य बताई जा रही है.

एसपी सिटी बोले- मामला पूरी तरह शांत

एसपी सिटी विनायक भोसले ने बताया कि विवाद के बाद कुछ कांवड़ियों को पुलिस वाहन में बैठाया गया था. इसी दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने यह समझ लिया कि वाहन में बैठे लोगों के साथ मारपीट की जा रही है. इसी गलतफहमी के कारण उन्होंने पुलिस वाहन के पास पहुंचकर हंगामा किया. उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है.

पुलिस के मुताबिक, दोनों पक्षों का मेडिकल परीक्षण करा लिया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है. वायरल वीडियो के आधार पर भी घटनाक्रम की पड़ताल की जा रही है. अधिकारियों का कहना है कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

सितंबर में 67 ट्रेनें क्यों रहेंगी रद्द? 384 ट्रेनों का रूट डायवर्ट; ये है बड़ी वजह

मोकामा के पास राजेन्द्र पुल के समानांतर नया रेलवे पुल तैयार है, पर इंटरलॉकिंग कार्य के कारण 384 ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है। 67 ट्रेनें रद्द भी रहेंगी।

दानापुर एजेंसी । पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर रेल मंडल के मोकामा के पास राजेन्द्र पुल के एक समांतर एक नया रेलवे पुल बनकर तैयार है, लेकिन रेलवे इंटरलॉकिंग के काम की वजह से 384 ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है. पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि इंटरलॉकिंग के काम की वजह से 384 ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएंगी.

अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि इसके अलावा 56 ट्रेनों का आंशिक समापन और 67 ट्रेनों

का आंशिक प्रारंभ किया जाएगा. इस दौरान 20 सितंबर 2026 से 4 अक्टूबर 2026 तक अलग-अलग तिथियों में कुल 67 ट्रेनें पूरी तरह रद्द रहेंगी, जिनमें सर्वाधिक 36 ट्रेनें तीन अक्टूबर को निरस्त रहेंगी. वर्तमान में मोकामा और बरौनी के बीच गंगा नदी पर स्थित 1.9 किमी लंबा रेल-सह-सड़क राजेन्द्र पुल का निर्माण वर्ष 1959 में किया गया था.

मौजूदा राजेन्द्र पुल पर है सिंगल लाइन

मौजूदा राजेन्द्र पुल पर सिंगल लाइन है. कुछ तकनीकी बाधाओं के कारण इस पुल पर रेल लाइन का दोहरीकरण करना संभव नहीं है. वर्तमान पुल पर रेल परिचालन प्रारंभ होने के लगभग 60 सालों में यातायात में कई गुणा वृद्धि हुई है. इसके कारण लंबी दूरी की कई गाड़ियों का परिचालन में प्रभावित होता था. बरौनी से पहले ही छोटे स्टेशन पर ट्रेनों को रोका जाता था.

इससे यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था. रेलवे यात्रियों की मांग पर रेलवे बोर्ड और रेलवे मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा गया. प्रस्ताव के मंजूर होने के बाद यह काम शुरू किया गया है, जो जल्द ही पूरा हो जाएगा. 2015-16 के रेल बजट में 1491.47 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से मोकामा के पास राजेन्द्र पुल के समानांतर एक नये रेल पुल के निर्माण की मंजूरी दी गई थी.

पीएम मोदी ने किया था पुल का शिलान्यास

इसके बाद 12 मार्च, 2016 को इस पुल का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किया गया था. यह नया पुल वर्तमान राजेन्द्र पुल के समानान्तर एवं पटना की ओर से वर्तमान पुल से 50 मीटर की दूरी पर बनाया गया है. इस पुल पर दोहरी रेल लाइन का प्रावधान है. मुख्य पुल की लंबाई करीब 1.9 किमी तथा एप्रोच लाइन सहित कुल लंबाई 14 किमी है.

इस पुरी परियोजना में गंगा नदी पर मुख्य पुल के साथ ही 09 छोटे पुल, 02 सड़क उपरि पुल तथा 03 रेल ओवर रेलवे पुल का निर्माण भी किया गया है. नये पुल की निर्माण योजना इस तरह बनायी गयी है कि वर्तमान पुल के एप्रोच में कम से कम परिवर्तन करना पड़े. निर्माणाधीन नये पुल के दोनों छोर के स्टेशन, वर्तमान पुल के दोनों छोर के स्टेशनों से ही जुड़े होंगे. मतलब वर्तमान में उत्तर में स्थित हाथीदह, टाल एवं रामपुर डुमरा स्टेशनों तथा दक्षिण में स्थित राजेन्द्र पुल तथा बरौनी स्टेशनों से जुड़े होंगे.

दिल्ली-NCR में 5 दिन बारिश से राहत नहीं... असम और ओडिशा में बाढ़ से हाहाकार, जानें पहाड़ों पर कैसा रहेगा मौसम?

सहारनपुर एजेंसी । इन दिनों देशभर में भारी बारिश का सिलसिला जारी है. मौसम विभाग ने आज भी कई राज्यों में आंधी और बरसात का अलर्ट जारी किया है. बहुत से राज्यों में भारी बारिश और तेज आंधी का अलर्ट जारी किया गया है. कई इलाकों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं. असम और ओडिशा में बाढ़ ने हाहाकार मचाया हुआ है. असम में 1.35 लाख से अधिक लोग बेघर हो चुके हैं. 85 लोगों की मौत हो चुकी है.

वहीं देश की राजधानी दिल्ली-एनसीआर में आज बारिश का येलो अलर्ट है.

आज यहां हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने का अनुमान है. सुबह, दोपहर और शाम को हल्की से मध्यम बरसात देखने को मिल सकती है. इतना ही नहीं, दिल्ली में अगले पांच दिन बारिश देखने को मिल सकती है. तापमान की बात करें तो आज दिल्ली में अधिकतम 32 और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रह सकता है.

यूपी में मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार

उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मॉनसून ने रफ्तार पकड़ ली है. जिसके चलते अधिकांश जिलों में बारिश दौर शुरू हो गया है. आज सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, हरदोई, बुलंदशहर और ज्योतिबाफुले नगर में भारी बारिश और आंधी चल सकती है.

देशभर में भारी बारिश और आंधी का सिलसिला जारी है. मौसम विभाग ने बहुत से राज्यों में तेज बरसात और तूफान का अलर्ट जारी किया है. असम और ओडिशा में बाढ़ से हालात गंभीर हैं.

संभल, शाहजहांपुर, बहराइच, आजमगढ़, गोंडा, बलिया, अंबेडकरनगर, जौनपुर, मऊ, गाजीपुर, चंदौली, अंबेडकर नगर, खेरी, प्रतापगढ़, सीतापुर, बिहार और झारखंड में अलर्ट

बिहार में आज मंगलवार को मानसून पूरी तरह सक्रिय रहेगा. आज बिहार के अधिकतम जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. उत्तर और पूर्वी बिहार के कुछ जिलों में भारी बारिश के साथ गरज-चमक, तेज हवा और वज्रपात की संभावना जताई गई है. राज्य के 36 जिलों में आज बारिश का अलर्ट घोषित किया गया है. झारखंड के भी कई जिलों में आंधी और भारी बारिश का अलर्ट है.

पंजाब, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, तमिलनाडु और केरल में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की गई है. इस दौरान तेज आंधी भी चल सकती है. मौसम विभाग ने किसानों और मछुआरों को भी सावधान रहने की सलाह दी है.

पहाड़ों पर कैसा रहेगा मौसम?

पहाड़ी राज्यों की बात करें तो मॉनसून के समय में यहां का मौसम काफी संवेदनशील हो जाता है. इस साल भी पहाड़ी इलाकों में बरसात का तांडव जारी है.

उत्तराखंड के नैनीताल और हरिद्वार समेत कई जिलों में आज मूसलाधार बारिश तेज हवाएं चल सकती हैं. वहीं हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में आज हल्की बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं. वहीं जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है.

रविंद्र जडेजा की सोच में आया बड़ा बदलाव, पुजारा ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में रवींद्र जडेजा की सफलता के पीछे एक बड़ा कारण उनका आक्रामक सोच वाला गेंदबाज बनना है। उन्होंने कहा कि यह ऑलराउंडर अब सिर्फ रन रोकने के बजाय विकेट लेने के इरादे से हर गेंद फेंकता है। श्रीलंका के खिलाफ भारत की दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले पुजारा ने कहा कि हाल के सालों में जडेजा की सोच में काफी बदलाव आया है जिससे वह टेस्ट क्रिकेट (सबसे लंबे फॉर्मेट) में और भी खतरनाक गेंदबाज बन गए हैं।

दो मैचों की यह सीरीज 15 से 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू होगी जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। पुजारा ने जियो स्टार से कहा, 'पहले, जब रवींद्र जडेजा गेंदबाजी करते थे तो उनकी सोच ज्यादा रन न देने की होती थी, खासकर रेड-बॉल क्रिकेट में। अगर पिच से थोड़ी मदद मिलती थी, तो वह विकेट लेने की कोशिश करते थे। लेकिन अगर पिच गेंदबाजों के अनुकूल नहीं होती थी, तो उनका ध्यान रन रोकने पर होता था। लेकिन अब, उन्होंने अपनी ताकत को समझ लिया है और उसी के हिसाब से गेंदबाजी कर रहे हैं। हर मैच में वह स्टंप्स की लाइन में गेंद डालने और बल्लेबाज को आउट करने की कोशिश कर रहे हैं।'

पुजारा ने बताया कि इस बाएं हाथ के स्पिनर का नजरिया अब ज्यादा आक्रामक हो गया है जिससे वह कंट्रोल बनाए रखते हुए अलग-अलग एंगल और वेरिएशन आजमा सकते हैं। उन्होंने समझाया, 'पहले उनकी सोच थोड़ी ज्यादा डिफेंसिव थी, लेकिन अब वह हर गेंद विकेट लेने के मकसद से फेंकते हैं। ऐसे में आप अपने खेल के बारे में थोड़ा ज्यादा सोचते हैं। आप क्रीज का बेहतर इस्तेमाल करते हैं, वाइड एंगल से गेंद डालने की कोशिश करते हैं और बल्लेबाज के हिसाब से अपनी लेंथ बदलते हैं। खेल के लिए यह मानसिक बदलाव बहुत जरूरी है।'

जडेजा लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। इस अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर को इस साल की शुरुआत में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के दौरान कोहनी में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के एकमात्र टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, हालांकि उस मैच

में भारत ने आसानी से जीत हासिल की थी। श्रीलंका में होने वाली आगामी सीरीज में जडेजा नवंबर 2025 के बाद पहली बार टेस्ट मैच खेलते नजर आएंगे, उस समय उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की दो मैचों की घरेलू सीरीज में हिस्सा लिया था।

नीरज चोपड़ा अब लुसाने डायमंड लीग में आएंगे नजर, श्रीलंका और पाकिस्तानी खिलाड़ी से मिलेगी कड़ी टक्कर

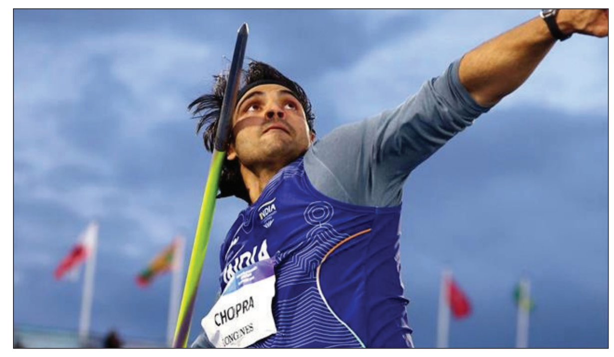

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में राष्ट्रमंडल चैम्पियन और इस सत्र में सबसे आगे चल रहे श्रीलंका के रूमेश पथिरागे का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले चुके पांच खिलाड़ी नजर आएंगे।

ग्लास्गो में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके 85.83 मीटर का थ्रो फेंकने वाले चोपड़ा का सामना ओलंपिक चैम्पियन पाकिस्तान के अरशद नदीम, मौजूदा विश्व चैम्पियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकाट और पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से होगा। तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश, जर्मनी के जूलियन वेबर, स्विटजरलैंड के सिमोन वीलैंड और अमेरिका के कुर्टिस थॉम्पसन भी इसमें नजर आएंगे। आयोजकों ने कहा, 'पिछले चार ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप जीत चुके भालाफेंक के पांच सुपरस्टार 21 अगस्त को इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे।' चोट से उबरने के बाद यह चोपड़ा का तीसरा टूर्नामेंट होगा। वह जून में दोहा डायमंड लीग में 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। पथिरागे ने राष्ट्रमंडल खेलों में 89.75 मीटर का थ्रो लगाकर पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने जून में गोल्डन गाला पिएट्रो मेनिया में 92.62 मीटर का थ्रो लगाया था।

इरफान पठान ने बताई आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत, बुमराह की जगह श्रीलंका के खिलाफ मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व हरफनमौला इरफान पठान का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने जा रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत तेज रफ्तार नहीं, बल्कि शीर्ष बल्लेबाजों को रक्षात्मक बल्लेबाजी के दौरान गलती करने पर मजबूर करने की क्षमता है। अनुभवी जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के कारण नबी को श्रीलंका में 15 अगस्त से शुरू होने वाले दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। पठान ने 2018 में श्रीनगर में हुए ट्रायल के दौरान पहली बार नबी की प्रतिभा पहचानी थी। उन्होंने बाद में जम्मू-कश्मीर के युवा क्रिकेटरों को मार्गदर्शन भी दिया। उनका मानना है कि नबी की स्वाभाविक गेंदबाजी शैली, कलाई की स्थिति और गेंद को मूव कराने की क्षमता उन्हें बिना तेज रफ्तार के भी प्रभावी बनाती है। पठान ने कहा, 'गेंद को स्विंग कराने के लिए आदर्श रफ्तार लगभग 135 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। अगर आप गेंद को देर से स्विंग करा सकते हैं तो आप सफल हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'उसकी लय और गेंदबाजी एक्शन को देखते हुए मेरा मानना है कि वह नियमित रूप से 133-135 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार हासिल कर सकता है।' पठान के अनुसार तेज गति गेंदबाजी का केवल एक हिस्सा है। असली क्षमता यह है कि गेंदबाज किस तरह विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को रक्षात्मक शॉट खेलने के लिए मजबूर करता है और फिर उन्हें आउट करने का रास्ता निकालता है। उन्होंने कहा, 'क्या गेंदबाज में यह क्षमता है कि वह शीर्ष स्तर के बल्लेबाजों को डिफेंस करते हुए भी आउट कर सके? यही वह खूबी है जिसकी तलाश होती है।' पठान ने इस साल रणजी ट्रॉफी फाइनल का उदाहरण देते हुए कहा कि नबी ने कर्नाटक के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर ऐतिहासिक खिताब जीता। उन्होंने कहा, 'रणजी ट्रॉफी फाइनल में हमने देखा कि उसने अनुभवी लोकेश राहुल को परेशान किया। भले ही उसे विकेट नहीं मिला, लेकिन उसने बल्लेबाज को सामान्य तरीके से रक्षात्मक बल्लेबाजी करने पर मजबूर किया और फिर आउट किया।'

राष्ट्रमण्डल खेलों के पदक विजेताओं का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत , खिलाड़ियों ने जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रमण्डल खेलों में शानदार प्रदर्शन कर चौथे स्थान पर रहा भारतीय दल आज स्वदेश पहुंच गया। टीम का दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पहुंचने पर पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रशंसकों के साथ ही खेल अधिकारी और समर्थक ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और भारत माता की जय के नारे लगाते दिखे। वहीं इस सम्मान से अभिभूत खिलाड़ियों ने इस सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वागत उनके लिए किसी सपने से कम नहीं है और वे आगे भी देश के लिए इसी तरह पदक जीतने का प्रयास करेंगे।

इन खेलों में भारतीय मुक्केबाजों ने एतिहासिक प्रदर्शन किया। मुक्केबाजी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि इन खेलों के 96 साल के इतिहास में भारत ने पहली बार मुक्केबाजी में सात स्वर्ण पदक जीते हैं। ये देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ व सभी सहयोगी संस्थाओं को दिया है।

इस दौरान स्वर्ण पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने एयरपोर्ट पर मिले शानदार स्वागत पर खुशी जतायी। उन्होंने भारत सरकार, मुक्केबाज फेडरेशन ऑफ इंडिया और हरियाणा सरकार द्वारा दिए गए निरंतर सहयोग और बेहतर

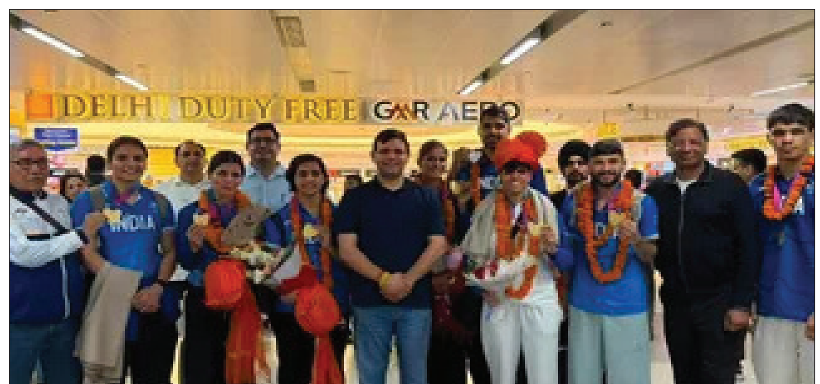

प्रशिक्षण के लिए आभार व्यक्त किया। साक्षी ने अपना स्वर्ण पदक देशवासियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे भारत की है और वे भविष्य में भी देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगी।

वहीं मुक्केबाज प्रीति पवार ने भी टीम के प्रदर्शन और देश लौटने पर मिले सम्मान पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने सेना और भारत सरकार से मिले सहयोग को खिलाड़ियों की सफलता का प्रमुख कारण बताया। इसके अलावा एक अन्य मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय भारतीय सेना, आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और कॉर्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिस को दिया। दूसरे ओर पुरुषों की 90 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक विजेता मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने कहा कि वे एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

भारतीय पैरा-एथलीटों ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया। पुरुषों की शॉट पुट एफ-57 स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता सोमन राणा ने अपनी जीत को पूरे देश, भारतीय सेना और सभी सहयोगियों को समर्पित किया। उन्होंने भी एशियाई खेलों को अपना अगला लक्ष्य बताया।

बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप : सिंधू को नौवी, सात्विक–चिराग को पांचवीं वरीयता

नई दिल्ली । दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू को आगामी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप के लिये नौवीं वरीयता दी गई है जबकि पुरूष युगल टीम सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पांचवीं वरीयता मिली है। इंदिरा गांधी स्टेडियम पर 17 से 23 अगस्त तक यह चैम्पियनशिप खेली जाएगी। सिंधू ने जापान ओपन टूर्नामेंट जीता है जबकि सात्विक और चिराग 2022 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। भारत ने पांचों वर्गों में दो प्रविष्टियां भेजी है। सिंधू, सात्विक–चिराग के अलावा पूर्व विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को पुरूष एकल में 14वीं वरीयता है जबकि मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को 15वीं वरीयता मिली है। पुरूष एकल विश्व चैम्पियन चीन की शि युकी और दक्षिण कोरिया की महिला एकल स्टार आन से यंग को शीर्ष वरीयता मिली है। महिला एकल विश्व चैम्पियन अकाने यामागुची को दूसरी जबकि चीन की वांग झि यि को तीसरी और चेन युफेइ को चौथी वरीयता दी गई है। चैम्पियनशिप के ड्रॉ बुधवार को निकाले जाएंगे। अगर कोई वरीय खिलाड़ी उससे पहले नाम वापिस लेता है तो वरीयता क्रम बदल सकता है।

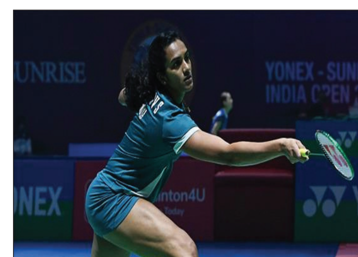

आईसीसी ने भारतीय मूल के अमेरिकी क्रिकेटर अखिलेश पर 8 साल का प्रतिबंध लगाया

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिकी टीम से खेलने वाले भारतीय मूल के क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर 8 साल का प्रतिबंध लगा दिया है। आईसीसी ने अखिलेश पर यह प्रतिबंध मैच फिक्सिंग के प्रयास और जांच के दौरान सबूतों को मिटाने के आरोपों के बाद लगाया गया है। इस फैसले के बाद रेड्डी 21 नवंबर 2033 तक किसी भी तरह की क्रिकेट गतिविधि में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उनका निलंबन 21 नवंबर 2025 से प्रभावी माना गया है। इस प्रतिबंध से अखिलेश का करियर एक प्रकार से समाप्त हो गया है। इस क्रिकेटर पर साल 2025 अबू धाबी टी10 लीग के दौरान मैच फिक्सिंग के प्रयास के आरोप लगे थे। अखिलेश ने एक साथी खिलाड़ी को जानबूझकर गेंदबाजी के दौरान रन देने और खराब प्रदर्शन करने को कहा था हालांकि उस खिलाड़ी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। साथ ही आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) को इसकी जानकारी दी थी। इसी शिकायत के आधार पर जांच शुरू हुई, जिसमें अखिलेशको दोषी पाया गया। इतना ही नहीं, जब मामला प्रकाश में आया और जांच शुरू हुई, तो रेड्डी ने अपने मोबाइल फोन से महत्वपूर्ण व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड भी डिलीट कर दिए, जिससे सबूत मिटाने का अतिरिक्त आरोप लगा। 26 वर्षीय अखिलेश रेड्डी भारत के हैदराबाद शहर से हैं। उन्होंने भारत में घरेलू क्रिकेट में भी हिस्सा लिया है और विजय हजारे ट्रॉफी की टीम का भी हिस्सा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के साथ नेट बॉलर के रूप में भी जुड़े थे। बेहतर अवसरों की तलाश में वह अमेरिका आये थे और वहां की राष्ट्रीय टीम में उन्हें जगह मिल गयी थी। वह दाएं हाथ के बल्लेबाज और ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं। उन्होंने अमेरिका के लिए चार टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं, जिनमें एक विकेट लिया है। आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक ट्रिब्यूनल ने रेड्डी को तीन अलग-अलग गंभीर मामलों में दोषी पाया है। पहला आरोप मैच को गलत तरीके से प्रभावित करने या फिक्स करने की कोशिश करना था। दूसरा, उन्होंने एक अन्य खिलाड़ी को मैच फिक्सिंग में शामिल होने के लिए कहा। तीसरा और बेहद गंभीर आरोप यह था कि उन्होंने जांच शुरू होने पर अपने मोबाइल से व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड सहित अहम डेटा डिलीट कर सबूत मिटाने की कोशिश की।

जय शाह ने तंजानिया में आईसीसी के पहले क्रिकेट एरिना का उद्घाटन किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चेयरमैन जय शाह ने अफ्रीकी देश तंजानिया में ऐतिहासिक क्रिकेट एरिना का उद्घाटन किया है। शाह ने

यूनिवर्सिटी ऑफ दार एस सलाम में तंजानियाई क्रिकेटएसोसिएशन (टीसीए) के नए एरिना का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया है। ये तंजानिया का पहला आईसीसी मान्यता प्राप्त क्रिकेट स्थल है। इस क्रिकेट स्थल के खेलने से तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट का विकास तेजी से होगा। शाह ने कहा कि इस स्थल के आने से खेल में एक बड़ा बदलाव आयेगा।

आईसीसी चेयरमैन ने इस बड़ी उपलब्धि के लिए क्रिकेट तंजानिया को बधाई देते हुए, उन सामूहिक प्रयासों की सराहना की जिनकी वजह से देश में विश्व स्तरीय क्रिकेट ढ़ांचा तैयार हो पाया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा, तंजानिया क्रिकेट एरिना के उद्घाटन पर क्रिकेट तंजानिया को बधाई। यह तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट के लिए एक यादगार पल है। देश के पहले आईसीसी-मान्यतप्राप्त क्रिकेट स्थल। इस शानदार स्थल का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। यह वेन्यू तंजानिया में खेल को आगे बढ़ाने में शामिल सभी लोगों की सोच, लगन और कड़ी मेहनत का सबूत है। इस उद्घाटन समारोह में जय शाह के साथ टीसीए के चेयरमैन बालकृष्ण श्रीकुमार और क्रिकेट लेजेंड्स ऑफ तंजानिया के संस्थापक व यूके और यूरोप के लिए चेयरमैन कंट्री कोऑर्डिनेटर कानू राठौड़ भी उपस्थित थे।

यह नया एरिना नेशनल हाई-परफॉर्मेंस सेंटर के तौर पर काम करेगा, जो तंजानिया की पुरुष, महिला और अंडर-19 राष्ट्रीय टीमों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण की सुविधा देगा। इसके साथ ही, यह पूरे देश में जमीनी स्तर (ग्रासरूट) और एलीट डेवलपमेंट प्रोग्राम को भी बढ़ावा देगा, जिससे नई प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलेगा और क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल होगा।

तंजानिया में पहले से ही 27 क्रिकेट स्थल और 119 सक्रिय कोच व 75 अंपायर हैं। सहयोग प्राप्त है। यहां क्रिकेट तेजी से फैल रहा है। इससे यहां सक्रिय खिलाड़ियों की संख्या 1,58,000 से

अधिक हो गई है। इसमें पुरुष और महिला खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग बराबर है। देश की अंडर-19 पुरुष टीम ने इस साल के आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई किया था, जिससे तंजानिया में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव और गुणवत्ता का अंदाजा होता है।

अमेरिका के टेलर फिट्ज ने वॉशिंगटन डीसी ओपन टेनिस खिताब जीता

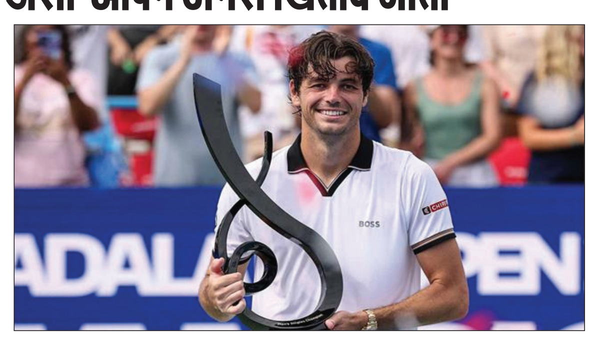

वॉशिंगटन डीसी । अमेरिका के तीसरी वरीयत प्राप्त टेलर फिट्ज ने स्पेन के उभरते टेनिस खिलाड़ी राफेल जोदार को हराकर वॉशिंगटन डीसी ओपन टेनिस खिताब जीता है। । फिट्ज ने पुरुष एकल फाइनल में जोदार को सीधे सेटों में 7–6(2), 6–4 से हराकर 11वां एटीपी टूर खिताब जीता। यह जीत फिट्ज के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि चार साल बाद एटीपी 250 से ऊपर के स्तर पर वह कोई खिताब जीतने में सफल रहे हैं। फाइनल मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में अपनी शानदार सर्विस गेम से मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंचा दिया। टाईब्रेक में फिट्ज ने अपनी आक्रामक रिटर्न और मैदानी स्ट्रोक्स के जरिये हमला बोलकर स्पेनिश खिलाड़ी जोदार को लगातार गलतियां करने पर मजबूर किया और 7–2 से टाईब्रेक जीतने के साथ ही बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे सेट की शुरुआत में फिट्ज ने 3–0 की बढ़त हासिल कर ली और फिर इसके बाद वह मुकाबले में हावी हो गये। मुकाबले के अंतिम गेम में फिट्ज ने एक ब्रेक अंक बचाया और अपने अपने पांचवें मैच अंक पर जीत दर्ज की। इस कड़े मुकाबले के बाद जीत मिलते ही फिट्ज उत्साहित हो गये। । इस जीत के साथ ही फिट्ज 2008 के बाद वॉशिंगटन ओपन जीतने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी बन गए हैं, उनसे पहले 2024 में सेबेस्टियन कोर्डा ने यह खिताब अपने नाम किया था। इस खिताबी जीत के बाद फिट्ज को एटीपी रैंकिंग में लाभ मिला है। वह दो स्थान के लाभ के साथ ही आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। अब उनका लक्ष्य मॉन्ट्रियल में होने वाले एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट को जीतना रहेगा।

पीसीबी ने माइक स्मिथ को बनाया नया बल्लेबाजी कोच

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्लास क्रिकेटर माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का नया बल्लेबाजी कोच बनाया है।

पाक टीम अभी वेस्टइंडीज दौरे पर है। इसी बीच अचानक की नये बल्लेबाज कोच की घोषणा कर दी गयी है। माना जा रहा है कि जिस प्रकार से टीम की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रही है। उसी को देखते हुए स्मिथ को कोच बनाया गया है।

स्मिथ की नियुक्ति से कई दिग्गज क्रिकेटर भी हैरान हैं क्योंकि नये कोच बनाये गये स्मिथ ने अपने करियर में एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है जबकि अब उनकी जिम्मेदारी कप्तान बाबर आजम सहित

पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाजों की तकनीकी कमियों को सुधारना और उन्हें स्थिरता प्रदान करना रहेगा। नये कोच की पहली परीक्षा आगामी इंग्लैंड दौरे पर होगी जहां पाकिस्तान टीम को तीन टेस्ट सीरीज खेलनी है।

गौरतलब है कि स्मिथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भले ही नहीं पहुंच पाये हों पर कोचिंग की दुनिया में उनका अनुभव काफी गहरा है। वह एक लेवल-4 योग्यता प्राप्त बल्लेबाजी कोच हैं और लीग क्रिकेट में बल्लेबाजों के साथ काम करने का उनका लंबा और सफल ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। स्मिथ ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की कई टीमों के साथ भी काम किया है, जिससे उन्हें पाकिस्तान के घरेलू खिलाड़ियों और वहां की खेल परिस्थितियों की गहरी समझ है। माना जा रहा है कि पीसीबी ने उनकी इसी स्थानीय समझ और कोचिंग विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए कोच बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीसीबी ने बल्लेबाजी कोच की तलाश के लिए सार्वजनिक रूप से आवेदन मांगे थे। कई उम्मीदवारों के साक्षात्कार के बाद बोर्ड ने माइक स्मिथ के नाम पर सहमति बनाई। औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद वह इंग्लैंड दौरे के दौरान टीम के साथ जुड़ेंगे। दरअसल, पिछले कुछ समय से पाकिस्तान की बल्लेबाजी लगातार सवालों के घेरे में है। टीम अच्छी शुरुआत मिलने के बावजूद बड़े स्कोर बनाने में नाकाम रही है और विशेष रूप से विदेशी दौरों पर बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। ऐसे में पीसीबी को उम्मीद है कि स्मिथ अपनी विशेषज्ञता से बल्लेबाजों की तकनीकी कमियों को दूर कर टीम को बल्लेबाजी में स्थिरता और निरंतरता प्रदान कर पाएंगे।

जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए भारत में आठ मैच खेलेगी मलेशियाई हॉकी टीम

बेंगलुरु। आगामी जूनियर एशिया कप 2026 की तैयारियों के लिए मलेशियाई अंडर–21 पुरुष हॉकी टीम भारत दौरे पर है। इस दौरे में मलेशियाई टीम भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम और साई टीम से कुल आठ मुकाबले खेलेगी। ये सभी मैच साई नेताजी सुभाष सदर्न सेंटर में आयोजित किए जाएंगे। इस सीरीज दोनों देशों की टीमों को एशिया कप के साथ ही भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों, विशेष रूप से जूनियर एशिया कप, की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे का लक्ष्य खिलाड़ियों को उच्च–स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव करना और भारत व मलेशिया के बीच मौजूदा खेल संबंधों को और बेहतर बनाना है। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा है कि इस सीरीज से टीम को काफी लाभ होगा। उनके अनुसार ये मुकाबले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा, बेल्जियम दौरे के दौरान हमारे प्रदर्शन में निरंतर आया था, और अब मलेशिया के खिलाफ यह घरेलू सीरीज से टीम की तैयारी और बेहतर होगी। सोयेज ने साथ ही कहा, पिछले सप्ताह के गहन प्रशिक्षण शिविर में जिन रणनीतिक क्षेत्रों पर हमने काम किया है, उन्हें मैच हालातों में आंकने का अच्छा अवसर होगा, जिससे हमें अपनी टीम की ताकत और कमजोरियों को समझने में सहायता मिलेगी। हाल ही में बेल्जियम दौरे से लौटी भारतीय जूनियर टीम ने वहां कई मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलकर अच्छा खासा अनुभव हासिल किया है। अब मलेशिया के विरुद्ध आठ मैचों की इस सीरीज से टीम संयोजन, खेल रणनीति को अंतिम रूप देने और खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आंकलन करने में सहायता मिलेगी।

नेमार क्लब फुटबॉल से भी लेंगे संन्यास? ब्राजीलियाई स्टार ने खुद दिया बड़ा अपडेट

ग्लासगो (एजेंसी)। ब्राजील- फुटबॉलर नेमार जूनियर ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेकर अपने प्रशंसकों को चौंका दिया था। ब्राजील के फीफा विश्व कप 2026 से बाहर होने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहा था। इसके बाद से ही फैंस के मन में सवाल था कि क्या नेमार क्लब फुटबॉल से भी संन्यास लेने वाले हैं। अब इस पर खुद नेमार ने बड़ा अपडेट दिया है।

क्लब फुटबॉल से संन्यास पर क्या बोले नेमार?

सैंटोस एफसी के लिए खेलने वाले नेमार ने साफ किया कि फिलहाल उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अभी अपने भविष्य को लेकर कोई फैसला नहीं कर रहे हैं और दिसंबर तक सैंटोस के साथ अपना मौजूदा अनुबंध पूरा करना चाहते हैं।नेमार ने कहा, 'मैं अभी रिटायरमेंट के बारे में नहीं सोच रहा हूं।' हालांकि उन्होंने यह भी माना कि दिसंबर के बाद क्या होगा, इस पर अभी कुछ तय नहीं है। उन्होंने कहा, 'रुकूंगा, जाऊंगा, संन्यास लूंगा या खेलता रहूंगा... मुझे नहीं पता। दिसंबर तक अभी समय है, फिर देखेंगे।'

फैंस के बीच बढ़ी अटकलें

नेमार के इस बयान के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जहां उन्होंने संन्यास से साफ इनकार नहीं किया, वहीं यह भी नहीं बताया कि दिसंबर के बाद वह किस क्लब के लिए खेलेंगे या खेलना जारी रखेंगे। ऐसे में फैंस उनकी अगली घोषणा का इंतजार कर रहे हैं।

चोटों ने करियर पर डाला असर

34 वर्षीय नेमार पिछले कुछ वर्षों में लगातार चोटों से जूझते रहे हैं। हाल ही में वह ग्रेड-2 पिंडली (ष्टड्डद्यद्ध) की चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे। इसी चोट का असर उनके 2026 विश्व कप अभियान पर भी पड़ा था।

वापसी के बाद बनाया खास रिकॉर्ड

चोट से वापसी करने के बाद नेमार ने ब्राजील के लिए चार गोल किए और राष्ट्रीय टीम के इतिहास में चार अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए। जनवरी 2025 में सऊदी क्लब अल हिलाल छोड़ने के बाद वह अपने बचपन के क्लब सैंटोस एफसी से जुड़े और फिलहाल वहीं खेल रहे हैं। अब सभी की नजर इस बात पर है कि दिसंबर में अनुबंध समाप्त होने के बाद नेमार अपने करियर को आगे बढ़ाएंगे या क्लब फुटबॉल से भी संन्यास का ऐलान करेंगे।

क्या इस क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल को डेट कर रही हैं मृणाल ठाकुर?

मुंबई के एक कैफे का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने दोनों के डेटिंग रूमर्स को हवा दे दी है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो बांद्रा वेस्ट के एक कैफे का है, जहां दोनों एक ही समय पर नजर आए। वीडियो में दिखता है कि यशस्वी कैफे से बाहर निकलते हैं, जबकि मृणाल अंदर ही मौजूद रहती हैं। हालांकि दोनों के बीच किसी भी तरह की रोमांटिक बातचीत या क्लोज मोमेंट वीडियो में नहीं दिखता, लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों ने कयास लगाने शुरू कर दिए। जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, फैन पेजेस ने इसे 'डेटिंग' से जोड़कर शेयर करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते यह एक बड़ा टॉपिक बन गया। खास बात यह है कि इससे पहले दोनों को कभी साथ नहीं देखा गया था, इसलिए फैंस के लिए यह काफी सरप्राइजिंग था।

क्या सच में डेट कर रहे हैं?

फिलहाल ऐसा कोई पक्का सबूत नहीं है कि मृणाल और यशस्वी रिलेशनशिप में हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने भी लोगों से जल्दबाजी में नतीजा न निकालने की अपील की है। कुछ का मानना है कि दोनों किसी काम, शूट या प्रोफेशनल मीटिंग के लिए मिले हो सकते हैं। अब तक ना मृणाल और ना ही यशस्वी ने इन अफवाहों पर कोई बयान दिया है।

उम्र का फर्क भी बना चर्चा का विषय

इस खबर के साथ दोनों की उम्र का अंतर भी चर्चा में आ गया। मृणाल ठाकुर 33 साल की हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल 24 साल के हैं। यानी दोनों के बीच करीब 9 साल का अंतर है। सोशल मीडिया पर लोग इस पर भी अलग-अलग राय दे रहे हैं।

सिर्फ स्क्रीन पर दिखना नहीं, असर छोड़ने वाले किरदार निभाना चाहती हूं

मुंबई बरखा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत हल्के-फुल्के रोमांटिक और कमिंग-ऑफ-एज किरदारों से की थी, लेकिन पिछले तीन सालों में उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा को एक नया आयाम दिया है। क्रिमिनल जस्टिस और अब टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी जैसे प्रोजेक्ट्स में दमदार और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में साबित किया है। बरखा का मानना है कि वह ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं जो सिर्फ कहानी का हिस्सा न हों, बल्कि दर्शकों पर गहरी छाप भी छोड़ें।

टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में वह पहली बार एक भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी के दमदार किरदार में नजर आएंगी। अपने बदलते करियर चुनावों पर बात करते हुए बरखा ने कहा कि टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में IRS अधिकारी का किरदार निभाना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा और इससे उन्हें यह और भी स्पष्ट हो गया कि आगे वह किस तरह के किरदार करना चाहती हैं। बरखा सिंह ने कहा, मैं टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में IRS अधिकारी का किरदार निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मेरी कोशिश हमेशा ऐसे किरदार निभाने की रहती है जो कहानी में सिर्फ मौजूद न हों, बल्कि उसे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएं। मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं जिनकी अपनी मजबूत आवाज़ हो, जो आज के दौर की जटिलताओं को दिखाएं और दर्शकों को कुछ सोचने पर मजबूर करें।

अपनी विशलिस्ट के फिल्ममेकर्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अगर मेरी विशलिस्ट की बात करूं तो लापता लेडीज़ के बाद मैं किरण राव के साथ काम करना चाहूंगी। इसके अलावा राख जैसी शानदार स्टोरीटेलिंग के लिए प्रोसित रॉय और पाताल लोक में बेहतरीन काम करने वाले अविनाश अरुण के साथ काम करना भी मेरा सपना है। इन तीनों की कहानी कहने की शैली बेहद अलग और प्रेरणादायक है। बरखा सिंह जल्द ही टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में एक बिल्कुल नए और दमदार अंदाज़ में IRS अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी। दिलचस्प प्रोजेक्ट्स और स्पष्ट रचनात्मक सोच के साथ बरखा लगातार ऐसे किरदार चुन रही हैं जो न सिर्फ उनकी अभिनय क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ें।

'मॉम' का बन रहा सीक्वल खुशी कपूर निभाएगी लीड रोल

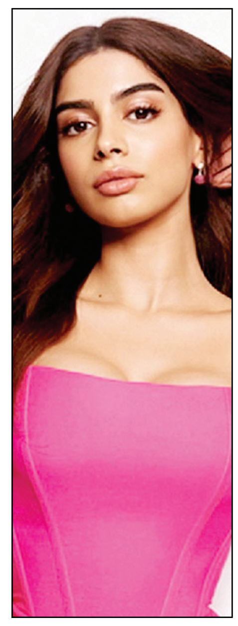

महान अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम' 2017 में आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब करीब 9 साल बाद इसका सीक्वल बनने जा रहा है, जिसको लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। खुशी कपूर अब फिल्म 'मॉम 2' में लीड रोल निभाने जा रही हैं। यह 2017 की हिट फिल्म मॉम का सीक्वल है और इसे नवंबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। इस फिल्म को उनके पिता बोनी कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसकी शूटिंग नोएडा और ग्रीस में हुई है। फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मॉम 2' का कनेक्शन श्रीदेवी के उस यादगार किरदार से जुड़ा होगा, जिसने उन्हें खास पहचान दिलाई थी। 'मॉम' श्रीदेवी की आखिरी फिल्म थी, ऐसे में यह प्रोजेक्ट खुशी कपूर के लिए काफी इमोशनल और खास माना जा रहा है, क्योंकि वह अपनी मां की विरासत को आगे बढ़ाती नजर आएंगी।

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान संग काम करने की ख्वाहिश हैं

आज जाने-माने निर्देशक बन चुके अहमद खान के करियर का सफर बड़ा ही दिलचस्प रहा है। चाइल्ड आर्टिस्ट से कोरियोग्राफर बने और फिर इंडस्ट्री के तमाम बड़े स्टार्स को नचाने वाले अहमद खान इन दिनों चर्चा में हैं निर्देशक के रूप में अपनी ताजा-तरीन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से। इस फिल्म में एक साथ 30-35 बड़े कलाकारों को हैंडल करने वाले अहमद खान अब तक अपने करियर में तकरीबन सभी बड़े सितारों के साथ काम कर चुके हैं, मगर वो शेर है न- बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले, तो इसी तर्ज पर इस खास बातचीत में वह न केवल अपने करियर के सफर पर बात करते हैं, बल्कि ट्रेजिडी किंग कहलाने वाले दिलीप कुमार, बादशाह खान और बिग बी से जुड़ी यादों को भी साझा करते हैं।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वह कहते हैं, 'बच्चन साहब के साथ कोरियोग्राफर के रूप में काम कर चुका हूं। मगर मुझे इंतजार है एक अच्छी स्क्रिप्ट का। वैसे बिग बी इन दिनों चुनिंदा काम ही कर रहे हैं। मैं ये जरूर कहना चाहूंगा कि कई बार हमारी प्लानिंग किस्मत के आगे फेल हो जाती है। अब जैसे मैं अपने निर्देशन की शुरुआत शाहरुख खान के साथ 'सब्र' नामक फिल्म से करना चाहता था, मगर उसी दौर मैं शाहरुख खान अपने प्रोडक्शन की मैं हूं न लेकर आए। उस समय शाहरुख ने कहा था कि पहले वह अपनी फिल्म करेंगे और उसके बाद मेरी। लेकिन उनकी फिल्म में देरी होती रही और मुझे भी अपना काम शुरू करना था, इसलिए मैंने अपनी फिल्म शुरू कर दी।'

अपनी हालिया फिल्म में सितारों के मेले के साथ काम करने वाले अहमद ने कलाकारों से जुड़ी कई दिलचस्प बातें बताईं। उन्हीं के शब्दों में, 'देखिए, सबसे बड़ी बात यह थी कि सब मेरे दोस्त थे। किसी ने मुझे कोई तकलीफ नहीं दी। सबसे पहले अक्षय कुमार समय से पहले सेट पर आ जाते थे। हम सबको पता था कि कोई न कोई अगर गड़बड़ करेगा तो शूटिंग प्रभावित होगी। इसलिए हर कोई यही सोचता था कि कहीं गलती मुझसे न हो जाए। उसी वजह से काम बहुत अच्छे से हुआ। हमारे सेट पर जॉनी लीवर, परेश रावल और राजपाल यादव जैसे धुरंधर कॉमेडियन भी थे, मगर मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारे सेट पर कोई भी कलाकार इनसिक्योर नहीं था। उल्टा सब एक-दूसरे से कहते थे, 'तू कर ले... तू कर ले। इसलिए कभी कोई दिक्कत नहीं आई।'

हार्डी संधू ने इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू न सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस रेवती महुरकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया। रेवती ने बताया कि 'तेवर' म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं। रेवती महुरकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ''शूट के बीच में हार्डी ने कहा, 'अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो। 'हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना', इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया।''

उन्होंने कहा, ''हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है। अक्सर हम सिर्फ प्रोजेक्ट देखते हैं, लेकिन टीम और माहौल को इग्नोर कर देते हैं। हार्डी के साथ शूट पर मुझे महसूस हुआ कि एक अच्छा प्रोडक्शन कैसा होता है। उनके सेट पर हर चीज प्रोफेशनल थी। उनका प्रोडक्शन बहुत बड़े लेवल का था।'' रेवती ने टीम के व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, ''सबसे खास बात ये थी कि उनकी पूरी टीम ने मेरे साथ बहुत सम्मान से बात की। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं नई हूं। मुझे हर फैसले में बराबर की अहमियत मिली। शूट के दौरान हम अच्छे दोस्त बन गए और इसकी सबसे बड़ी वजह हार्डी हैं। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। उनका दिमाग बहुत क्रिएटिव है और वो हर चीज को नए तरीके से सोचते हैं। उनके साथ बैठकर बात करना भी बहुत कुछ सिखाता है।''

रेवती ने हार्डी के व्यक्तित्व के बारे में आगे कहा, ''वह इंडस्ट्री की राजनीति से दूर रहते हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। इसी वजह से 'तेवर' का फाइनल रिजल्ट आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। ये अब तक का मेरा सबसे पसंदीदा काम है। जब भी मैं वो वीडियो देखती हूं तो मुझे गर्व महसूस होता है।''

रेवती ने शूटिंग के आखिरी दिन की एक बहुत प्यारी याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि शूट 48 घंटे तक लगातार चला था। इतनी लंबी शूट के बाद भी टीम में एक अलग ही एनर्जी थी।

अब बात करते हैं हार्डी संधू के आने वाले प्रोजेक्ट की। हार्डी जल्द ही पंजाबी फिल्म 'रांझेया' में लीड रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म एक लव स्टोरी है। इस फिल्म में उनके साथ सिमरत कौर रंधावा और अंगद बेदी जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

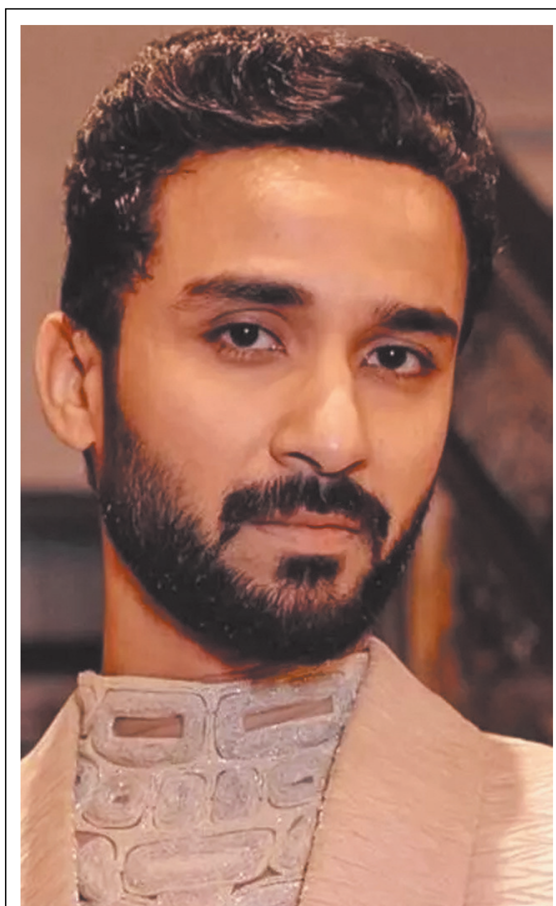

मैं प्रॉड्यूसर से पैकअप या पैसों के बारे में नहीं पूछता

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से घर-घर में लोगों का दिल जीत चुके राघव जुयाल इन दिनों 'भाई तेरा स्टार' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा- मेरे माता-पिता जिस सैलरी के चक्रव्यूह में फंसे रहे, मुझे उन्हें उससे निकालना है, मैं देहरादून में उनके लिए पांच मंजिला घर बनवा रहा हूं और मुझे उन्हें एयरप्लेन में फर्स्ट क्लास में ट्रैवल कराना है।

इसमें उनकी मेहनत, लगन और समर्पण का तो पूरा हाथ है, मगर उनकी किस्मत भी कम चमकीली नहीं। हम बात कर रहे हैं, राघव जुयाल की। 'किंग ऑफ स्लो मोशन' के रूप में जाने जाने वाले राघव ने होस्टिंग भी कमाल की की और यही वजह है कि अभिनय का उनका मार्ग प्रशस्त हुआ। 'किल' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में तारीफें बटोरने के बाद इन दिनों वे चर्चा में हैं सोलो हीरो वाली 'भाई तेरा स्टार' है। जल्द ही वे शाहरुख खान की 'किंग' में विलेनिश अंदाज में दिखेंगे। उनसे एक खास बातचीत।

'मेरे दादा केस्टो मुखर्जी की मिमिक्री किया करते थे'

हर आम माता-पिता की तरह राघव के परिवार ने भी उनकी मुखालफत की। वे कहते हैं, 'मुझे लगता है कि मेरे माता-पिता को मजबूरी में वकील और टीचर बनना पड़ा। वरना थे तो वो भी कलाकार ही। कला हमारे परिवार में पहले से थी। मेरे दादा जी केस्टो मुखर्जी जैसे सीनियर कमीडियन की कॉमिडी किया करते थे, कविताएं लिखते थे, किताबें लिखते थे। वे लेखक थे। शायद अभिनय और कला का यह बीज वहीं से आया। मगर जब मैंने एक्टिंग में आने की बात की तो कोई भी राजी नहीं था। इसलिए मुझे अपने घोसले से उड़ना पड़ा।

माता-पिता के लिए घर बनवा रहा हूं

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'मैं अपनी जनरेशन के लोअर मिडल क्लास कर्स (अभिशाप) कि आप ये नहीं कर सकते, वो नहीं कर सकते, को पूरी तरह से मिटा देना चाहता हूं, आगे की जनरेशन के लिए। कोई जब मुझसे कहता है कि अपनी औकात में रहो या तुमको काफी मिला गया है, तो मैं किसी की नहीं सुनना चाहता, क्योंकि मैंने अपने बाप-दादाओं को मेहनत की रोटी के लिए संघर्ष करते देखा है, तो मुझे ये अभिशाप हटाना है। ये छोटे शहर के लड़के की भावनाएं बोल रही हैं। मुझे वो सोच तोड़नी है कि लोग क्या कहेंगे? मेरे माता-पिता जिस सैलरी के चक्रव्यूह में फंसे रहे, मुझे उन्हें उससे निकालना है। मैं देहरादून में उनके लिए पांच मंजिला घर बनवा रहा हूं। मुझे उन्हें एयरप्लेन में फर्स्ट क्लास में ट्रैवल कराना है। उन्होंने मेरा 16 साल का संघर्ष देखा है। मैं हमेशा कहता था कि एक दिन मैं सिंगल हीरो वाली फिल्म करूंगा।

राघव का मानना है कि विवादों के बजाय उन्होंने हमेशा अपने काम पर ध्यान दिया है। वे कहते हैं, 'हमेशा मेरा काम बोला है। जब मैं डांसर था, तब बेस्ट था। जब होस्ट बना, तब भी मुझे सराहा गया। अब जब मैं एक्टिंग कर रहा हूं, तो तब भी बेस्ट ही बनूंगा। मैं सिर्फ अपने काम को बेहतर करने के लिए मेहनत करता हूं। मैं सुपरस्टार बनने की जर्नी में हूं। मैंने आज तक किसी प्रोड्यूसर से कभी नहीं पूछा कि पैकअप कब होगा, डेढ़ शिफ्ट होगी या दो? वैनिटी है या नहीं? मैंने तो कभी ये तक नहीं पूछा कि कितने पैसे मिलेंगे? मैं सिर्फ पूछता हूं कि शूटिंग पर कहां आना है? शायद यही वजह है कि प्रोड्यूसर भी मेरे साथ काम करना चाहते हैं।'

पिछले 16 सालों से खुद को स्टार महसूस कर रहा हूं

वे बेहद आत्मविश्वास से कहते हैं, 'मैं स्टार वाला मोमेंट पिछले 16 सालों से ही फील कर रहा हूं। मैं जब मुंबई आया और मैंने डीआईडी (डांस इंडिया डांस) में भाग लिया, उस वक्त मेरा डांस देखने के लिए 15-20 हजार का क्राउड आया था, तो बड़ा स्टार मोमेंट था। मैं खुद को लगातार रीइंवेंट करता आया हूं। मेरे लिए अवॉर्ड मिलना भी एक बड़ा पल था। लेकिन सबसे ज्यादा खुशी तब होती है, जब लोग प्यार देते हैं।' अपने क्रेजी फैंस का जिक्र करते हुए वे कहते हैं, 'एक बार एक फैन मेरे नाम का टैटू बना कर आ गया था, तब मैंने उसे समझाया था कि वो ऐसा न करे। अरे, कई बार तो फनी इंसिडेंट भी हो जाते हैं। एक बार जब मैं एयरपोर्ट पर जा रहा था, तब एक फैन आकर बोला, वो डांस वाला स्लो मोशन करके दिखा दीजिए। मैंने उससे पूछा, आप क्या करते हो, तो वो बोला, मैं सर्जन हूं। मैंने उससे कहा, तो आप एक सर्जरी करके दिखा दीजिए।'

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

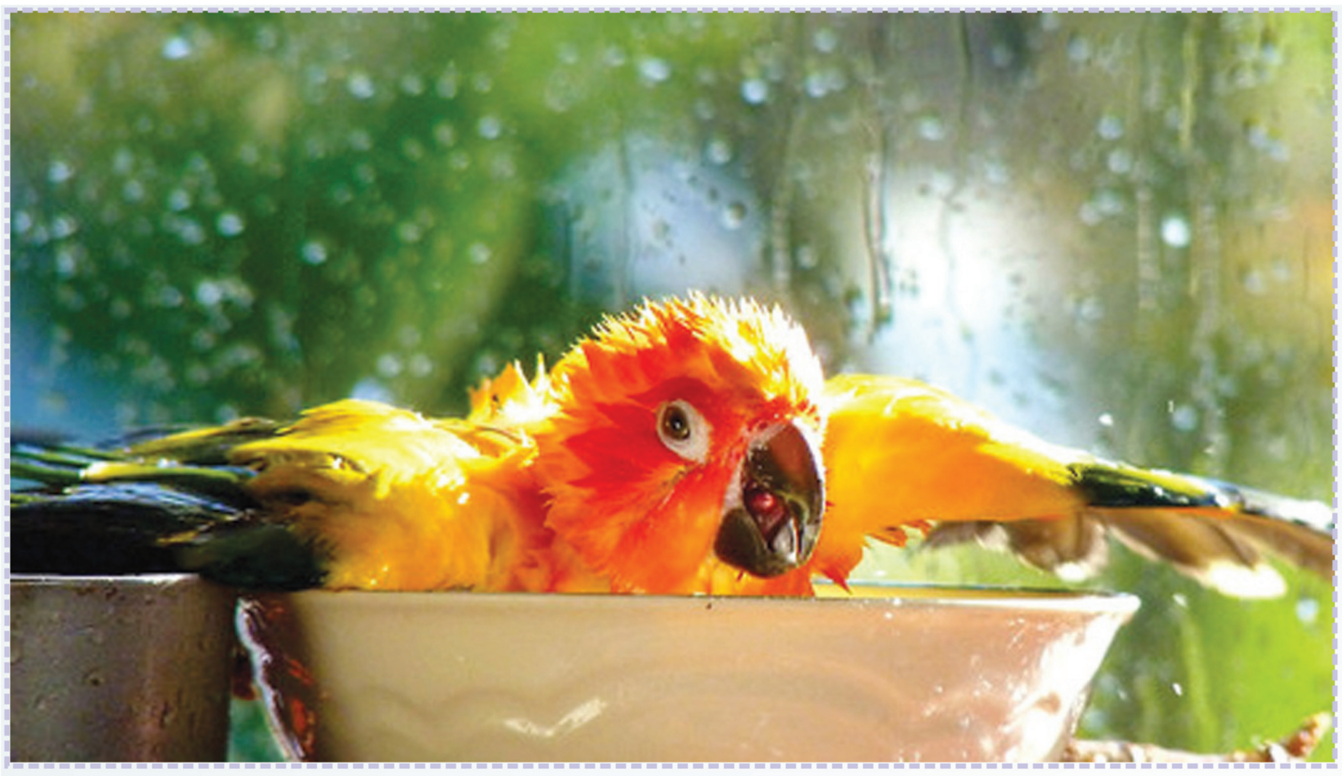

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

रेसिंग ट्रैक पर हवा से बातें करती कार दौड़ाने की बात हो या आर्मी द्वारा वार फील्ड में गोलियों की तड़ातड़ बौछार करने वाले मुकाबले की, वीडियो गेम की दुनिया में पलक झपकते ऐसे रोमांचक दृश्य पैदा किए जा सकते हैं। यदि यह कल्पना ज्यादा बेहतरीन और सच के करीब हो तो! इस बार के गेम एक्सपो यानी ई-3 में आपकी इसी ख्वाहिश को पूरा करने की कामयाब कोशिश की गई। इस रोचक मेले में हर बड़ी कंपनी ने नए गेम,नए कंसोल पेश किए। उन्होंने दावा किया कि उनके ये नए उपकरण पुरानी सीमाओं को तोड़ देंगे। यहां हजारों खरीदारों ने शिरकत की। एक से बढ़कर एक वीडियो गेम और इससे जुड़ी टेक्नोलॉजी की प्रदर्शनी लगाई गई। गेम के दीवानों की भीड़ के बीच वीडियो गेम के लेटेस्ट ट्रेंड पर भी चर्चा हुई..।

एक्सबॉक्स की धूम

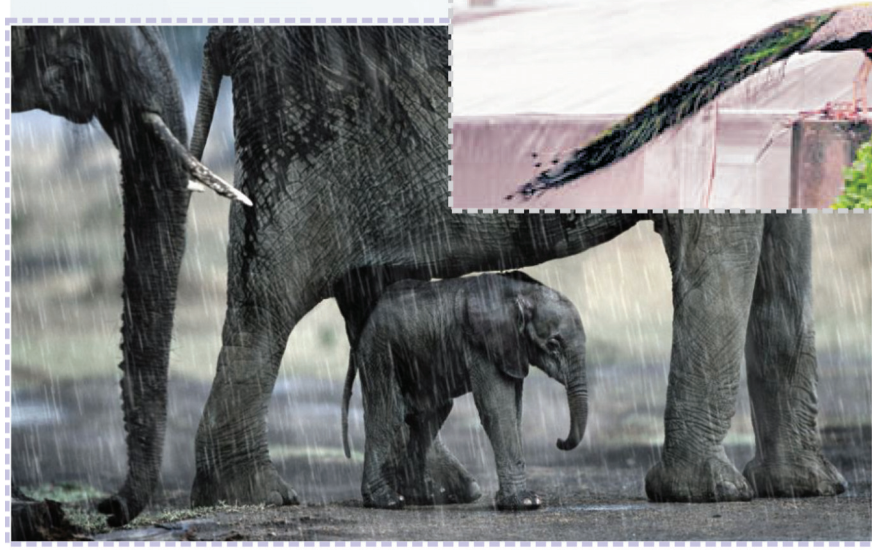

प्लेस्टेशन 4 गेम कंसोल इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रहा है। गेम एक्सपो में यह बात देखने को मिली। दरअसल, पीएस 4 गेम कंसोल पहले से कहीं ज्यादा एडवांस है और इसपर कुछ नए और शानदार गेम खेले जा सकते हैं, जैसे-'स्टीमपुक थ्रिलर 'द ऑर्डर: 1986''अनचार्टेड' और 'लिटिल बिग प्लैनेट' की नई किस्त आदि। 'एनट्वीन्ड' और साई फाई एक्सप्लोरेशन गेम 'नो मैंस स्काई' को पीएस 4 पर खेलने का आनंद ही कुछ और है।

इसके बावजूद एक्सबॉक्स के कुछ नए गेम प्लेस्टेशन 4 के मुकाबले ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 'सनसेट ओवरड्राइव' 'ओरी एंड द ब्लाइंड फॉरेस्ट' और 'हालो', 'फोरजा होराइजॉन' और 'क्रैकडाउन' सीरीज के नए वर्जन को देखते हुए एक्सबॉक्स को लोगों ने सिरआंखों पर बिठाया।

जलवा निटेंडो का

जापानी गेम कंपनी निटेंडो अपने फैंस को लुभाने के लिए हमेशा कुछ न कुछ नया करती रहती है। यही वजह है कि गेम एक्सपो में भी लोगों ने निंटेंडो को हाथोंहाथ लिया। इसकी पुरानी लोकप्रियता बरकरार रही। बदले में निटेंडो ने अपने चाहने वालों को कुछ खास तरह के गेम उपहार में दिए, जैसे- 'लिजेंड ऑफ जेल्डा', 'स्प्लाटून' आदि। इसके अलावा, कैप्टन टोड ट्रेजर ट्रेकर कुछ ऐसे गेम हैं, जिन्हें खेलने का अनुभव पहले से कहीं ज्यादा मजेदार है। इसी तरह, एमीबो लाइन, एक ऐसा गेम है, जो रियल वर्ल्ड के खिलौने मारियो से कनेक्ट करता है और इसे कहीं ज्यादा बेहतरीन बनाता है।

ऑक्यूलस है बेस्ट

ई 3 में सबसे अधिक चर्चा हुई उस हेडसेट की, जिसे कानों पर लगाते ही आप थ्रीडी वर्चुअल रियल्टी की दुनिया में खो जाते हैं। बेस्ट हेडसेट की इस होड़ में सोनी ने अपने लेटेस्ट प्रोजेक्ट मॉरफीयस डिवाइस का डेमो भी दिया। यह ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें हेडसेट को अत्याधुनिक बनाने का प्रयास किया गया है। पर इससे भी बेहतर साबित हुआ ऑक्यूलस हेडसेट, जो वर्चुअल रियलिटी को कहीं ज्यादा सच के करीब ले जाता है। इसकी मदद से 'एलियन : आइसोलेशन', अ मारियो स्टाइल गेम 'लकीज टेल' जैसे गेम को सबसे ज्यादा पंसद किया गया।

मल्टीप्लेयर या सोलो

'इवोल्व', 'रेनबो सिक्स :सीज' निटेंडो का प्वाइंटबॉल कॉम्पिटिशन 'स्पलाटून', ऐसे कई सोलो गेम हैं, जिन्हें आप अकेले खेल सकते हैं। सोनी का 'द ऑर्डर' भी इसी प्रकार का रोचक गेम है। पर यदि आप कहीं ज्यादा रोमांचक और थ्रिलिंग एक्सपीरियंस के साथ वीडियो गेम खेलना चाहते हैं, तो बेहतर होगा इसके लिए आप अपने कुछ खास दोस्तों की तलाश करें। दरअसल, मल्टीप्लेयर गेम खेलने का आनंद ही कुछ और है। ई-3 में प्रशंसकों के बीच मल्टीप्लेयर वीडियो गेम का उत्साह ज्यादा दिखा और इसे भविष्य में सोलो गेम से ज्यादा पसंद किया जाएगा, गेम विशेषज्ञों ने यह भविष्यवाणी भी की। टॉप मल्टीप्लेयर गेम के तौर पर इवोल्व, रेनबो, बैटलफील्ड हार्डलाइन, स्पलाटून और जस्ट डांस नाउ को ज्यादा पसंद किया गया।

खेलें सीटिंग पोजिशन में

कुछ साल पहले तक मोशन-डिटेक्टिंग गेम डिवाइस हमें अपनी जगह से उठकर इधर-उधर मूव करने पर मजबूर कर देता था। पर निटेंडो का शुक्रिया अदा करना होगा कि इससे इस परेशानी से निजात दिला दी। निटेंडो का वाई (6 और माइक्रोसॉफ्ट का काइनेक्ट (%ल्ीङ्ग3) बैठकर खेलने की सुविधा देता है। हां, बिना काइनेक्ट के एक्सबॉक्स वन के जरिए आप एक जगह बैठकर कहीं ज्यादा आरामदायक तरीके से खेल एनजॉय कर सकते हैं। इस तरह, ई-3 में सीटिंग गेम को सपोर्ट करने वाली टेक्नोलॉजी को मूव करने वाले डिवाइस से कहीं ज्यादा पसंद किया गया।

तीन हृदय वाली कटलफिश

कटलफिश कई मायनों में विचित्र है। जहां हर प्राणी के शरीर में एक हृदय होता है, वहीं इसके तीन हृदय होते हैं। गिलों के पास दो हृदय होते हैं जिनका काम अशुद्ध रक्त को गिलों में भेजना है। वहां से यह रक्त तीसरे हृदय में जाता है और फिर शरीर के विभिन्न हिस्सों में पहुंचता है...

मछलियों की हजारों प्रजातियां हैं लेकिन जो बात कटलफिश में है, वह दूसरी मछलियों में कहां! यह सेफलोपोडा वर्ग में आती है। यह समुद्री किनारों के उथले पानी में रहती है। इसकी लंबाई 1.8मीटर तक हो सकती है। कटलफिश कई मायनों में विचित्र है। जहां हर प्राणी के शरीर में एक ही हृदय होता है, वहीं इसके तीन हृदय होते हैं। गिलों के पास दो हृदय होते हैं जिनका काम अशुद्ध रक्त को गिलों में भेजना है। वहां से यह रक्त तीसरे हृदय में जाता है और फिर शरीर के विभिन्न हिस्सों में पहुंचता है। यह एकमात्र ऐसी मछली है जिसके रक्त का रंग लाल न होकर नीला होता है। इसका कारण इसके रक्त में हीमोग्लोबिन की बजाय हीमोसाइनिन नामक पदार्थ होता है। हीमोग्लोबिन में लोहा होता है जबकि हीमोसाइनिन में तांबा। तांबे की वजह से इससे रक्त का रंग नीला होता है। आमतौर पर कटलफिश समुद्री किनारों पर उथले पानी में निवास करती है। कटलफिश बसंत या ग्रीष्म ऋतु में अंडे देती है जिनकी संख्या 100 से 300 तक होती है। इस मछली के शरीर का रंग कत्थई होता है तथा शरीर पर कुछ धारियां और धब्बे भी होते हैं। गिरगिट की भांति इनमें भी अपने शरीर का रंग बदलने की अद्भुत क्षमता होती है। जब सूर्य की रोशनी इन पर पड़ती है तो इनका रंग काफी चमकदार दिखता है। यह दो मीटर तक लंबी हो सकती है। दुश्मनों से अपनी रक्षा करने का इसका तरीका भी गजब का है। जब कोई शत्रु इन पर आक्रमण करने की कोशिश करता है तो ये अपने शरीर से काले रंग का एक पदार्थ उस पर छोड़ती हैं जो धुएं के रूप में वातावरण में फैल जाता है। इस बीच वह दुश्मन की नजर से ओझल हो जाती है।

बॉल की तरह दिखने वाला पौधा

बेसबॉल प्लांट का डायमीटर अर्थात व्यास 6सेमी. से लेकर 15 सेमी. तक होता है। इसका व्यास इसकी उम्र पर आधारित होता है। युवावस्था में इसकी आकृति गोल होती है, परंतु विकास के विभिन्न चरणों में इसका आकार बदलता जाता है

आपने बहुत से पौधों के बारे में देखा और सुना होगा। कुछ पौधे ऐसे होते हैं जिन्हें अगर देखें तो व्यक्ति देखता ही रह जाए, वहीं कुछ पौधे इतने भयावह होते हैं कि उनके पास जाने की कल्पना भी मनुष्य नहीं कर सकता। लेकिन क्या आपने कभी किसी ऐसे पौधे के बारे में सुना है जो बिल्कुल बॉल की तरह दिखता हो। जी हां, साउथ अफ्रीका में यूफॉर्बी ओबेसा नामक पौधा पाया जाता है, जिसे दूर से देखने पर आभास होता है कि मानो कोई बेसबॉल हो। यूफॉर्बी ओबेसा सिर्फ साउथ अफ्रीका के उत्तरी केप प्रांत के जंगलों में ही पाया जाता है। इस प्लांट को खोजने का श्रेय समरसेट पूर्व में स्थित गिल कॉलेज के वनस्पतिशास्त्री पीटर मेकोवेन को जाता है। उन्होंने पहली बार इसे 1897 में ग्राफ रैनेट के पास पाया। इसके आकार के कारण ही इसे बेसबॉल प्लांट नाम से जाना जाता है। यह दक्षिण अफ्रीका के सबसे रसीले पौधों में से एक है। इसका विकास काफी धीमी गति से होता है। इसके फली पर केवल 2-3 ही बीज होते हैं। इसकी सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है। इसकी बाहरी सतह पर लगभग आठ लकीरें उभरी हुई नजर आती हैं, जिससे इसकी सुंदरता में चार-चांद लग जाते हैं। यह देखने पर हरे रंग का प्रतीत होता है परंतु जब यह सीधे तौर पर धूप के संपर्क में आता है तो इसके लाल और बैंगनी क्षेत्र भी साफ तौर पर दिखाई देते हैं। बेसबॉल प्लांट का ऊपरी सिरा नहीं होता। इसके ऊपरी सिरे के स्थान पर छोटे-छोटे फूल होते हैं। हालांकि इसमें कांटे नहीं होते लेकिन इससे निकलने वाला दूधिया पदार्थ विषैला होता है। बेसबॉल प्लांट का डायमीटर अर्थात व्यास 6से लेकर 15 सेंटीमीटर तक होता है। इसका व्यास इसकी उम्र पर आधारित होता है। युवावस्था में इसकी आकृति गोल होती है, परंतु विकास के विभिन्न चरणों में इसका आकार बदलता जाता है। जैसे-जैसे यह बड़ा होता जाता है इसकी आकृति बेलनाकार हो जाती है। इसकी दूसरी सबसे बड़ी खूबी यह है कि बेसबॉल प्लांट में जल को संरक्षित करने की अद्भुत क्षमता होती है। गर्मी के दिनों और सूखे के समय में यह जल इनके बहुत काम आता है। हालांकि इसे अपने विकास के लिए बहुत अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती। एक समय था जब यह पौधे बहुतायत मात्रा में पाए जाते थे लेकिन इसकी सुंदरता ही इसके लिए घातक सिद्ध हुई। इनकर अवैध शिकार और संग्रह शुरू हो गया जिसके चलते आज इसकी प्रजाति संकटग्रस्त है।

इनकी बची हु ई संख्या के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत से कदम उठाए जा रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में केवल 500 मेच्योर बेसबॉल प्लांट ही शेष हैं। भले ही यह प्रजाति संकटग्रस्त हो लेकिन इसके पैतृक निवास स्थान पर बेसबॉल प्लांट की खेती करना लोगों के लिए आम बात है। बड़ी मात्रा में इस प्लांट की खेती, नर्सरी व बोटैनिकल गार्डन इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि बेसबॉल प्लांट की खरीद-फरोख्त और संग्रह के बावजूद भी इसे विलुप्त होने से बचाया जा सकता है।